भीम प्रज्ञा अलर्ट

'अहंकार और संस्कार में फर्क है, अहंकार दूसरों को झुकाकर खुश होता है, संस्कार स्वयं झुककर खुश होता है।'

दैनिक

भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-25 Valid up to 31 dec. 2025

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-27 | झुंझुनू (राजस्थान) | बुधवार, 17 दिसंबर, 2025 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

चूरू में विकास प्रदर्शनी का विधायक ने किया उद्घाटन

भीम प्रज्ञा न्यूज

चूरू । प्रदेश सरकार के दो वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में मंगलवार शाम चूरू सूचना केंद्र में तीन दिवसीय विकास प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा आयोजित इस प्रदर्शनी का उद्घाटन विधायक हरलाल सहारण और जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा ने किया। विधायक हरलाल सहारण ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और इसमें प्रदर्शित प्रदेश व जिले की विकास यात्रा संबंधी सामग्री की सराहना की। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों में राज्य सरकार ने विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं।

सहारण ने यमुना जल समझौते का जिक्र करते हुए बताया कि इससे चूरू में वर्षभर मीठा पानी मिलने की राह खुली है, जिस पर तेजी से काम चल रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार श्रमिक, युवा, महिला और किसान सहित सभी वर्गों के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। विधायक ने किसानों को सशक्त बनाने और कृषि क्षेत्र को मजबूत करने के लिए उठाए गए व्यापक कदमों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में सरकार ने आमजन से किए हर वादे को पूरा करने का प्रयास किया है और इस विकास यात्रा में चूरू जिला भी पीछे नहीं रहा है। जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा ने बताया कि शासन-प्रशासन जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय स्थापित कर आमजन को योजनाओं का लाभ पहुंचा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा के अनुरूप आमजन की समस्याओं का समयबद्ध समाधान किया जा रहा है। उपनिदेशक (जनसंपर्क) कुमार अजय ने अतिथियों का स्वागत करते हुए बताया कि प्रदर्शनी तीन दिनों तक आमजन के निशुल्क अवलोकन के लिए खुली रहेगी। सहायक जन संपर्क अधिकारी मनीष कुमार ने अतिथियों को प्रदर्शनी के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर अतिथियों ने जिला विकास पुस्तिका का भी विमोचन किया।

एसआईआर की लिस्ट जारी

राजस्थान में 41.85 लाख वोटर्स के नाम कटे

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । राजस्थान में विशेष गहन पुनरीक्षण (स्व्हृ) में जिन वोटर्स के नाम काटे गए हैं, उनकी लिस्ट जारी कर दी गई है। ड्राफ्ट लिस्ट में 41.85 लाख वोटर्स के नाम काटे गए हैं। ड्राफ्ट लिस्ट के साथ एब्सेंट, शिफ्टेड, डेड और ऑलरेडी एनरोल्ड लिस्ट दी गई है। ड्राफ्ट वोटर लिस्ट निर्वाचन विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध करवा दी गई है। राजस्थान के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने कहा- जिन वोटर्स के नाम हटाए हैं, उन्हें अब कोई नोटिस नहीं दिया जाएगा। अगर उन्हें आपत्ति है तो वे दस्तावेज देकर दावा पेश कर सकते हैं। इसमें परमानेंट शिफ्ट वोटर्स, डेड वोटर्स, एब्सेंट और डुप्लीकेट वोटर के नाम हटाए गए हैं।

सुनवाई का मौका दिए बिना नाम नहीं हटेंगे

SIR के अनुसार- ड्राफ्ट लिस्ट से कोई भी नाम हटाने से पहले संबंधित एसडीएम, तहसीलदार को सुनवाई का मौका देकर लिखित आदेश जारी करने होंगे, जिनके ऊपर कलेक्टर और फिर मुख्य निर्वाचन अधिकारी के यहां भी अपील कर सकेंगे।

11 लाख वोटर्स को नोटिस जारी किए जाएंगे

11 लाख वोटर्स की मैपिंग नहीं हुई, उन्हें नोटिस जारी किए जाएंगे। ऐसे वोटर्स दस्तावेज जमा करवाकर नाम जुड़वा सकेंगे। ये ऐसे वोटर्स हैं, जिनके नाम पिछली स्व्हृ में नहीं थे। दस्तावेज नहीं दे पाए थे। इन्हें अब एसडीएम स्तर से नोटिस जारी किए जाएंगे।

11 लाख को नोटिस देंगे, दस्तावेज देकर दावा पेश कर सकते हैं

वोटर लिस्ट में नए नाम भी जुड़ेंगे

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने सभी कलेक्टरों को निर्देश दिए हैं कि सभी वोटर्स को वोटर लिस्ट में अपना नाम जांचने के लिए प्रेरित किया जाए। यदि नाम नहीं है तो नाम जुड़वाने के लिए फॉर्म-6 के साथ घोषणा-पत्र भरकर जमा कराने के बारे में जानकारी दी जाए। युवा वोटर जो 1 अप्रैल 2026, 1 जुलाई 2026 और 1 अक्टूबर 2026 तक 18 साल के होंगे। उन सभी से भी एडवांस फॉर्म-6 भरकर अपना नाम वोटर लिस्ट में दर्ज करवाने के लिए आवेदन करावें।

बीजेपी-राज में हर राजस्थानी पर एक लाख कर्जा : जूली

भीम प्रज्ञा न्यूज

सीएम समय-स्थान तय करें, अधूरे वादों पर मुख्यमंत्री से बहस को तैयार

जयपुर । नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने बीजेपी सरकार के दो साल के कार्यकाल पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा है कि 70 प्रतिशत वादे पूरे करने का दावा हवा हवाई है। मैं मुख्यमंत्री से बहस के लिए तैयार हूं, समय और स्थान मुख्यमंत्री बता दें। इस सरकार के बनने के बाद राजस्थान पर 1.55 लाख करोड़ का कर्ज बढ़ गया है, यह कर्ज आगे और बढ़ेगा। हर राजस्थानी पर एक लाख का कर्ज है। जूली जयपुर आवास पर मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

जूली ने कहा- बीजेपी सरकार ने दो बजट में 1727 बजट घोषणाएं की हैं, उनमें से केवल 754 बजट घोषणा ही पूरी हुई हैं, 1256 बजट घोषणाएं अभी भी अधूरी हैं जिन पर काम ही पूरा नहीं हआ। 760 बजट घोषणाएं ऐसी हैं, जिन पर अभी तक कोई काम नहीं हुआ है।

बीजेपी राज में सरकारी स्कूलों में नामांकन घटे

जूली ने कहा- बीजेपी राज में सरकारी स्कूलों में नामांकन घटे हैं, स्टूडेंट्स की संख्या कम हुई है। साल 2023- 24 में सरकारी स्कूलों में 1.67 करोड़ स्टूडेंट थे, जो 2024- 25 में घटकर 1.62 करोड़ रह गए हैं, इनमें 5 लाख विद्यार्थियों की कमी आई है। इस सरकार ने चार लाख नौकरियां देने का वादा किया था, लेकिन दो साल में 95 हजार नौकरी दी हैं और वो भी वे नौकरियां है जो हमारे समय की प्रक्रिया में चल रही थी।

35 लाख करोड़ के एमओयू पर जवाब ही नहीं देती सरकार

जूली ने कहा- सरकार का दावा है कि 35 लाख करोड़ के एमओयू हुए हैं और 8 लाख करोड़ के एमओयू जमीन पर उतार दिए हैं। सरकार को इसकी जानकारी नहीं है कि 8 लाख करोड़ के एमओयू जमीन पर उतार दिए। जब हम सरकार से विधानसभा में सवाल करते हैं तो कोई जवाब नहीं मिलता है। आरटीआई के जरिए भी इसका कोई जवाब नहीं दिया जा रहा है।

नीमराना में सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ चला अभियान, 40 किलो पॉलिथीन जब्त

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । नीमराना। नगर पालिका नीमराना के अधिशासी अधिकारी विष्णु कुमार गुर्जर के निर्देश में और पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड से वैज्ञानिक अधिकारी चेतन आर्य व अन्य स्टाफ के सहयोग से मंगलवार को नीमराना में सिंगल यूज प्लास्टिक जप्त करने के लिए विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान लगभग 40 किलो पॉलिथीन जब्त की गई और 1700 रुपए के चालन किए गए। इस कार्यवाही में अंकित बैरवा, कुलदीप कुमार, सबल यादव, यशवंत, नितिन यादव, मनोहर लाल सैनी सफाई निरीक्षक, वीरेंद्र चौधरी, अशोक जेटीए, भागीरथ एनयूएलएम सीओ व अन्य कर्मचारी मौजूद रहें। नगर पालिका नीमराना के अधिशासी अधिकारी विष्णु कुमार गुर्जर ने बताया कि सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग को रोकने के लिए यह अभियान चलाया जा रहा है, जिससे पर्यावरण को बचाया जा सके। उन्होंने बताया कि इस अभियान में पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के वैज्ञानिक अधिकारी चेतन आर्य व अन्य स्टाफ का सहयोग मिला है। इस अभियान के दौरान जब्त की गई पॉलिथीन को उचित तरीके से नष्ट किया जाएगा और चालन किए गए लोगों को सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग के नुकसान के बारे में जागरूक किया जाएगा। नगर पालिका नीमराना इस तरह के अभियान आगे भी चलाती रहेगी, जिससे नीमराना को सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त बनाया जा सके।

विजय दिवस को आरएसएस ने मनाया 'विजय दिवस', वीर सावरकर बस्ती में 78,000 दंड प्रहार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

मंगलवार को 1971 के भारत-पाक युद्ध में भारतीय सेना की ऐतिहासिक जीत के उपलक्ष्य में, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (रस्स) ने विजय दिवस को 'प्रहार दिवस' के रूप में उत्साह से मनाया। यह आयोजन चिड़ावा की वीर सावरकर बस्ती में किया गया, जो राष्ट्र रक्षा में समर्पित सैनिकों के सम्मान का प्रतीक था। इस भव्य कार्यक्रम में 108 दंड प्रहार करने वाले स्वयंसेवकों ने मिलकर लगभग 78,000 दंड प्रहार किए, जो अनुशासन और संकल्प का संदेश था। सेवानिवृत्त कैप्टन कुलदीप मान ने इसे भारत की रणनीतिक क्षमता का परिणाम बताया। वहीं, सेवानिवृत्त अध्यापक उमेश शर्मा ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में राष्ट्रभाव और जागरूकता का संचार करते हैं। कार्यक्रम में लेफ्टिनेंट राधेश्याम शर्मा, सुनील सिद्धड़, अनिल दाधीच, मोहित,अजय बागड़ी ,संदीप चेतीवाल, संजय बागड़ी,अशोक शर्मा,विजेंद्र पचार, राकेश सैनी और शंकर लाल भारतीय सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इस दौरान सभी ने राष्ट्र के प्रति सम्मान और चेतना बनाए रखने का संकल्प लिया।

मंडावर में सिविल कोर्ट की मांग को लेकर अधिवक्ताओं ने उपखंड अधिकारी को मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावर।

मंडावर उपखंड क्षेत्र में सिविल न्यायालय की वर्षों से लंबित मांग एक बार फिर मजबूती से उठी है। मंगलवार को अभिभाषक संघ महवा, जिला दौसा से जुड़े अधिवक्ताओं ने एकजुट होकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नाम उपखंड अधिकारी मंडावर को ज्ञापन सौंपते हुए स्पष्ट किया कि मंडावर उपखंड बने करीब पांच वर्ष बीत जाने के बावजूद मंडावर में सिविल जज एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट का न्यायालय स्थापित न होना ग्रामीण अंचल के साथ न्यायिक उपेक्षा का प्रतीक है। ज्ञापन के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता भुवनेश त्रिवेदी और शिवदत्त जैमिनी एडवोकेट ने बताया कि मंडावर उपखंड के अंतर्गत आने वाली मंडावर और बैजूपांडा दोनों तहसीलों के मामलों की सुनवाई वर्तमान में महवा और बांदीकुई न्यायालयों में हो रही है। इससे आम नागरिकों, किसानों, महिलाओं और कमजोर वर्ग के लोगों को न्याय के लिए करीब 50 किलोमीटर तक की दूरी तय करनी पड़ती है। यह स्थिति न केवल समय और धन की अतिरिक्त मार डालती है, बल्कि न्याय प्राप्ति की प्रक्रिया को भी कठिन और बोझिल बना देती है। अधिवक्ताओं ने कहा कि संविधान द्वारा प्रदत्त सस्ता, शीघ्र और सुलभ न्याय मंडावर क्षेत्र के लोगों के लिए आज भी व्यवहार में साकार नहीं हो पाया है।

अधिवक्ताओं ने यह भी रेखांकित किया कि मंडावर उपखंड का क्षेत्रफल, जनसंख्या और वादों की संख्या सिविल न्यायालय की स्थापना के सभी मानकों को पूरा करती है। यदि यहां सिविल न्यायाधीश का न्यायालय खोला जाता है तो हजारों वादकारियों को सीधी राहत मिलेगी, न्यायिक प्रक्रिया में तेजी आएगी और महवा व बांदीकुई न्यायालयों पर बढ़ते बोझ को भी संतुलित किया जा सकेगा। इससे ग्रामीण क्षेत्र में कानून के प्रति भरोसा मजबूत होगा और प्रशासनिक तथा न्यायिक ढांचा और अधिक प्रभावी बनेगा। इस अवसर पर शिवदत्त जैमिनी, खेमसिंह गुर्जर, रामवतार बैरवा, राहुल गुप्ता, प्रदीप चौधरी, मधुसूदन सैनी और भुवनेश मीणा सहित कई अधिवक्ता मौजूद रहे।

सैनिकों को नमन, भारत की सबसे लंबी साइकिल यात्रा चिड़ावा पहुंची, गांधी चौक पर भव्य स्वागत

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

सैनिकों के सम्मान में पूरे भारत का भ्रमण कर रही सबसे लंबी साइकिल यात्रा मंगलवार को चिड़ावा पहुँची। यात्रा का नेतृत्व कर रहे अभिषेक यादव (देवरिया, उत्तर प्रदेश) का गांधी चौक पर स्थानीय नागरिकों और गणमान्य व्यक्तियों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। यात्री अभिषेक यादव के चिड़ावा आगमन पर उनका फूल माला पहनाकर हार्दिक अभिनंदन किया गया और पुष्प वर्षा कर उनके अभियान को सराहा गया। यात्रा के स्वागत में जयराम स्वामी, शंकर सोनी, राजकुमार जिसपाल, सुभाष पंवार सहित अमर सिंह कोकचा, बनवारी सोनी, बुध राम वर्मा, वीरेंद्र शर्मा, प्रकाश पारीक, रमेश राजू, सुनील टेलर ने सक्रिय रूप से भाग लिया। सभी ने अभिषेक यादव के इस अतुलनीय प्रयास की सराहना की, जो भारतीय सैनिकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता का प्रतीक है। इस यात्रा का उद्देश्य सैनिकों के बलिदान को जन-जन तक पहुँचाना और राष्ट्र सेवा के प्रति जागरूकता फैलाना है। अभिषेक यादव की यह साइकिल यात्रा देश के विभिन्न राज्यों से होकर गुजर रही है, जिसमें हर जगह उनका उत्साहपूर्वक स्वागत हो रहा है।

पूर्व विधायक शर्मा ने किया बार एसोसिएशन पदाधिकारियों का सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज.चौमूं।

सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया । शहर के पूर्व विधायक रामलाल शर्मा के द्वारा मंगलवार को भाजपा कार्यालय पर हाल ही में संपन्न हुए चुनाव में विजय हुए दी बार एसोसिएशन चौमूं के नवनिर्वाचित अध्यक्ष चरण सिंह चौधरी, उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम यादव, महासचिव मुकेश कुमार मोदी, कोषाध्यक्ष अजय सिंह शेखावत, सांस्कृतिक सचिव प्रियंका यादव, सदस्य कुकू सेन का माला एवं दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया। इस दौरान नगर पालिका के पूर्व उपाध्यक्ष एवं श्री वीर तेजाजी धाम विकास समिति के अध्यक्ष कालूराम जाट, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष कालाडेरा लालचंद यादव, एडवोकेट हेमराज यादव, राहुल शर्मा, एन आर यादव, शंकर लाल सैनी सहित कई भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

दी बार एसोसिएशन पदाधिकारियों का सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज.चौमूं।

सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया। शहर में रेनवाल रोड़ टांकरडा रेलवे अंडरपास के पास स्थित श्री वीर तेजाजी धाम पर मंगलवार को सुबह दी बार एसोसिएशन चौमूं की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के अध्यक्ष चरण सिंह चौधरी, महासचिव मुकेश कुमार मोदी, उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम यादव, कोषाध्यक्ष अजय सिंह शेखावत, सांस्कृतिक सचिव प्रियंका यादव का श्री वीर तेजाजी धाम विकास समिति के अध्यक्ष कालूराम जाट के द्वारा माला व चुनरी का साफा पहनाकर एवं वीर तेजाजी महाराज की तस्वीर भेंट कर सम्मान किया। इस दौरान समिति के महामंत्री रतनलाल गोरा, बाबूलाल करीरा, सदस्य मोहनलाल गोरा, पुजारी ताराचंद शर्मा, सुंदरलाल गोरा, रियांश गोरा, मोनू शर्मा मौजूद थे।

हांसी बना हरियाणा का 23वां जिलाः मुख्यमंत्री ने की घोषणा, नोटिफिकेशन एक सप्ताह में

भीम प्रज्ञा न्यूज़.हांसी।

विजय रंगा(ब्यूरो चीफ) । हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी से हांसी को नया जिला बनाने की घोषणा कर दी है। हांसी हरियाणा का 23वां जिला बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 में हांसी पुलिस जिला के लिए मनोहर लाल ने घोषणा की थी। चुनाव से पहले मैं हांसी आया था, तब आचार संहिता लग गई थी, इसलिए अरमान दिल में रह गए थे। मगर, आज उस अरमान को पूरा करने आया हूं। मैं हांसी को 23वां जिला बनाने की घोषणा करता हूं। मुख्यमंत्री ने हांसी में जैसे ही इसकी घोषणा की, वैसे ही लोगों ने खड़े होकर तालियां बजाई और डांस शुरू कर दिया। इसके साथ ही हांसी शहर में आतिशबाजी शुरू हो गई है। सरकार की ओर से हांसी जिले का मैप भी जारी किया गया है। इस नए जिले में दो उपमंडल और तीन तहसील और एक उपतहसील बनाई जाएगी। इसमें 97 राजस्व गांव और 110 ग्राम पंचायत शामिल की जाएगी। नए जिले के लिए पूरा ड्राफ्ट तैयार कर लिया गया है । हांसी नए जिले के ड्राफ्ट में हांसी, नारनौद उपमंडल के अलावा हांसी, नारनौंद बास तहसीलें और खेडी चौपटा उपतहसील का इलाका शामिल होगा। इसका नोटिफिकेशन एक सप्ताह में आ जाएगा। वर्तमान में जो पुलिस जिला का सीमांकन हैं, उसी को राजस्व जिला का सीमांकन माना जाएगा। ड्राफ्ट तैयार कर अधिकारियों ने प्रदेश के राजस्व विभाग को भेज दिया है। उधर, जिला बनाने की घोषणा के बाद विधायक विनोद भयाणा ने मुख्यमंत्री का आभार जताया और कहा कि हांसी के लोग इस दिन को कभी नहीं भूल पाएंगे। यह भी कहा कि जिसको रोना है, रोता रहे, ये सरकार बेधड़क चलेगी। नायब सैनी सबका काम करता है, इसका इलाज किसी के पास नहीं है। हांसी के जिला बनने के बाद अब कई चीजें बदल जाएंगी। हांसी के लोगों को डीसी से मिलने के लिए हिसार नहीं आना होगा। हांसी में डीसी बैठेंगे। इसके साथ ही मुकदमों की पैरवी के लिए हिसार जिला कोर्ट भी नहीं आना पड़ेगा। जिला एवं सत्र न्यायालय का गठन होगा। जिला न्यायाधीश भी बैठेंगे। किसानों को भी लाभ मिलेगा। उन्हें हांसी में वे सारी सुविधाएं मिलेगी, जिनके लिए उन्हें हिसार आना पड़ता था। साथ ही हांसी के लिए जिला के तौर पर सरका से अलग से बजट मिलेगी, जिससे विकास कार्यों में तेजी आएगी। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि मैं रोजाना 500 से 1000 शिकायत सुनता हूं। मेरे पास 1 लाख 42 हजार एप्लीकेशन आई हैं। इसमें से हमने 1.25 लाख लोगों का काम किया है। 40 हजार लोगों के काम की रिकॉर्डिंग भी मेरे पास है।मुख्यमंत्री ने कहा कि हांसी बस स्टैंड के लिए अलग से ड्रेन बनाई जाएगी। सेक्टर 5 में एसटीपी - डब्ल्यूटीपी बनेगा । सुल्तानपुर गांव में एक हजार क्षेत्र की सिंचाई के लिए ओपी जिंदल माइनर के लिए रजवाहा दिया जाएगा। हांसी को भाखड़ा बयास से जोड़ा जाएगा। हांसी में पुलिस लाइन का निर्माण चरणबद्ध तरीके से होगा। खेल स्टेडियम बनेगा, ऐतिहासिक एमटी झील का सौंदर्यीकरण करवाया जाएगा। हांसी के अस्पताल को 100 बेड का किया जाएगा।

हांसी में दो उपमंडल और तीन तहसील और एक उपतहसील बनाई जाएगी

राजनीती में व्यक्तिगत आरोपों से बचें मयार्दा से काम करें

संजय गोस्वामी

स्वामी विवेकानंद ने राज योग (1896) में कहा थाः राम हमें दिखाते हैं कि धर्म नियमों का सख्ती से पालन करना नहीं है, बल्कि इंसानी कामों के तालमेल का जीता-जागता उदाहरण है इसलिए भगवान पर भरोसा रखें वाद विवाद से बचें व्यक्ति आरोपों से बचना चाहिए। मयार्दा में रह कर ही देश की गरिमा बचेगी और आप कों कौन क्या कहता है इसपर ध्यान देने की जरुरत नहीं है आरोप का जबाब काम से दें ईश्वर हमेशा सही वक़्त पर सही न्याय देता है बस सब्र बनाये रखें विश्वास रखें और जब मन शांत होगा तभी अच्छा विचार आएगा।

आज सत्ता पक्ष और विपक्षी नेता के बीच गजब का न्यूज चल रहा किसी के ऊपर व्यक्तिगत आरोप नहीं लगाना चाहिए राम लीला मैदान में जो घटना क्रम हुआ उससे विदेशों में भारत की छवि खराब हो रही है एक दूसरे पर वीडियो वाइरल होना ठीक नहीं है आप सभी संयम से काम ले और भगवान राम पर विश्वास रखें हमें लगता है कि इसमें अब कुछ उद्योग पति भी मिल गए है क्योंकि इतना बड़ा आयोजन हेतु फंड कौन कर रहा है प्रधानमंत्री पर निजी टिपण्णी करना लोकतंत्र के खिलाफ है जब चुनाव होगा तो काम के दम पर ही जीत मिलेगी इसलिए मेहनत स्टेज पर और भाषण से नहीं यदि विपक्ष में है तो जनता और देश के सम्मान में काम करना होगा जब स्व अटलजी जैसे मेहनत कर देश का नाम ऊँचा करने वाले पर भी उनके व्यक्तिगत आरोप उनके निधन पर देखता हूँ तो कहाँ कहाँ से घटिया न्यूज बनाते है समझ में नहीं आता जिसने 1998 में देश में पोखरण परमाणु परीक्षण और 1999 में कारगिल युद्ध में देश का मस्तिष्क ऊँचा किया था आज हमें देश के विकास के लिए वैज्ञानिकों पर भरोसा करना होगा जो आज बड़ी तेजी से पलायन कर रहे है वैज्ञानिक संसाधनों का विकास ही देश कों टेक्नोलॉजी के क्षेत्र मं आगे ले जा सकता है चाहे अंतरिक्ष के क्षेत्र में हो या कृषि या रक्षा के क्षेत्र में या परमाणु के क्षेत्र में सभी में वैज्ञानिकों पर विश्वास करना आवश्यक है हो सकता है तुरंत परिणाम ना निकलें क्योंकि शोध में कई साल लगते हैं और इसलिए संयम और शांति की आवश्यकता है सत्ता आती है जाती है लेकिन देश में वैज्ञानिक कार्यों में विकास की आवश्यकता है जिससे देश में अपना सामान खुद बना सकते है और युवाओ के लिए एक अच्छा प्लेटफार्म होगा टेक्नोलॉजी के मामलों में टैलेंटेड होने के बाद भी उसका सही इस्तेमाल नहीं हो रहा है जिसमे सभी पार्टियों कों साथ में मिलकर काम करना चाहिए अगर टेक्नोलॉजी होगी तभी देश आत्मनिर्भर होगा और भारत में संसाधनों की कमी नहीं है और जनसंख्या के हिसाब से देश चीन के बाद ऐशिया में दूसरे नम्बर पर है आखिर चीन से हमें क्यों आयात करना होता है जब हम खुद ही उसे बनाने में सक्षम है नई सरकार जब 2014 में बीजेपी की आई तो उस समय सरकारी तंत्र तो विपक्षी दल के पास ही था आखिर क्या कारण था कि देश में जनाधार नहीं मिला और अब तक सत्ता में नहीं आ रहे है काम पर फोकस ज्यादा जरुरी है 2014 में जब नई सरकार आई तो विश्व योगदिवस चालू हुआ लेकिन योग का सही अर्थ समझना जरुरी है जिसके लिए भगवान राम के बारे में ध्यान करना जरुरी है जो किसी धर्म और जाति से नहीं जुड़े है बल्कि मानवता की रक्षा के लिए मयार्दा का पालन करना सिखाते हैं अतः आज सभी मयार्दा की सारी सीमा लांघ गए है जो देशहित में नहीं है इसपर शांति से काम लेना होगा भगवान राम ने ना तो रावण के व्यक्तिगत जीवन पर कोई टिपण्णी की और ना ही उनके सबसे बड़े वैज्ञानिक हनुमान के विश्वास कों तोड़ा और यही उनके जीत की सबसे बड़ा कारण थी रावण प्राकृतिक के नियम कों नहीं मानता था और मनुष्य कों मनुष्य ना समझ कर जानवर समझता था इसलिए मनुष्य के रुप में भगवान राम और बानर सेना जो जानवर

की श्रेणी में आते हैं ने एक जुट होकर रावण कों हराया और उसका घमंड चूर किया जबकी रावण मनुष्य से अलग शंकर भगवान की कृपा से मायाबी शक्ति हासिल किया फिर भी भगवान राम ने साधारण मनुष्य के रूप में वध कर ही दिया कौन क्या किया और क्या कर रहा है उसकी नजरें सब पर टिकी हैं और अन्त समय कहाँ बचने वाले हैं अतः शांति से काम लें धरना प्रदर्शन से देश का माहौल खराब होता है सत्ता आती है जो जाएगी भी लेकिन आपका व्यक्तिगत सम्बन्ध ही काम आएगा अतः शांति से काम लेने की जरुरत है समय के साथ कर्म करते चले वोट चोरी कैसे हुई इसपर न्यायलय है वहाँ ही न्याय मिल सकता है देश एक कठिन दौर से गुजर रहा है हंगामा कहीं से भी हो उसका नुकसान ही होगा अतः शांति से काम लें धैर्य रखें जनता पर विश्वास कर उनके कार्य कों करेंगे तो जनाधार मिलेगा वोट चोरी होती तो बीजेपी पं म बंगाल और साउथ में भी जीतती लेकिन ऐसा नहीं हुआ नमस्कार,मेरे रोम रोम में बसने वाले राम का गाना सुना भगवान राम पर एक गाना हो जो सबको सही संदेश दे उस वक़्त मनोज कुमार ने नीलकमल फिल्म में गाना अपनी पसंद का लिखाया था गाना के गीतकार साहिर लुधियानवी ने लिखा आशा भोसले ने गया लता जी संप्रदायक के कारण नहीं गई और वाहिदा रहमान को इसी गाने फिल्म नीलकमल में बेस्ट एक्टिव का खिताब भी मिला अब यहाँ धर्म कहाँ आ रहा है धर्म में नफरत राजनीती पक्ष ने ही पैदा की है जिसे मिटाने की आवश्यकता है योग से ध्यान का मतलब होता है जोड़ जो आत्मा को परमात्मा से मिलने को होता है जो ध्यान से होता है और ध्यान के लिए अपने को भगवान श्री राम ही सत्य है वो योग रामदेव बाबा वाला एक भ्रमजाल है क्योंकि शरीर को ध्यान से ठीक करें हर दिन भगवान राम का ध्यान करते रहें और बार बार करने से ध्यान में जो हमारे विकास हैं वो दूर होते हैं ऐ बात सत्य है कि आपका अपना कोई इस संसार में नहीं है सभी ध्यान भटकाने के लिए हैं कुछ साल बाद भगवान श्री राम की ताकत का अहसास होगा और चन्दन की खुसबू मिलेगी जो हमेशा आपके रक्षा के लिए खड़ा होगा डर खत्म कर देगा या तो इस स्थूल शरीर के लिए या सूक्ष्म शरीर के लिए इसलिए जन्मजन्मातर तक हमेशा प्रकाशित करेगा यही प्रभु राम की ताकत है भगवान राम किसी धर्म से जोड़ कर आपस में वैर करना ठीक नहीं है राम के गुणों को लीडरशिप, साइकोलॉजी और नैतिक विकास में उनके कार्य के अनुसार जो आज की चुनौतियों है उससे शांति से निपटने के लिए भगवान राम गुणों की हमेशा याद करने की जरूरत है। जैसा कि ओलिवेल (2017) ने रिलिजन इन द रामायणः कॉन्टेक्स्चुअल एप्लीकेशंस एंड सिग्निफिकेंस फॉर टुडे में लिखा है, राम का किरदार सिर्फ.एक ऐतिहासिक या पौराणिक किरदार नहीं है, बल्कि इंटीग्रेटेड एक्सीलेंस का एक बड़ा उदाहरण है जो इंसानी क्षमता और सोशल इंटरेक्शन को जानकारी देता रहता है। राम के गुणों को समझने के मुख्य सोर्स में वाल्मीकि रामायण, अध्यात्म रामायण, तुलसीदास की रामचरितमानस और कई पौराणिक रेफरेंस शामिल हैं। इनमें से हर किताब राम को अलग-अलग नजरिए से दिखाती हैः ऐतिहासिक, फिलॉसॉफिकल, भक्ति और आध्यात्मिक, जिससे एक अलग-अलग तरह की तस्वीर बनती है जिसे ध्यान से जोड़ना चाहिए। जैसा कि डॉ। रॉबर्ट गोल्डमैन द रामायण ऑफ वाल्मीकिः एन एपिक ट्रांसलेशन (1984) में बताते हैं, रामायण के अलग-अलग वर्शन के बीच दिखने वाली कमियां तब गायब हो जाती हैं जब हम उन्हें एक ही बुनियादी सच पर विरोधाभासी नजरिए के बजाय एक-दूसरे को पूरा करने वाले नजरिए के तौर पर समझते हैं। पोलक (2021) की हालिया छात्रवृत्ति, वाल्मीकि की रामायणः प्राचीन भारत का एक महाकाव्य, पाठ के ऐतिहासिक संदर्भ को समझने के महत्व पर जोर देती हैः रामायण एक ऐतिहासिक कथा (इहसास), एक नैतिक मार्गदर्शिका (धर्मशास्त्र), और एक आध्यात्मिक पाठ (मोक्षशास्त्र) के रूप में एक साथ कार्य करती है, जिसके लिए बहुआयामी व्याख्या दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। विश्लेषणात्मक समझ पर कई दृष्टिकोण राम के गुणों का गहन विश्लेषण करने के लिए, हम कई सैद्धांतिक ढांचे का उपयोग करते हैंः 1. हेमेर्नेयुटिक विश्लेषणः आवश्यक गुणों की पहचान करने के लिए प्राथमिक ग्रंथों में राम के गुणों की की बारीकी से व्याख्या करना 2. तुलनात्मक विश्लेषणः राम के गुणों की वर्तमान सैद्धांतिक रूपरेखाओं से व्यवस्थित रूप से तुलना करना 3. क्रॉस-सांस्कृतिक विश्लेषणः अन्य ज्ञान परंपराओं में समानताओं की जांच करना 4 यह तरीका ब्रायमन (2018) के कहे थ्योरेटिकल ट्रायंगुलेशन से मेल खाता हैः एक ही चीज को कई थ्योरेटिकल नजरिए से देखना ताकि उसे पूरी तरह समझा जा सके। 1. पर्सनल सचः राम के विचारों, शब्दों और कामों में एक जैसापन 2. सोशल सचः सभी रिश्तों और लेन-देन में ईमानदारी 3. कॉस्मिक सचः धार्मिक सिद्धांतों और यूनिवर्सल ऑर्डर के साथ तालमेल 4. ट्रांसेंडेंट सचः परम सत्य (ब्र ा) से जुड़ाव डॉ. एस. राधाकृष्णन ने इंडियन फिलॉसफी वॉल्यूमक (1923) में कहा थाः राम का सच बोलना (सत्य व्रत) सिर्फ.झूठ से दूर रहना नहीं है, बल्कि सच को उसके पूरे मतलब में अपनाना है जो अस्तित्व के सभी लेवल पर सच से मेल खाता है। कॉग्निटिव कंसिस्टेंसी की साइकोलॉजिकल थ्योरी (फेस्टिंगर, 1957) राम के किरदार में पूरी तरह से दिखाई देती है, जहाँ विश्वास, भावना और काम के बीच कोई तालमेल नहीं है। सियालडिनी (2016) का प्री-सुएशन पर हालिया काम बताता है कि यह कंसिस्टेंसी एक ट्रस्टवर्दीनेस फील्ड बनाती है जो असल में बदल देती है कि दूसरे लोग कम्युनिकेशन कैसे लेते हैं और उस पर कैसे रिस्पॉन्ड करते हैं। फ्रैंकफर्ट (2018) ने कंटेम्परी ट्रुथ स्टडीज में, ऑन ट्रुथ, लाइज, एंड बुलशिट, असली सच और ए ुअल सच के बीच फर्क किया है, यह फर्क राम की मल्टीडाइमेंशनल सच्चाई में पूरी तरह से साफ दिखता है। फ्रैंकफर्ट कहते हैंः एक सच्चे सच बोलने वाले को सिर्फ सटीकता से नहीं, बल्कि असलियत की ओर एक बुनियादी झुकाव से अलग किया जाता है, एक ऐसी क्वालिटी जो राम के सभी इंटरैक्शन की खासियत है। धर्मः नेकी का डायनामिक प्रिंसिपल राम के धर्म से रिश्ते को समझने के लिए, हमें सिर्फ नियम मानने से आगे बढ़कर धर्म को एक जीते-जागते, सांस लेने वाले प्रिंसिपल के तौर पर समझना होगा जो अपने जरूरी नेचर को बनाए रखते हुए कॉन्टेक्स्ट के हिसाब से ढल जाता है। धर्म को एक नदी की तरह सोचें जो अलग-अलग इलाकों से बहते हुए भी अपना असली रूप बनाए रखती है। राम दिखाते हैं कि मॉडर्न एथिक्स जीसे सिचुएशनल विजडम कहते हैं यह खास सिचुएशन में यूनिवर्सल प्रिंसिपल्स को अप्लाई कर उनके काबिलियत पर जानने की जरुरत है। भगवान राम ने जब अलग-अलग काम राजधर्म बनाम पुत्रधर्म सामने आते हैं, तो राम का पक्का इरादा दिखाता है यानी मयार्दा का पालन करना जिसे बाद में फिलॉसफर जॉन रॉल्स ने रिफ्लेक्टिव इक्विलिब्रियम कहा। जैसा कि स्वामी विवेकानंद ने राज योग (1896) में कहा थाः राम हमें दिखाते हैं कि धर्म नियमों का सख्ती से पालन करना नहीं है, बल्कि इंसानी कामों के तालमेल का जीता-जागता उदाहरण है इसलिए भगवान पर भरोसा रखें वाद विवाद से बचें व्यक्तिगत आरोपों से बचना चाहिए। मयार्दा में रह कर ही देश की गरिमा बचेगी और आप कों कौन क्या कहता है इसपर ध्यान देने की जरुरत नहीं है आरोप का जबाब काम से दें ईश्वर हमेशा सही वक़्त पर सही न्याय देता है बस सब्र बनाये रखें विश्वास रखें और जब मन शांत होगा तभी अच्छा विचार आएगा।

संपादकीय

बेरोजगार नौजवानों को आकर्षित करने में विफल

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के तहत अवसर एक लाख 65 हजार थे, लेकिन सवा 33 हजार नौजवान ही ज्वाइन करने को तैयार हुए। उनमें से भी लगभग 20 फीसदी ने बीच अवधि में ही इसे छोड़ दिया। यह कहना शायद जल्दबाजी हो कि प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना फेल हो गई है। फिर भी यह तो कहा ही जाएगा कि ज्यादातर बेरोजगार नौजवानों को आकर्षित करने में यह विफल रही है। यह बात की पुष्टि खुद संसद में पेश सरकारी आंकड़े करते हैं। कंपनी मामलों के राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा ने लोकसभा में बताया है कि पहले दो चरणों में सिर्फ 33,300 नौजवानों ने इंटर्नशिप स्वीकार की। उनमें से 6,618 ने बीच में ही इसे छोड़ दिया। पहले चरण में कंपनियों ने 82 हजार और दूसरे चरण में 83 हजार इंटर्नशिप के ऑफर दिए। यानी अवसर एक लाख 65 हजार थे, जबकि सवा 33 हजार नौजवान ही ज्वाइन करने को तैयार हुए। उनमें से भी लगभग 20 फीसदी ने बीच अवधि में ही इसे छोड़ दिया। छोड? वालों में बड़ी संख्या उन इंटर्न्स की रही, जिन्होंने कार्यस्थल दूर होने या परिवहन सुविधाजनक ना होने को अपने फैसले की वजह बताया। गौरतलब है कि पिछले लोकसभा चुनाव के बाद केंद्र ने बड़े धूम-धड़ाके से यह योजना घोषित की थी। इसके तहत इंटर्नशिप लेने वाले नौजवानों को एक बार छह हजार रुपए के भुगतान के अलावा 12 महीनों तक पांच हजार रुपए का भत्ता देने का प्रावधान है। सरकार ने कहा था कि इस योजना के तहत पांच वर्ष में एक करोड़ नौजवानों को ट्रेनिंग दी जाएगी, ताकि वे रोजगार का कौशल हासिल कर सकें। मगर पहले दो वर्ष में योजना पर अमल के जो आंकड़े सरकार ने दिए हैं, जाहिर है, वे निराशाजनक हैं। कारण बुनियादी है। बेरोजगारी की समस्या ऐसी मरहम-प ी से दूर नहीं होने वाली है। इसके लिए आर्थिक सोच में आमूल परिवर्तन करना होगा। उत्पादन एवं वितरण से संबंधित वास्तविक अर्थव्यवस्था तथा मानव विकास में लगातार निवेश हो, इसे सुनि ित करना होगा। मूलभूत क्षेत्रों में निवेश की कमी भारत में बेरोजगारी का प्रमुख कारण है। पिछले लोकसभा चुनाव में अचानक यह समस्या सतह पर उभरती नजर आने लगी। तो नरेंद्र मोदी सरकार ने इस योजना के जरिए समाधान का संदेश देने की कोशिश की। लेकिन गंभीर मसलों से सचमुच आंख मिलाने की इच्छाशक्ति ना हो, तो ऐसे संदेश बेअसर ही साबित होते हैं।

चिंतन-मनन

प्रकृति की तीन शक्तियां

प्रकृति में तीन शक्तियां हैं- ब्र ा शक्ति, विष्णु शक्ति और शिव शक्ति। प्रायः तुममें कोई भी एक शक्ति अधिक प्रबल होती है। ब्र ा शक्ति वह ऊर्जा है जो नव-निर्माण करती है; विष्णु शक्ति ऊर्जा का पालन करती है और शिव शक्ति वह ऊर्जा है जो रूपांतरण करती है- नया जीवन देकर या संहार कर। तुममें से कुछ हैं जिनमें ब्र ा शक्ति प्रबल है। तुम सृष्टि तो कर सकते हो, पर अपनी रचना को सुरक्षित नहीं रख पाते। हो सकता है तुम तुरंत ही नए मित्र बना लो, परंतु वह मित्रता अधिक समय तक टिकती नहीं। तुममें कुछ और लोग हैं जिनमें विष्णु शक्ति है। तुम रचना नहीं कर सकते, परंतु जो है उसे अच्छी तरह संभालकर रखते हो। तुम्हारी सभी पुरानी दोस्ती बहुत स्थायी होती है, परंतु तुम नए मित्र नहीं बना पाते। और तुममें कुछ ऐसे भी लोग हैं जिनमें शिव शक्ति प्रबल है। वे नव-जीवन लाते हैं या रूपांतरण, या जो है उसे खत्म करते हैं। गुरु शक्ति में ये तीनों शक्तियां पूर्ण रूप से प्रफुल्लित हैं। पहले यह पहचानो कि तुममें कौन-सी शक्ति प्रबल है और फिर गुरु शक्ति की आकांक्षा करो, प्रार्थना करो। संपूर्ण सृष्टि सरलता और बुद्धिमत्ता के मंगलमय लय से प्रकृति के नियमों पर चल रही है। यही मंगल ही दिव्यता है। शिव वह सामंजस्यपूर्ण सरलता है जो कोई नियंत्रण नहीं जानती। शिव का विपरीत है वशी, यानी नियंत्रण। नियंत्रण मन का होता है। नियंत्रण का अर्थ है दो, द्वैत, कमजोरी। वशी का अर्थ है स्वाभाविकता से कुछ करने के बजाए दबाव द्वारा कुछ करना।

संवैधानिक कोर्ट के फैसलों का कड़ाई से पालन हो; नागरत्ना

सनत जैन

न्यायपालिका केवल फैसलों का मंच नहीं है और न ही न्यायपालिका कोई प्रशासनिक मंच ही है। न्यायाधीश को हर प्रकरण में गुण और दोष के आधार पर बिना किसी भेदभाव के संविधान के अनुसार फैसला देने की बाध्यता है। न्यायपालिका वह अंतिम सीढ़ी है, जो संविधान के अनुसार विधायिका और कार्यपालिका जो निर्णय करती हैं, इसकी विवेचना करते हुए संविधान के अनुसार सही हो। यह न्यायपालिका को सुनि ित करना होता है। भारतीय संविधान ने न्यायपालिका को सर्वोच्च स्थिति में रखा है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट संविधान के प्रावधानों का पालन मौलिक अधिकारों को ध्यान में रखते हुए नियम और कानून के अनुरूप हो। यह सुनि ित करने की जिम्मेदारी संविधान ने हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जजों को सौंपी है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जजों को एक समान अधिकार प्राप्त हैं। इनमें अंतर केवल इतना है, कि हाईकोर्ट के न्यायाधीश अपने अधिकारिता के क्षेत्र में निर्णय कर सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय राष्ट्रीय स्तर पर लागू होते हैं। सुप्रीम कोर्ट को हाईकोर्ट से इतर एक विशेष अधिकार प्राप्त है। वह हाईकोर्ट के निर्णय की समीक्षा कर उनके निर्णय को बदलने का अधिकार सुप्रीम कोर्ट को होता है।

मौत की सजा वाले विशेष मामले को छोड़कर सुप्रीम कोर्ट का निर्णय राष्ट्रीय स्तर पर सभी के लिए अंतिम निर्णय के रूप में बंधनकारी होता है। अनुशासन, परंपरा और संस्थागत संतुलन का यह संवैधानिक ढांचा है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस नागरत्ना द्वारा दिया गया हालिया फैसला, 2014 की संविधान पीठ के निर्णय को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज करते हुए जो टिप्पणी की है, संवैधानिक पीठ के निर्णय को सर्वोच्चता प्रदान की है। न्याय पालिका में अधिवक्ताओं की जिम्मेदारी और जवाबदारी को स्पष्ट किया है। जो न्यायपालिका के अनुशासनात्मक ढांचे की रक्षा का सशक्त उदाहरण है। यह निर्णय सिर्फ.एक कानूनी विवाद का अंत नहीं करता, बल्कि न्यायिक वरीयता क्रम और संस्थागत मयार्दा की अनदेखी पर गहरी चिंता जताता है। संविधान पीठ के निर्णय सर्वोच्च न्यायिक विवेक द्वारा गंभीर विचार विमर्श के बाद लिए जाते हैं। इन्हें वर्षों की सुनवाई, व्यापक बहस और संवैधानिक व्याख्या के बाद दिया जाता है। ऐसे में अनुच्छेद 32 के तहत वर्षों बाद उसी निर्णय को चुनौती देना न्यायिक अनुशासन पर सीधा प्रहार है। यही कारण है, न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने इस याचिका को न केवल खारिज किया, बल्कि याचिकाकर्ता पर 1 लाख का जुमार्ना लगाकर स्पष्ट संदेश दिया है, कि न्यायिक निर्णयों के वरीयता क्रम की अवहेलना किसी भी कीमत में स्वीकार्य नहीं होनी चाहिए। यह नाराजगी केवल न्यायाधीशों की व्यक्तिगत असहमति नहीं, बल्कि न्यायपालिका की संस्थागत चिंता का विषय है। संविधान पीठ के ही निर्णयों को न्यायपालिका या न्यायपालिका से जुड़े अधिवक्ताओं द्वारा हल्के में लिया जाएगा, तो न्यायिक स्थिरता बनाए रखना संभव नहीं होगा। हर फैसले को बार-बार चुनौती मिलेगी। जिससे निचली अदालतों से लेकर शीर्ष अदालतों तक भ्रम और अराजकता को फैलाने का कारण बनेगी। अदालत का यह कहना कि ऐसी याचिकाएं पूरे न्यायपालिका के सिस्टम को 'चरमराने' की ओर ले जाती हैं। मामले का संवैधानिक पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

शिक्षा का अधिकार (अनुच्छेद 21ए) और अल्पसंख्यकों के शैक्षणिक अधिकार (अनुच्छेद 30) के बीच संतुलन को बरकरार रखते हुए संविधान पीठ का निर्णय था। 2014 के फैसले में संवैधानिक पीठ ने स्पष्ट व्याख्या करते हुए अल्पसंख्यक संस्थानों को आरटीआई से छूट दी थी। उस संतुलन को वर्षों बाद तोड़ने की कोशिश न्यायिक परंपरा के विरुद्ध है। यह केवल कानून की पुनर्व्याख्या नहीं, बल्कि स्थापित संवैधानिक व्यवस्था को अस्थिर करने का सुनियोजित प्रयास माना जा सकता है। अदालत की सख़्ती ने वकीलों की भूमिका पर भी गंभीर सवाल उठाये हैं।

न्यायालय ने स्पष्ट किया कि अधिवक्ताओं से अपेक्षा है, वह वरीयताक्रम, बाध्यकारी फैसलों और न्यायिक मयार्दा का सम्मान करें। दुर्भावनापूर्ण या अविवेकपूर्ण याचिकाएं न केवल अदालत का समय नष्ट करती हैं बल्कि आम नागरिकों के न्याय पर जो भरोसा है, उसको कमजोर करती हैं। वर्तमान स्थिति में जब लोकतांत्रिक संस्थाएं लगातार कई प्रकार के दबाव का सामना कर रही हैं, सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय न्यायपालिका की आत्मरक्षा के साथ-साथ लोगों का भरोसा न्यायपालिका पर बनाए रखने जैसा है। न्यायमूर्ति नागरत्ना का साफ संदेश है, वरीयता क्रम की अनदेखी से न्यायाधीशों में नाराजगी स्वाभाविक है। ऐसी प्रवृत्तियों पर कठोरता के साथ रोक लगाना आवश्यक है। न्यायपालिका की मजबूती, अनुशासन, न्यायायिक निर्णयों की स्थिरता ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी सुरक्षा है। यह फैसला उसी मूल भावना को पुष्ट करता है।

संसद में प्रदूषण पर चर्चा का मुद्दा

राज कुमार सिन्हा

वायु प्रदूषण आज हमारे समय का सबसे मौन लेकिन सबसे घातक सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट बन चुका है। शहर हों या गांव, हर जगह हवा में घुले अदृश्य जहरीले कण, जैसे औद्योगिक धुआं, वाहनों का उत्सर्जन, थर्मल पावर प्लांटों की राख और घरेलू ईंधन का धुआं लोगों की सांसों पर भारी पड़ रहे हैं। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि लोग बिना शोर-शराबे के बीमार हो रहे हैं। न इसका दर्द तुरंत दिखता है, न इसकी मार तत्काल महसूस होती है, लेकिन शरीर को भीतर से खोखला करने की इसकी क्षमता बेहद तेज है। आज हवा में घुला जहर केवल पर्यावरण संकट नहीं, बल्कि मानव स्वास्थ्य पर चल रहा एक धीमा हमला है।

वायु प्रदूषण को रोकना अब केवल पर्यावरणीय आवश्यकता नहीं रहा, यह एक सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थिति बन चुका है। वायु प्रदूषण सिर्फ स्वास्थ्य की समस्या नहीं, यह सामाजिक असमानता का आईना भी है। सबसे गंदी हवा वही लोग सांस में लेते हैं जो इसके लिए सबसे कम जिम्मेदार हैं, गरीब परिवार, सड़क किनारे रहने वाले लोग, औद्योगिक क्षेत्रों के पास बसे समुदाय और मेहनतकश मजदूर। सांस की बीमारियां जैसे अस्थमा, सीओपीडी, खांसी, ब्रोंकाइटिस अब हर घर की सामान्य शिकायत बनती जा रही हैं। दिल और दिमाग पर इसका प्रभाव और भी घातक है। हवा में मौजूद सूक्ष्म कण रक्त में घुलकर दिल का दौरा, उच्च रक्तचाप और स्ट्रोक का जोखिम बढ़ा देते हैं। वायु प्रदूषण की सबसे ज्यादा मार बच्चों पर पड़ती है। उनके विकसित होते फेफड़े प्रदूषित हवा सहन नहीं कर पाते, जिससे जीवनभर के लिए फेफड़ों की क्षमता कम हो जाती है।

बुजुर्ग और गर्भवती महिलाएं भी अत्यधिक जोखिम में रहती हैं, क्योंकि उनकी कमजोर प्रतिरोधक क्षमता हवा में मौजूद सूक्ष्म विषैले कणों से प्रभावी ढंग से लड़ नहीं पाती।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के जलवायु, पर्यावरण और स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, वायु प्रदूषण से हर साल विश्व में लगभग 90 लाख मौतें होती हैं। नवंबर में प्रकाशित लैंसेट की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2022 मंफ भारत में 17 लाख मौतें वायु प्रदूषण के कारण हुईं। यह संख्या 2010 की तुलना में 38 प्रतिशत अधिक है। इनमें से 7.5 लाख मौतों के लिए जीवाश्म ईंधन जिम्मेदार है। अकेले कोयले से लगभग 4 लाख मौतें हुई हैं। वैश्विक स्तर पर जीवाश्म ईंधन से जुड़े वायु प्रदूषण के कारण 25.2 लाख मौतें दर्ज की गईं। ये निष्कर्ष ऐसे समय में आए हैं जब दिल्ली और उत्तर भारत का बड़ा हिस्सा फिर से घने शीतकालीन धुंध की चपेट में है। दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स 360 के पार पहुंच चुका है। कई इलाकों में पीएम 2.5 स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन की तय सुरक्षित सीमा से 20 गुना अधिक दर्ज किया गया है। हरियाणा में वायु प्रदूषण के कारण प्रीमेच्योर डिलीवरी के मामलों में वृद्धि देखी गई है।

पीजीआई रोहतक की गायनी विभाग की अध्यक्ष डॉ. पुष्पा दहिया के अनुसार, एक वर्ष में 13, 500 डिलीवरी हुईं है। इनमें से 18 प्रतिशत (2, 430 बच्चे) प्रीमेच्योर जन्मे हैं। इसका प्रमुख कारण प्रदूषण बताया गया है। राष्ट्रीय व्यावसायिक स्वास्थ्य संस्थान द्वारा कोयला खदानों के पास रहने वाले 1, 202 लोगों पर किए गए अध्ययन में पाया गया कि 14.3 प्रतिशत श्रमिकों, 10 प्रतिशत पर्यवेक्षक कर्मचारियों और 7.8 प्रतिशत स्थानीय निवासियों के फेफड़ों का कार्य असामान्य था। एक्स-रे में फेफड़ों में फाइब्रोसिस के मामले भी सामने आए हैं। भारत में वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए कई कानून मौजूद हैं। वायु (रोकथाम और प्रदूषण का नियंत्रण) अधिनियम, 1981 के तहत केंद्र और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों को निगरानी और कार्रवाई की शक्तियां दी गई हैं। 2019 में शुरू किया गया राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) देश का सबसे बड़ा केंद्र-स्तरीय प्रयास है, जिसका लक्ष्य 131 शहरों में पीएम 10 स्तर को 40 प्रतिशत तक कम करना है। हालांकि, 2019-2025 के बीच जारी 11, 211 करोड़ रुपये में से केवल 68 प्रतिशत (7, 594 करोड़ रुपये) का ही उपयोग हो पाया है।

मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की 2024-25 की रिपोर्ट के अनुसार, राज्य के 29 जिला मुख्यालयों की हवा पिछले वर्ष की तुलना में और खराब हुई है। इसमें इंदौर जैसे 'स्वच्छ शहर' भी शामिल हैं। आदिवासी बहुल जिलों अलीराजपुर, डिंडोरी, उमरिया, बैतूल में भी एक्यूआई लगातार बढ़ रहा है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने देश के 131 शहरों को नॉन-अटेनमेंट (वायु गुणवत्ता का अनुपालन नहीं करने वाला शहर) सिटी घोषित किया है। मध्यप्रदेश के भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन, सागर और देवास इस सूची में शामिल हैं।

राज्य सरकार ने शहरों में प्रदूषण कम करने के लिए नगर वन योजना को पुनर्जीवित करने की घोषणा की है, जिसके तहत पांच वर्षों में 500 करोड़ रुपये खर्च किए जाने हैं। लेकिन दूसरी ओर, भोपाल में 27, 000 पेड़ काटने का प्रस्ताव विरोध के बाद रद्द हुआ। अयोध्या बायपास विस्तार के लिए 8, 000 पेड़ों की कटाई पर विरोध। जबलपुर, सागर, रायसेन और मंडला में अवैध या नियमविरुद्ध पेड़ कटाई के मामलों पर हाईकोर्ट और एनजीटी को हस्तक्षेप करना पड़ा है। ये उदाहरण दिखाते हैं कि विकास की अंधी दौड़ में पर्यावरणीय संतुलन लगातार नजर अंदाज किया जा रहा है। उद्योग, शहरीकरण और उपभोग को अनियंत्रित रूप से बढ़ाते हुए हमने हवा, पानी और मि ी तीनों को प्रदूषित कर दिया है। वायु प्रदूषण अब भविष्य की नहीं, आज की आपदा है। अगर संसद, सरकार और समाज ने इसे स्वास्थ्य आपातकाल की तरह नहीं लिया, तो इसकी कीमत हमें सांसों से चुकानी पड़ेगी।

(लेखक बरगी बांध विस्थापित एवं प्रभावित संघ से जुड़े हैं)

जयपुर में भाजपा जिला कोषाध्यक्ष सेवाराम गुप्ता की नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा से मुलाक़ात

भीम प्रज्ञा न्यूज़.जयपुर।

जयपुर में सूरजगढ़ नगरपालिका के चेयरमैन प्रतिनिधि और भाजपा जिला कोषाध्यक्ष सेवा राम गुप्ता की राजस्थान सरकार के नगरीय स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा से शिष्टाचार मुलाक़ात हुई। मुलाक़ात के दौरान सूरजगढ़ नगरपालिका के विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इनमें सूरजगढ़ नगरपालिका को चतुर्थ श्रेणी से तृतीय श्रेणी में क्रमोन्नत करने, 33/11 केवी विद्युत सब-स्टेशन हेतु

भूमि आवंटन, स्वीकृत सीवरेज लाइन के कार्य को शीघ्र शुरू करवाने (जिसकी डीपीआर तैयार हो चुकी है), तथा सूरजगढ़ नगरपालिका क्षेत्र में 17 दिसंबर से प्रारंभ होने वाले 'शहरी समस्या समाधान शिविर 2025' को एक माह तक संचालित करने का प्रस्ताव प्रमुख रूप से शामिल रहा। इसके अतिरिक्त नगरपालिका क्षेत्र में पट्टों की राशि में 50 प्रतिशत छूट देने का विषय भी मंत्री महोदय के समक्ष रखा गया। नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने सभी बिंदुओं को गंभीरता से सुनते हुए शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

एयर इंडिया एक्सप्रेस की दिल्ली-जयपुर की दो फ्लाइट रद्द

कोहरे के चलते इंटरनेशनल फ्लाइट लखनऊ से डायवर्ट होकर पहुंची जयपुर, पैसेंजर्स हुए परेशान

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । दिल्ली-जयपुर रूट पर मंगलवार सुबह पैसेंजर्स को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने संचालन कारणों का हवाला देते हुए दिल्ली से जयपुर और जयपुर से दिल्ली जाने वाली दो फ्लाइट्स को आखिरी वक्त पर रद्द कर दिया। वहीं लखनऊ में घने कोहरे का असर हवाई

यातायात पर भी दिखा, जहां दमाम से लखनऊ आ रही एक इंटरनेशनल फ्लाइट को जयपुर डायवर्ट करना पड़ा। अचानक हुए इन बदलावों से पैसेंजर्स का शेड्यूल पूरी तरह बिगड़ गया।

इन दो फ्लाइटों को किया रद्द

दरअसल, एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट IX - 2843 जो सुबह 5 बजकर 50 मिनट पर दिल्ली से रवाना होकर 7 बजे जयपुर आने वाली थी। आखिरी वक्त पर एयर इंडिया एक्सप्रेस की टीम ने फ्लाइट को संचालन कारण का हवाला देकर रद्द कर दिया। जिसकी वजह से बड़ी संख्या में दिल्ली से जयपुर आने वाले पैसेंजर को परेशान होना पड़ा। इसी तरह एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट IX - 1289 जो सुबह 7 बजकर 30 मिनट पर जयपुर से दिल्ली के लिए उड़ान भरती है। जो सुबह 8 बजकर 35 मिनट पर दिल्ली पहुंचती है। लेकिन एयर इंडिया एक्सप्रेस एयरलाइन कंपनी ने संचालन कारण का हवाला देकर इस फ्लाइट को भी रद्द कर दिया। जिसकी वजह से जयपुर से दिल्ली जाने वाले पैसेंजर को भी परेशानी का सामना करना पड़ा।

नीमराना की आशादीप हाउसिंग सोसायटी में नकाबपोश बदमाशों ने की बड़ी चोरी, सवा लाख का सामान उड़ा ले गए

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । नीमराना उपखंड के शाहजहांपुर थाना क्षेत्र के फौलादपुर गांव की सीमा में स्थित आशादीप हाउसिंग सोसायटी में बीती सोमवार, मंगलवार की रात्रि करीब 3:15 बजे चोरों ने बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। घटना के समय फ्लैट मालिक मनीष कौशल अपने पैतृक गांव गया हुआ था, जिसका फायदा उठाकर नकाबपोश बदमाशों ने सुनियोजित तरीके से चोरी की। पीड़ित मनीष कौशल, जो वर्तमान में फौलादपुर नीमराना क्षेत्र की ग्रीन आर्केड सोसायटी के फ्लैट नंबर डी-004 (लैवेंडर) में किराए पर रहते हैं और मूल रूप से कानपुर निवासी हैं, ने बताया कि सोमवार और मंगलवार की मध्य रात्रि करीब 3 बजे 3 नकाबपोश बदमाश सोसायटी की सुरक्षा व्यवस्था को भेदते हुए पीछे खेतों के रास्ते से सीढ़ी लगाकर फ्लैट तक पहुंचे। बदमाश अपने साथ फावड़े जैसे धारदार हथियार लिए हुए थे। चोरों ने फ्लैट के मुख्य गेट का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और पूरे फ्लैट को खंगाल डाला। बदमाशों ने लॉकर भी तोड़ दिया और वहां रखे कीमती सामान

पर हाथ साफ कर दिया। चोर दो सोने की अंगूठियां (करीब 6 ग्राम, अनुमानित कीमत 90 हजार रुपये), बच्चों के चांदी के कड़े (करीब 30 ग्राम, लगभग 6 हजार रुपये), दो पुराने चांदी के सिक्के (करीब 4 हजार रुपये) और करीब 30 हजार रुपये नकद सहित कुल लगभग सवा लाख रुपये का सामान चुरा ले गए। पीड़ित मनीष कौशल नीमराना की निजी कंपनी में कार्यरत है। घटना के समय फ्लैट में कोई मौजूद नहीं था, क्योंकि मनीष कौशल अपनी पत्नी के साथ अपने मूल निवास कानपुर के गुजैनी क्षेत्र गए हुए थे। मंगलवार सुबह पड़ोसियों से बातचीत के दौरान उन्हें चोरी की जानकारी मिली। फ्लैट में लगे सीसीटीवी कैमरों में चार से पांच नकाबपोश बदमाशों के आने, गेट का ताला तोड़ने और वारदात के बाद वापस जाते हुए फुटेज रिकॉर्ड हुई है। फुटेज में बदमाश धारदार हथियारों के साथ नजर आ रहे हैं, जिससे यह साफ है कि यदि परिवार घर पर होता तो बड़ी अनहोनी हो सकती थी। गौरतलब है कि आशादीप सोसायटी में 27 नवंबर की रात भी चोरी का प्रयास हुआ था, लेकिन फ्लैट मालिक के जाग जाने पर बदमाश मौके से फरार हो गए थे। लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं से सोसायटी के निवासियों में दहशत का माहौल है और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रबंधन के खिलाफ रोष व्याप्त है। लोगों ने सिक्योरिटी गार्ड की संख्या बढ़ाने और रात के समय नियमित गश्त की व्यवस्था करने की मांग की है। चोरी की सूचना मिलते ही शाहजहांपुर पुलिस मौके पर पहुंची। एसएफएल की मोबाइल टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। वहीं नीमराना थाने के सीआई ने भी मौके पर पहुंचकर बारीकी से जांच करते हुए विभिन्न एंगल से मामले की पड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बदमाशों की पहचान में जुटी हुई है।

शिशु वाटिका में दादा-दादी सम्मेलन आयोजित

छोटे बच्चों के विकास में दादा-दादी एवं गुरुजनों का विशेष योगदान : संतोष देवी शर्मा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.उदयपुरवाटी

सुमेर मीणा । शहर में पुरानी सब्जी मंडी के निकट स्थित शिशु वाटिका आदर्श विद्या मंदिर में मंगलवार को दादा-दादी सम्मेलन का आयोजन किया गया। मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलन व सरस्वती वंदना से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में सेवानिवृत्ति प्रधानाचार्य द्वारका प्रसाद जांगिड़, सेवानिवृत्ति व्याख्याता मखनलाल मीणा, समाज सेविका इंदिरा देवी जोशी एवं वयोवृद्ध अभिभावक हरि सिंह बतौर अतिथि के रूप में उपस्थित थे।कार्यक्रम का संचालन ,अतिथि परिचय व अतिथि स्वागत संस्था प्रधान श्याम सुंदर शर्मा द्वारा किया गया। दादा-दादी सम्मेलन में वक्ताओं ने अपने पोते पोती के सर्वांगीण विकास पर विचार व्यक्त किये। सेवानिवृत्ति पोस्टमास्टर संतोष देवी शर्मा ने बताया कि छोटे बच्चों के विकास में दादा-दादी व गुरुजनों का विशेष सहयोग रहता है , उनके हाथों में उज्जवल भविष्य छुपा हुआ है । लक्ष्मण राम सैनी एवं आंची देवी सैनी कोट निवासी ने अपनी पोती के विषय में बताया कि हमारी पोती को शिशु वाटिका में आने के

बाद ही बोली आना शुरू हुई है द्य राम प्रताप जांगिड़, रामस्वरूप शर्मा ,पप्पू नाई, गौरीशंकर नेमीवाल ने बताया कि शिशु वाटिका में अच्छे संस्कार मिल रहे हैं, हमारे बच्चों में काफी सुधार है उन्होंने मोबाइल के विषय में बताया कि बालक मोबाइल की जिद करते हैं समझाने पर समझ भी जाते हैं। भैया प्रणीत झीरवाल के दादाजी एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सेवानिवृत्ति व्याख्याता मखनलाल मीणा ने कहा कि संस्कार का एक ही नाम है शिशु वाटिका आदर्श विद्या मंदिर, इन्होंने बताया कि 40 वर्ष की राजकीय सेवा से मैं सेवानिवृत्त हुआ हूं, मगर शिशु वाटिका जैसे संस्कार मैंने मेरी सेवाकाल में कहीं नहीं देखे। मेरा पोता घर से प्रणाम करके आता है दादा दादी को प्रणाम करता है ,बड़े बूढ़ो को सबको प्रणाम करता है। और पहले भोजन नहीं करता था अब यहां सामूहिक रूप से सबके साथ बैठकर भोजन करता है, तो घर में भी भोजन कर लेता है। और बहुत सुधार हो गया ,इन्होंने बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए अभिभावक एवं विद्यालय के गुरुजनों का विशेष योगदान बताया। सेवानिवृत्ति प्रधानाचार्य द्वारका प्रसाद जांगिड़ ने भैया बहिनों के सर्वांगीण विकास में माता पिता, दादा-दादी तथा गुरूजनो का विशेष सहयोग बताया। इन्होंने प्लास्टिक की थैलियों का उपयोग नहीं करने की बात कही।साथ ही कहा कि परिवार जनों को सामूहिक रूप से एक जगह बैठ कर संध्या वंदन करना चाहिए। अपने छोटे छोटे पोते पोतियों को भी साथ रखना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान सैकड़ो की संख्या में छोटे-छोटे बच्चों के दादा-दादी मौजूद रहे। आचार्या दीदीयां कृष्णा शर्मा, अन्नपूर्णा स्वामी, गुड्डी सैनी, संगीता शर्मा, पूजा मीणा, सेवक किशनलाल आदि मौजूद रहे। शांति पाठ के पश्चात कार्यक्रम का समापन किया गया। संस्था प्रधान श्याम सुंदर शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

अंकित बने युवा अग्रवाल सम्मेलन के जिला मंत्री एवं गुप्ता बने जिला संगठन मंत्री

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के जिला चेयरमैन अमित चिरानिया के निर्देशानुसार जिलाध्यक्ष अनिल तोदी, जिला महामंत्री मणिशंकर खेतान की सहमति से युवा जिलाध्यक्ष लोकेश हाजरिका एवं युवा महामंत्री शिवम पटवारी ने राष्ट्रीय मंत्री विष्णु भूत की अभिशंशा पर अंकित बजाज लक्ष्मणगढ़ को जिला मंत्री एवं अंकित गुप्ता कांवट को जिला संगठन मंत्री पद पर मनोनयन किया गया है।

पेंशनर्स मंच उपशाखा चौमूं का वार्षिक पेंशनर्स सम्मान समारोह आज

70 एवं 80 वर्षीय पेंशनर्स का होगा सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज.चौमूं।

सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया। शहर के रेनवाल रोड स्थित शीश महल गार्डन में बुधवार को प्रातः 10 बजे से राजस्थान पेंशनर्स मंच, जयपुर उपशाखा चौमूं द्वारा 21वां वार्षिक पेंशनर्स सम्मान समारोह आयोजित होगा। पेंशनर्स मंच के अध्यक्ष राधेश्याम यादव ने बताया कि समारोह की मुख्य अतिथि विधायक डॉ. शिखा मील बराला होगी एवं अध्यक्षता पेंशन मंच जयपुर के जिलाध्यक्ष गुलाबचंद लांबा करेंगे तथा विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक रामलाल शर्मा, उपखंड अधिकारी दिलीप सिंह, विप्र कल्याण बोर्ड की पूर्व उपाध्यक्ष मंजू शर्मा, नगर परिषद के सभापति विष्णु कुमार सैनी, राजस्थान पेंशनर्स मंच जयपुर के प्रदेशाध्यक्ष कैलाश क्रांतिकारी, विराज फाउंडेशन के भुवनेश तिवाड़ी, होंगे। पेंशनर्स मंच के मंत्री सीताराम बुनकर ने बताया कि पेंशनर्स सम्मान समारोह में 70 एवं 80 वर्षीय पेंशनर्स का सम्मान किया जाएगा। इस दौरान स्मारिका का विमोचन भी किया जाएगा।

स्वामी संत दास जी महाराज की नवी पुण्यतिथि का कार्यक्रम आज होगा आयोजित

वेंकटेश बालाजी मंदिर परिसर में होगा कार्यक्रम का आयोजन

समाधि पूजन, चरण पादुका पूजन, गुरुचरण आरती एवं कीर्तन का होगा आयोजन

भजनों की बहेगी रस गंगा, प्रसादी का भी होगा आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.उदयपुरवाटी

सुमेर मीणा । निकटवर्ती धार्मिक तीर्थ स्थल लोहार्गल धाम में स्थित वेंकटेश बालाजी मंदिर परिसर में आज 17 दिसंबर को स्वामी श्री संत दास जी महाराज की नवी पुण्यतिथि हर्षोल्लास के साथ मनाई जाएगी द्य लोहार्गल बालाजी मंदिर के महंत श्री श्री 1008 वेंकटेश लोहार्गल धाम पीठाधीश्वर स्वामी श्री अश्वनी दास जी महाराज ने हमारे उदयपुरवाटी संवाददाता को जानकारी देते हुए बताया कि आज 17 दिसंबर को समाधि स्थल पर समाधि पूजन का आयोजन होगा द्य प्रातः 11:15 बजे चरण पादुका पूजन का आयोजन व 12:30 बजे गुरुचरण आरती, कीर्तन एवं प्रसाद का कार्यक्रम आयोजित होगा द्य वेंकटेश बालाजी मंदिर में स्वामी श्री संत दास जी महाराज गोलोकवासी की नवी पुण्यती पर भजनों की रसगंगा भी प्रवाहित होगी द्य अश्वनी दास महाराज ने आगे बताया कि महाराज श्री की नवी पुण्यतिथि पर प्रसादी का भी आयोजन किया जाएगा द्य जिसमें दूरदराज से आए हुए श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करेंगे

अग्रवाल सम्मेलन के प्रांतीय अधिवेशन के लिए खुड़ व लोसल में अग्रबंधुओं को दिए निमंत्रण पत्र

राष्ट्रीय मंत्री विष्णु भूत व जिला चैयरमेन अमित चिराणिया के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल ने किया दौरा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन का 4 जनवरी को खाटूश्याम जी में होने वाले प्रांतीय अधिवेशन में भाग लेने के लिए मंगलवार को सम्मलेन के राष्ट्रीय मंत्री विष्णु भूत व जिला चैयरमेन अमित अग्रवाल के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल ने खुड और लोसल का दौरा किया। दौरें के दौरान खुड के मुख्य बस स्टैंड पर और लोसल के अग्रवाल भवन में राष्ट्रीय मंत्री विष्णु भूत सीकर जिला चेयरमेन अमित चिरानिया नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधि मंडल में जिला अध्यक्ष अनिल तोदी, जिला महामंत्री मणिशंकर खेतान, प्रदेश युवा महामंत्री संदीप बजाज, प्रदेश उपाध्यक्ष लक्ष्मीकांत चूड़ीवाला, प्रदेश मंत्री शुभम मोदी ने खाटूश्याम जी में होने वाले अधिवेशन में भाग लेने की अपील की । इस अवसर पर अग्रवाल समाज लोसल के अध्यक्ष महावीर पंसारी,

उपाध्यक्ष मूलचंद कालिका, मंत्री कैलाश बजाज, सह मंत्री विमल पटवारी, निखिलेश खेतान, रामगोपाल राजपुरिया, सुनील खाटूवाला, विमल पटवारी, खुड अग्रवाल समाज के रामस्वरूप अग्रवाल, संदीप खेतान, जयराम खेतान, रामसुख खेतान, श्याम सुंदर खेतान, श्यामसुंदर, पुरुषोत्तम अग्रवाल, सुभाष खेतान, विष्णु खेतान ने प्रतिनिधि मंडल से अधिकाधिक संख्या में अग्रबंधुओं को लेकर खाटूश्याम जी आने का निमंत्रण स्वीकार किया।

श्री खेमका इंटरनेशनल स्कूल बुहाना में अर्धवार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित

भीम प्रज्ञा न्यूज़ बुहाना।

श्री खेमका इंटरनेशनल स्कूल बुहाना में बुधवार को अर्धवार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किए गए। इस अवसर पर कक्षा-वार प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। विद्यालय प्रबंधन की ओर से मेधावी विद्यार्थियों को उपयोगी शैक्षणिक सामग्री भेंट कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विद्यालय प्रधानाचार्य श्री मनमोहन शर्मा ने कहा कि अर्धवार्षिक परीक्षाएं विद्यार्थियों की वार्षिक

तैयारी का महत्वपूर्ण आधार होती हैं। अच्छे परिणाम कठोर परिश्रम, अनुशासन और नियमित अध्ययन का परिणाम होते हैं। उन्होंने पुरस्कृत विद्यार्थियों को बधाई देते हुए अन्य छात्रों से भी निरंतर मेहनत और अनुशासन बनाए रखने का आह्वान किया। विद्यालय प्रबंधक हवा सिंह ने कहा कि इस प्रकार के पुरस्कार वितरण कार्यक्रमों से विद्यार्थियों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है। इससे छात्र लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित होते हैं। कार्यक्रम के दौरान पंकज शर्मा, नरेंद्र शेखावत, उमेश जांगिड़, संदीप दायमा, राकेश कुमार, मुस्कान अग्रवाल, रवीना तंवर, मुनेश कुमारी, संदीप कुमार, अंशु तंवर, चंद्रेश भारद्वाज, सरिता कुमारी, बबीता कुमारी, पूनम शर्मा, रवीना कंवर सहित समस्त स्टाफ एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहें।

वीर तेजा सेना के तहसील अध्यक्ष बने रूहेला

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

वीर तेजा सेना राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष श्रीराम बिजारणियां के सहमति से प्रदेश महामंत्री सचिन पिलानियां की अनुशंसा पर जिलाध्यक्ष रामस्वरूप जाखड़ सेवा ने बैरास निवासी मनीष रुहेला को वीर तेजा सेना लक्ष्मनगढ तहसील का अध्यक्ष नियुक्त किया है। वीर तेजा सेना के लक्ष्मणगढ़ तहसील अध्यक्ष पद पर मनीष रूहेला की नियुक्ति पर उनके शुभचिंतकों, समर्थकों व सहयोगियों ने प्रसन्नता जाहिर

करते हुए बधाई दी है तथा जिला एवं प्रदेश नेतृत्व का आभार व्यक्त किया है।

आदर्श उमाविद्यालय मंडावा में जूठन न छोड़ने की शपथ

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावा।

आदर्श उच्च माध्यमिक विद्यालय मंडावा में स्टाफ एवं विद्यार्थियों ने भोजन की जूठन न छोड़ने तथा भोजन का सम्मान करने की शपथ ग्रहण की। इस दौरान विद्यार्थियों को भोजन की महत्ता समझाते हुए अपव्यय रोकने का संदेश दिया गया। विद्यालय प्रशासन ने इसे सामाजिक चेतना से जुड़ा महत्वपूर्ण कदम बताया और सभी से इसे अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया। इसके अतिरिक्त शुक्रवार व शनिवार को क्षेत्र के अन्य विद्यालयों में भी इसी विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों के वीडियो उपलब्ध हैं पर समय की सुविधा को देखते हुए केवल विद्यालयों के नाम साझा किए जा रहे है। सनातन धर्म उच्च माध्यमिक विद्यालय मंडावा, नानी बाई

शेखसरिया बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय मंडावा, राजस्थान पब्लिक माध्यमिक विद्यालय मीठवास, संजय एज्युकेशन सोसाइटी मंडावा, बाल भारती माध्यमिक विद्यालय मंडावा, डेडराज ढांढणिया राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय मंडावा, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय छापोलीलं, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय आबसर सुजानगढ़ फारूक खान आदि सभी विद्यालयों द्वारा किए गए प्रयास सराहनीय हैं। आयोजन से जुड़े स्टाफ एवं विद्यार्थियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

टोहाना के बजरंगबली बॉक्सिंग अकैडमी के मुक्केबाज छाये,सासंद बराला ने दी बधाई

सांसद खेल महोत्सव में मचाई धूम, अकादमी के लड़कों व लड़कियों को डायरेक्टर विनय वर्मा ने बताया टोहाना के लिए गर्व

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । बजरंगबली मुक्केबाजी अकडेमी टोहाना के मुक्केबाजों की ऐतिहासिक जीत पर राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने दी बधाई। संचालक विनय वर्मा और कोच महेश कुमार डांगरा व अकडेमी के सैकड़ो खिलाड़ियों ने इस कार्यक्रम के लिए बराला जी का आभार जताया। बजरंगबली बॉक्सिंग अकैडमी टोहाना के महिला और पुरुष मुक्केबाजों ने सांसद खेल महोत्सव लोकसभा सिरसा के ग्रैंड फिनाले के द्वितीय दिन में तीन गोल्ड दो सिल्वर और 4 कांस्य पदक प्राप्त कर कुल 9 मेडल प्राप्त किये। विजेता खिलाड़ियो में

गोल्ड को 11 हजार, सिल्वर मेडल को 71 सौ और कांस्य पदक को 3100 नगद इनाम मिला। जानकारी देते हुए बजरंगबली बॉक्सिंग अकैडमी संचालक विनय वर्मा और बॉक्सिंग कोच महेश कुमार डांगरा ने बताया कि लड़कों में सचिन कुमार, नीरज डांगरा व पिंकी रानी समैन ने गोल्ड मैडल व अवनीत,कुणाल ने सिल्वर मेडल तथा गुरप्रीत ,पारस,मानवी बिश्नोई , चांदनी ने कांस्य पदक प्राप्त किया, इन सभी मुक्केबाजों ने विभिन्न वेट कैटेगरी में मेडल हासिल करके अपने गांव अपनी विधानसभा टोहाना और अपनी अकादमी का नाम रोशन किया वही बच्चों ने अपनी इस जीत का श्रेय अपने कोच महेश कुमार डांगरा को दिया और बजरंगबली मुक्केबाजी अकेडमी संचालक विनय वर्मा ने बताया कि सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का उत्साहपूर्ण एवं सफल आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं ने क्षेत्र के प्रतिभावान और होनहार खिलाड़ियों को अपनी खेल प्रतिभा, मेहनत और अनुशासन का प्रदर्शन करने का सशक्त मंच प्रदान किया। बच्चों की इस जीत पर अकादमी में खुशी का माहौल है। सभी बच्चों को मिठाईयां खिलाकर उनका स्वागत किया गया। टोहाना की इस ऐतिहासिक जीत पर राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने सभी मुक्केबाजों और उनके कोच बहुत-बहुत बधाई दी। इस मौके पर जिला खेल अधिकारी विष्णु दास, बजरंग मॉडल स्कूल प्रिंसिपल अंजू वर्मा, टोहाना की बॉक्सिंग के पितामह डॉ रणधीर सिंह,पूर्व बॉक्सिंग कोच और सेक्रेटरी रणबीर सिंह, बॉक्सिंग कोच जरनैल गिल समैन, बॉक्सिंग कोच रितु रंगा समैन, डीपी वीरेंद्र गिल गजुवाला, बॉक्सिंगी कोच परमवीर सैनी जमालपुर शेखा, बॉक्सिंग कोच ज्योति वर्मा टोहाना, बॉक्सिंग कोच आशीष कुमार डांगरा, बॉक्सिंग कोच राहुल डांगरा, संदीप बिश्नोई ठरवा, बॉक्सिंग कोच संजय शेर सिंह टोहाना, बॉक्सिंग कोच अनिल नैन कालवन, बॉक्सिंग कोच सत्यवान टोहाना, बॉक्सिंग कोच अनिल बिश्नोई सभी ने बच्चों को इस जीत पर बधाई दी।

हरियाणा सरकार देगी 1984 के सिख विरोधी दंगों के पीड़ितों के परिजन को सरकारी नौकरी- उपायुक्त

जिला के प्रभावित परिवार डीसी कार्यालय में 17 दिसंबर शाम 5 बजे तक जमा करवाएं अपने कागजात

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । हरियाणा सरकार ने 1984 में हुए सिख विरोधी दंगों के पीड़ित परिवारों को सरकारी नौकरी देने का निर्णय लिया है। हरियाणा कौशल रोजगार निगम में लेवल वन, लेवल 2 और लेवल 3 के अंतर्गत प्रावधानों के अनुसार योग्यता के आधार पर नौकरी दी जाएगी। यह जानकारी देते हुए उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने बताया कि सरकार ने हरियाणा के ऐसे परिवारों को नौकरी देने का निर्णय लिया है जिनके परिवार के सदस्य की 1984 में हुए सिख विरोधी दंगों में हरियाणा या हरियाणा से बाहर मौत हुई है। नौकरी हरियाणा में ही दी जाएगी। उन्होंने बताया कि जिला फतेहाबाद से प्रभावित परिवार 17 दिसंबर शाम 5 बजे तक उपायुक्त कार्यालय फतेहाबाद में निम्नलिखित जानकारी के साथ कागजात जमा करवाएं ताकि सरकार के पास समय पर भेजे जा सकें। प्रार्थी उपायुक्त कार्यालय के टेलीफोन नंबर 01667-230001, 230002 पर संपर्क कर सकते हैं। प्रार्थी मृतक का नाम, दिनांक और स्थान जहां पर मौत हुई थी, मृत्यु प्रमाण पत्र की कॉपी,एफआईआर की कॉपी या अन्य संबंधित कागजात जो सिद्ध करें कि 1984 के सिख विरोधी दंगों में उक्त व्यक्ति की मौत हुई है। पीड़ित परिवार के जिस सदस्य को नौकरी दी जानी है उसका नाम, आधार नंबर, शैक्षणिक योग्यता, मृतक के साथ रिश्ता, आयु एवं जन्म तिथि, श्रेणी एससी, ओबीसी, एसटी, सामान्य। पीड़ित परिवार का रिहायशी प्रमाण हरियाणा या रह रहे यूटी या अन्य राज्य का। पीड़ित परिवार के जिस सदस्य को नौकरी दी जानी है, उक्त परिवार के अन्य सदस्यों द्वारा एनओसी, शपथ पत्र, मंजूरी भी देनी है।

सुशासन पखवाड़े के चौथे दिन भाजपा नेता राजेश दहिया ने जनसम्पर्क विकास रथ के साथ किया ग्रामीणों से संवाद

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पिलानी।

प्रदेश सरकार के ऐतिहासिक दो वर्ष पूर्ण होने पर 15 दिवसीय सुशासन पखवाड़े के अंतर्गत मंगलवार को चौथे दिन भाजपा के नेता राजेश दहिया ने पिलानी विधानसभा की ग्राम पंचायत खुड़ानिया, बजावा, तिगियास, लाम्बा एवं बुडानिया में जनसम्पर्क विकास रथ के साथ उपस्थित रहकर सहभागिता की। इस दौरान दहिया ने राज्य सरकार की ऐतिहासिक उपलब्धियों से अवगत कराया।

दहिया ने बताया की मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार का संकल्प है कि अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक उपलब्धियां व जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचे और प्रदेश का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो। प्रदेश में विकास और सुशासन के नए नए आयाम स्थापित किए गए है, जिसकी महत्वपूर्ण उपलब्धियों की जानकारीयां ग्रामीणों से साझा की गई। इस अवसर पर यह संकल्प लिया गया कि राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पिलानी विधानसभा के प्रत्येक परिवार तक समयबद्ध एवं प्रभावी रूप से पहुँच सके। इस दौरान पूर्व जिला अध्यक्ष बनवारी लाल सैनी , पंचायत समिति विकास अधिकारी सुखदेवा राम , पूर्व प्रधान रोहिताश धांगड़, मंडल अध्यक्ष विकाश स्वामी, मंडल अध्यक्ष ओम प्रकाश सौनी, प स सदस्य सुनील पूनिया, सरपंच प्रतिनिधि अशोक पूनिया, जिला मंत्री रिशाल, सुनीता स्वामी, तिगियास सरपंच प्रतिनिधि अंतर सिंह , लाम्बा सरपंच भरत सिंह , बुड़ानिया सरपंच हनुमान सिंह, अनुज लाम्बा सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

भीम प्रज्ञा कविता

पितृसत्ता में एक बेटी की विदाई

आज विदाई का दिन आया है,
सबकी आँखों में पानी लाया है।
पर मेरे मन में एक सवाल है,
क्या सच में मैं इस घर का बोझ थी?

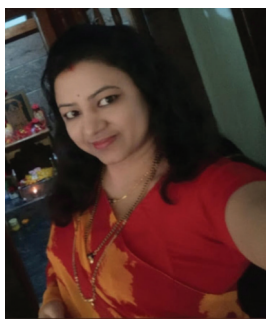

बाबुल का घर, बस कुछ सालों का ठिकाना था?
यहाँ हर कोना मुझे बेगाना लगा,
हर दीवार ने मेरे सपने देखे थे।
पर सब कहते, 'यह तो पराया धन है ',
शायद इसीलिए मेरा मन यहाँ नहीं रमा था।

खेल-कूद सब पीछे छूट गए,
अपने खिलौने भी पराए हो गए।
माँ की ममता में भी एक दूरी थी,
'बेटी, पति के घर ही तेरा असली घर है ', यही सीख थी।

और तब...
माँ-बाप आँसू छुपाके, बेटी को 'जा, जा, अब वही घर है तेरा' बोलकर हल्के से धक्के देते हैं।
उनके दिल का बोझ, उनकी छुपी हुई पीर,
बस यही बताती है कि विदाई है एक तकदीर।

आज जब ये बंधन टूट रहे हैं,
मेरे कदम आगे बढ़ रहे हैं।
ना कोई शिकवा, ना कोई शिकायत है,
बस एक टीस है, एक अनचाहा एहसास है।

मैं चली अपने नए ठिकाने,
जहाँ शायद मुझे अपनापन मिले।
पर इस घर को अलविदा कहते हुए,
क्या कभी मैं तुम्हारी अपनी थी?

- क्षमा राव, मुंबई
कवयित्री

मेहनत ही सफलता की कुंजी है– मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी शर्मा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड जिला मुख्यालय झुंझुनू के तत्वावधान में आयोजित पांच दिवसीय अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वार्षिक ग्रुप शिविर का मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार शर्मा ने आकस्मिक निरीक्षण किया। शिविर में पहुंचने पर स्काउट गाइड परंपरा के अनुसार अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित स्काउट्स एवं गाइड्स को संबोधित करते हुए मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार शर्मा ने कहा कि मेहनत ही सफलता की कुंजी है। विद्यार्थियों को अपने जीवन में अनुशासन बनाए रखते हुए निरंतर आगे बढ़ना चाहिए तथा जहां भी अवसर मिले उसका सदुपयोग कर सुयोग्य नागरिकता के गुण विकसित करने चाहिए। उन्होंने कहा कि स्काउट गाइड गतिविधियों के माध्यम से बालक बालिकाओं के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास होता है। विशिष्ट अतिथि सहायक निदेशक शिक्षा विभाग अशोक जांगिड़ ने अपने संबोधन में कहा कि अनुशासन ही जीवन का आधार है। स्काउट गाइड के माध्यम से बालक बालिकाओं को व्यावहारिक ज्ञान मिलता है जिससे वे भविष्य में अच्छे नागरिक बनते हैं।

एससी एसटी स्काउट गाइड्स को वितरित की गई यूनिफॉर्म

सी ओ स्काउट महेश कालावत ने जानकारी देते हुए बताया कि मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार शर्मा, जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक शिक्षा राजेश मील एवं सहायक निदेशक शिक्षा अशोक जांगिड़ के सानिध्य में जिले के 130 अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के स्काउट गाइड्स को यूनिफॉर्म वितरित की गई। शिक्षा अधिकारियों ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा गरीब तबके के विद्यार्थियों को स्काउट गाइड से जोड़ने के लिए आर्थिक सहायता एवं संबलन प्रदान किया जा रहा है। इसके लिए स्काउट गाइड राज्य मुख्यालय जयपुर का आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर सी ओ गाइड प्रियंका खीचड़ ने सभी का आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में रामदेव सिंह गढ़वाल, महेश कुमार, विजेता कुमारी नेहरा, मनीषा सैनी, दिनेश कुमार अमरचंद सहित अनेक स्काउट गाइड पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सुनारों के गटे के पास मंडावा वाले भवन में माता की चुनरी के लगी बूटियां

देश-विदेश के श्रद्धालु भी लेते हैं चुनरी यात्रा में भाग

सरोज के सानिध्य में लगाई गई बूटियां

भीम प्रज्ञा न्यूज़.उदयपुरवाटी

सुमेर मीणा । कस्बे के वार्ड नंबर 21 में सुनारों के गटे के पास मंडावा वाले भवन पर मंगलवार को महिलाओं ने मां शाकंभरी की चुनरी की मंगल गीत गाकर बूटियां लगाई द्य मां शाकंभरी की प्रतिमा रखकर दीप प्रज्वलित कर महिलाओं ने मंगल गीतों के साथ नाचते गाते हुए माता की चुनरी सजाई द्य चुनरी यात्रा के संयोजक मूलचंद सैनी ने जानकारी देते हुए बताया कि मां शाकंभरी की चुनरी के बूटियां लगाने का कार्य शेखावाटी के अलावा देश-विदेश में भी जोर शोर से चल रहा है द्य 3 जनवरी को जमात स्थित गणपति मैरिज गार्डन से गाजे बाजे के साथ मां शाकंभरी की विशाल पैदल चुनरी यात्रा निकाली जाएगी जिसकी तैयारीयां को अंतिम रूप दिया जा रहा है कस्बे में मंगलवार को सरोज शाह के नेतृत्व में अंकिता मोदी, रेखा मंडावा वाले ,सुनीता खैराड़ी, ललिता अग्रवाल, कृष्णा अग्रवाल, अनीता अग्रवाल, संगीता अग्रवाल, रेखा अग्रवाल, निर्मला शाह, शारदा खेराडी, सरोज शाह ,कृष्णा शर्मा, संतोष अग्रवाल सहित सैकड़ो महिलाएं मौजूद रही

शशांक शर्मा बने सहायक प्रबंधक

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

समीपवर्ती बऊधाम निवासी शिवशंकर शर्मा के सुपुत्र शशांक शर्मा ने बैंक ऑफ इंडिया में पदोन्नति पाकर एसिस्टेंट मैनेजर पद पर द्वारका गुजरात में कार्यभार ग्रहण किया है।

विजय दिवस पर हर्षोल्लास- रूंगटा स्कूल के 12 पूर्व छात्रों का सेना में चयन, किया गया भव्य सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बगड़।

आदर्श नगर स्थित सेठ जीडीएल रूंगटा स्कूल में विजय दिवस के उपलक्ष्य में मंगलवार को विद्यालय के लिए गौरवशाली क्षण रहा। इस अवसर पर स्कूल के 12 पूर्व छात्रों का देश की तीनों प्रमुख सेनाओं- आर्मी, नेवी और एयरफोर्स- में चयन होने पर उनका भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। विद्यालय परिवार ने सभी चयनित छात्रों का माल्यार्पण कर और मिठाई खिलाकर हार्दिक अभिनंदन किया। प्रधानाचार्य डॉ. रमाकान्त शर्मा ने सभी छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि यह उपलब्धि विद्यालय के लिए गर्व का विषय है। चयनित छात्रों का विवरण देश सेवा के लिए चयनित होने वाले पूर्व छात्रों में शामिल हैं।नेवी- सर्वजीत पूनियां, पुष्पेन्द्र बुडानियां, प्रवीण सैनी। एयरफोर्स में दीपक सैनी, अंकित सैनी, अनुज सैनी, रविन्द्र सैनी, कपिल शेखावत, वंश गोदारा, समीर। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त छात्र/छात्रा और अध्यापक उपस्थित रहे और सभी ने चयनित पूर्व छात्रों से प्रेरणा ली।

चिड़ावा कॉलेज के NSS शिविर में योग बना संजीवनी, रजनीकांत मिश्रा ने सिखाए बहुउपयोगी आसन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

चिड़ावा कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) के सात दिवसीय विशेष शिविर के दूसरे दिन मंगलवार को योग सत्र का आयोजन किया गया। वर्तमान भागदौड़ भरी जिंदगी में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को समझते हुए इस सत्र में स्वयंसेवक-स्वयंसेविकाओं को योग का प्रशिक्षण दिया गया। योग प्रशिक्षक ने बताया संजीवनी क्षेत्र के जाने-माने योग प्रशिक्षक रजनीकांत मिश्रा (लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट, चिड़ावा) ने शिविरार्थियों को दैनिक जीवन में काम आने वाले और अत्यंत उपयोगी आसन करवाए। मिश्रा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के तनावपूर्ण जीवन में योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि एक संजीवनी का रूप है, जो जीवन को संतुलित बनाता है। प्राचार्य डॉ. ऋचा कुलश्रेष्ठ ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए योग को जीवन का अभिन्न अंग बनाने और इससे होने वाले लाभों से अधिकतम लाभान्वित होने की प्रेरणा दी। इस योग सत्र के सफल आयोजन की व्यवस्थाएं NSS की दोनों इकाई प्रभारियों–इतिका जांगिड़ और अभिषेक सैनी–ने कुशलतापूर्वक संभाली।

फ़ोटोग्राफ़ी संचार का सबसे बेहतरीन साधन– डॉ. मनोज कुमार

सिंघानिया विश्वविद्यालय में फोटोग्राफी व सोशल मीडिया पर एक दिवसीय मीडिया सेमिनार

भीम प्रज्ञा न्यूज.पचेरी/झुंझुनूं।

सिंघानिया विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्यूनिकेशन द्वारा मंगलवार को फोटोग्राफी एवं सोशल मीडिया विषय पर एक दिवसीय मीडिया सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के अध्यक्ष सेवानिवृत्त आईएएस डॉ. मनोज कुमार ने कहा कि फोटोग्राफी संचार का सबसे बेहतरीन साधन है। उन्होंने कहा कि मीडिया ऐसा प्लेटफॉर्म है जिसका उपयोग हम अपने दैनिक जीवन में निरंतर करते हैं। फोटोग्राफी के अतीत और वर्तमान पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि आज इस क्षेत्र में लगातार नए प्रयोग हो रहे हैं और मोबाइल फोन ने कैमरे की उपलब्धता को बहुत सरल बना दिया है। सेमिनार में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग से डॉ. सुरेंद्र एवं डॉ. आलेखा सचिदानंद नायक, बिट्स पिलानी के प्रोफेसर ऋषिकेश वैद्य, विवेकानंद कॉलेज के प्रबंधक डॉ. अशोक सिंह शेखावत, विनोदिनी इंस्टिट्यूट ऑफ एजुकेशन के प्राचार्य डॉ. संतोष सैनी, श्री करणी गर्ल्स पीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. संदीप जांगीड़ तथा महात्मा गांधी कॉलेज खुर्द के प्राचार्य दीपचंद लेखवान मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। प्रोफेशनल फोटोग्राफर एवं मेंटर विरेंद्र अधिकारी ने कैमरे के प्रयोग और सोशल मीडिया पर फोटोग्राफी की भूमिका पर विस्तृत जानकारी दी।उद्घाटन सत्र में प्रोफेसर ऋषिकेश वैद्य ने कहा कि मीडिया एक सेतु है जो व्यक्ति को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक पहलुओं से जोड़ता है। सोशल मीडिया ने हर व्यक्ति को मीडिया जीव बना दिया है और आज हम सभी किसी न किसी रूप में पत्रकार की भूमिका निभा रहे हैं। डॉ. अशोक सिंह शेखावत ने कहा कि सोशल मीडिया का गलत उपयोग घातक भी साबित हो सकता है। डॉ. आलेखा ने कहा कि फोटोग्राफी अभिव्यक्ति का सर्वोत्तम माध्यम है और यह फोटोग्राफर के विवेक पर निर्भर करता है कि वह क्या देखना और दिखाना चाहता है।सेमिनार में स्वागत वक्तव्य परिसर निदेशक प्रो. पी. एस. जस्सल ने प्रस्तुत किया। प्रथम सत्र के अंत में अतिथियों द्वारा विश्वविद्यालय के वर्ष 2026 के कैलेंडर का लोकार्पण किया गया। रिसोर्स पर्सन श्री विरेंद्र अधिकारी ने प्रतिभागियों को प्रत्यक्ष उदाहरणों के माध्यम से फोटो लेने की कला सिखाई। इस अवसर पर फोटो प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों एवं विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों और स्टाफ ने भाग लिया।

विद्यालय स्तर पर चेतन धाना ने प्रथम, विवेक बलाहा कलां ने द्वितीय तथा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कृष्णा नगर ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। महाविद्यालय स्तर पर सिंघानिया विश्वविद्यालय के विद्यार्थी विद्या, यश मीणा एवं पियांशु ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। स्टाफ श्रेणी में योगेंद्र, डॉ. चंद्रशेखर एवं डॉ. आरती रानी प्रजापति को क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार प्रदान किए गए। सेमिनार में लगभग 150 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन विश्वविद्यालय के कुलसचिव एम. आई. हाशमी ने किया तथा अकादमिक निदेशक डॉ. एस. के. दूबे ने सभी अतिथियों व श्रोताओं का आभार व्यक्त किया।

कुरीतियों को तोड़ती बौद्ध रीति से संपन्न हुई अनूठी शादी, सामाजिक समरसता की बनी मिसाल

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनू।

झुंझुनू जिले की नवलगढ़ तहसील के गांव जयसिंहपुरा पोस्ट बड़वासी में मेघवाल समाज की एक शादी इन दिनों क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है। यह विवाह इसलिए खास रहा क्योंकि इसमें वर्षों से चली आ रही सामाजिक कुप्रथाओं और रूढ़ मान्यताओं को त्यागते हुए बौद्ध रीति-रिवाज से विवाह संपन्न किया गया। 6 दिसंबर 2025 को यह अनूठा विवाह गांव भारू तहसील मंडावा में आयोजित हुआ, जिसे देखने और सराहने के लिए बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। गांव जयसिंहपुरा पोस्ट बड़वासी निवासी मामराज सिंह काला ने अपने सुपुत्र हवासिंह काला, भीम सेना जिलाध्यक्ष झुंझुनू का विवाह गांव भारू निवासी गुलज़ारी लाल रोहिला की सुपुत्री जिज्ञासा (एलएलबी) के साथ बौद्ध परंपरा अनुसार कराया। इस विवाह की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि दोनों पक्षों की सहमति से समठूणी, कंबल जुहारी, बहन-बहनोई द्वारा माला लाने जैसी पुरानी प्रथाओं को पूरी तरह बंद किया गया और बिना किसी आडंबर के विवाह संपन्न हुआ। विवाह समारोह में पाखंड और अनावश्यक खर्च से दूरी बनाए रखते हुए सामाजिक, आर्थिक और वैचारिक रूप से समानता, समता और बंधुत्व का संदेश दिया गया। विवाह स्थल पर बहुजन समाज में जन्मे महापुरुषों के पोस्टर लगाए गए। वर-वधु ने तथागत गौतम बुद्ध, संविधान निर्माता डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर और भारतीय संविधान को साक्षी मानकर एक-दूसरे को माला पहनाकर वैवाहिक जीवन में प्रवेश किया।

इस अवसर पर बौद्धाचार्य ओ.पी. बौद्ध, नवलगढ़ द्वारा बौद्ध रीति-रिवाज के अनुसार 103वां विवाह कार्यक्रम विधिवत संपन्न कराया गया। कार्यक्रम के दौरान महापुरुषों के चरणों में पुष्प अर्पित कर बौद्ध धर्म के मूल सिद्धांतों पर चलने का संकल्प लिया गया।ग्रामीणों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने इस विवाह को पाखंडवाद से मुक्त, सरल, प्रेरणादायक और समाज सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। उपस्थित लोगों ने कहा कि इस प्रकार की शादियां समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने और नई पीढ़ी को समानता व मानवता के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देती हैं। यह विवाह आने वाले समय में समाज के लिए एक उदाहरण बनेगा।

फतेहाबाद जिला के सभी आवारा कुत्तों का टीकाकरण व नसबंदी का कार्य शुरू

टोहाना में आवारा कुत्तों से परेशान लोगों ने नगर परिषद चैयरमेन को भेजी शिकायत

संबंधित विभागों के अधिकारी आपसी तालमेल से कार्य को करवाएं पूरा- एडीसी अनुराग ढालिया

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । एडीसी अनुराग ढालिया ने कहा कि माननीय सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार जिला में आवारा कुत्तों का टीकाकरण व नसबंदी का कार्य किया जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा इस कार्य को समुचित तरीके से करवाने के लिए पूरी तैयारी कर ली गई है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में सभी आवारा कुत्तों को कवर किया जाएगा। एडीसी अनुराग ढालिया ने लघु सचिवालय के वीडियो कॉन्फ्रेंस हॉल में आवारा कुत्तों के टीकाकरण व नसबंदी कार्य को लेकर संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दे रहे थे। इससे पहले हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने प्रदेश के सभी उच्चाधिकारियों से इस संदर्भ में रिपोर्ट प्राप्त की तथा इस मौके पर मुख्य सचिव ने आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। एडीसी ने कहा कि सभी अधिकारी अन्य विभागों के साथ तालमेल करते हुए कुत्तों के टीकाकरण व नसबंदी कार्य को पूरा करवाएं। इस कार्य में कोई भी लापरवाही न बरती जाए। संबंधित विभाग शैल्टर हाउस बनाकर सीसीटीवी कैमरे आदि की पूरी व्यवस्था करना सुनिश्चित करें। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों के साथ-साथ स्कूलों, अस्पतालों, बस स्टैंड व रेलवे स्टेशन आदि पर पूरी निगरानी की जाए। जिला स्तर पर ज्वाइंट टास्क फोर्स व जिला निगरानी कमेटी बना दी गई है, जिसके तहत पूरी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे कार्य में प्रगति लाते हुए रिपोर्ट को अपडेट रखें। एजेंसी द्वारा फतेहाबाद में 2700 आवारा कुत्तों का टीकाकरण व नसबंदी का कार्य किया जा चुका है। इस अवसर पर एसडीएम राजेश कुमार, डीएसपी कुलवंत सिंह, डीडीपीओ अनूप सिंह, डीडीएएच डॉ. सुखविंद्र सिंह, टीएम सुरेंद्र सिंह सहित संबंधित विभाग के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

नितिन नबीन के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनने पर इस नेता ने बताया... कांग्रेस के लिए शुभ संकेत

नई दिल्ली (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेश बघेल ने बिहार सरकार के मंत्री नितिन नबीन को भाजपा का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने पर टिप्पणी कर उनकी नियुक्ति को कांग्रेस के लिए शुभ संकेत बताया है और केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनने की उम्मीद जाहिर की है। उन्होंने नितिन नबीन की तुलना नितिन गडकरी से की, जो दिसंबर 2009 में भाजपा के अध्यक्ष बने थे। बघेल ने याद दिलाया कि जब गडकरी भाजपा अध्यक्ष बने थे, तब कांग्रेस की सरकार (यूपीए) बनी थी। उन्होंने कहा कि अब यह दूसरा नितिन आया है, इसलिए यह फिर से संकेत है कि केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनने वाली है। इस टिप्पणी का उद्देश्य कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उम्मीद जगाना और भाजपा के आंतरिक घटनाक्रम को अपने पक्ष में राजनीतिक रूप से भुनाना मालूम होता है। बात दें कि गडकरी दिसंबर 2009 में भाजपा के अध्यक्ष बने थे, और उसके कुछ ही महीनों बाद हुए लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूपीए ने जीत हासिल की थी। हालांकि, वह 2009 में भी यूपीए की ही सरकार थी (जो 2004 में बनी थी), और 2014 के बाद से कांग्रेस को लगातार हार का सामना करना पड़ा है।

नागपुर में रक्षा उत्पादों के निर्माण से जुड़ी कंपनी की हवाई पट्टी पर दिखा अज्ञात ड्रोन

नागपुर (एजेंसी)। नागपुर में रक्षा उत्पादों के निर्माण से जुड़ी सोलर इंडस्ट्रीस कंपनी की हवाई पट्टी के ऊपर एक अज्ञात ड्रोन दिखने से हड़कंप मच गया है। नागपुर-अमरावती रोड पर स्थित सोलर इंडस्ट्रीज की हवाई पट्टी (नागपुर से करीब 40 किमी दूर) है। कंपनी सोलर इंडस्ट्रीज रक्षा संबंधी उत्पादों जैसे सशस्त्र ड्रोन, सैन्य विस्फोटक, रॉकेट एकीकरण प्रणाली, लाइटरिंग मुनिशन्स, ड्रोन रोधी मिसाइलें, बम और युद्धक सामग्री का निर्माण करती है। घटना 9 दिसंबर को शाम करीब 7:15 बजे हुई। कंपनी के सुरक्षाकर्मियों ने हवाई पट्टी के ऊपर आसमान में एक टिमटिमाती रोशनी देखी। अंधेरे के कारण ड्रोन के आकार का अंदाजा नहीं लग सका। इसके बाद कार्रवाई करते हुए कोंधली पुलिस थाने में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस अधीक्षक डॉ. हर्ष पोद्दार ने जांच जारी होने की पुष्टि की। पुलिस ने आस-पास के गांवों (मलकापुर, शिवा, सवांगा) में तलाशी अभियान चलाया, यह पता लगाने के लिए कि कहीं ड्रोन किसी निजी समारोह से भटककर तो नहीं आ गया था। दो दिनों तक पुलिस टीम गांवों में तैनात रहीं, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। खुफिया ब्यूरो की एक टीम भी घटना की जांच कर रही है। इस घटना को राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण माना जा रहा है, खासकर इसलिए क्योंकि सोलर इंडस्ट्रीज संवेदनशील सैन्य उपकरणों का निर्माण करती है।

दिल्ली में पीयूसी के बिना नहीं मिलेगा पेट्रोल-डीजल, सिर्फ बीएस-6 गाड़ियों को एंट्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली और एनसीआर में लगातार बिगड़ती वायु गुणवत्ता के बीच सरकार ने प्रदूषण पर काबू पाने के लिए सख्त फैसले लिए हैं। मंगलवार को दिल्ली में एक बार फिर जहरीले स्मॉग की मोटी परत छाई रही, जिसके बाद पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कड़े प्रतिबंधों की घोषणा की। उन्होंने बताया कि 18 दिसंबर से दिल्ली में बिना वैध पीयूसी के किसी भी वाहन को पेट्रोल या डीजल नहीं दिया जाएगा। इसके साथ ही सरकार ने स्पष्ट किया है कि दिल्ली में केवल बीएस-6 मानक वाली गाड़ियों को ही प्रवेश की अनुमति होगी। बीएस-4 और उससे पुराने वाहनों की एंट्री पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी। यह फैसला बढ़ते प्रदूषण स्तर और स्वास्थ्य पर पड़ रहे गंभीर प्रभावों को देखते हुए लिया गया है। पर्यावरण मंत्री ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया है, कि राजधानी में निर्माण कार्यों पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। कंस्ट्रक्शन मटीरियल ले जाने वाले वाहनों पर भी सख्ती बरती जाएगी और नियमों का उल्लंघन करने वालों के चालान काटे जाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार हालात की गंभीरता को समझते हुए कोई ढिलाई नहीं बरतेगी। मनजिंदर सिंह सिरसा ने दिल्लीवासियों से प्रदूषण की स्थिति को लेकर माफी भी मांगी। उन्होंने कहा कि नई सरकार हर दिन एयर क्वालिटी इंडेक्स में सुधार के लिए काम कर रही है और पिछली सरकार से विरासत में मिली प्रदूषण की समस्या को ठीक करने का प्रयास किया जा रहा है। मंत्री ने लोगों से अपील की कि वे नियमों का पालन करें और निजी वाहनों के बजाय सार्वजनिक परिवहन का अधिक इस्तेमाल करें।

एलडीएफ नेता रामजीत पर हमला, बीजेपी के छह कार्यकर्ता गिरफ्तार

अलप्पुझा (एजेंसी)। केरल के तटीय जिले अलप्पुझा में वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के नेता पर हमला करने के आरोप में बीजेपी के छह कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मंगलवार को जानकारी देते हुए बताया कि यह घटना रविवार रात हुई थी, जब मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के स्थानीय नेता रामजीत और उनके दोस्त रेनिथ, नीलमपेरूर पंचायत गए थे, जहां हाल ही में हुए निकाय चुनावों में बीजेपी ने जीत हासिल की है। पुलिस ने बताया कि रामजीत और उसके दोस्त रेनिथ की शिकायत के मुताबिक छह बीजेपी कार्यकर्ताओं ने उन्हें रोका, उनके लिए अभद्र का इस्तेमाल किया, रामजीत की पिटाई की और फिर उसके सिर पर लाठी से वार किया। शिकायतकर्ताओं ने दावा किया कि हमला इसलिए किया गया क्योंकि वे पंचायत क्षेत्र में गए थे। पुलिस ने बताया कि उन्होंने छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि रामजीत का कोट्टायम मेडिकल कॉलेज में उपचार हो रहा है।

हीटर से आग लगने के कारण नानी और नाती की मौत

रांची (एजेंसी)। झारखंड के धनबाद के सरायढेला अंतर्गत विकास नगर में एक घर में देर रात हीटर से आग लगने के कारण नानी और उनके 18 वर्षीय नाती की मौत हो गई। घटना विकास नगर, सरायढेला थाना क्षेत्र, धनबाद में सोमवार-मंगलवार की देर रात को हुई। मृतक में 62 वर्षीय चिंता मणि देवी (नानी) और 18 वर्षीय गोलू (नाती) शामिल है। तीन अन्य लोग गंभीर रूप से झुलस गए, जिनका इलाज अस्पताल में चल रहा है। ठंड से बचाव के लिए जलाए गए हीटर पर कंबल गिर गया, जिससे आग भड़की और पूरे कमरे में धुआं व आग फैल गई। घटना में चिंता मणि देवी की मौके पर ही मौत हो गई। उन्हें बचाने के प्रयास में नाती गोलू भी गंभीर रूप से झुलस गया और उसकी भी मौत हो गई। मोहल्ला संकरा होने के कारण बड़ी दमकल गाड़ी अंदर प्रवेश नहीं कर सकी। छोटी गाड़ी मंगाई गई। घर का निचला हिस्सा अंदर से बंद होने के कारण भी कर्मियों को भीतर जाने में परेशानी हुई।

हेल्थ मंत्री के क्षेत्र अटेली सीएचसी में प्रतिदिन अल्ट्रासाउंड की हुई जांच शुरू, मरीजों को मिला सकुन निजी अस्पतालों में सोनोग्राफी की जांच हजारों में, अटेली सीएसी में निःशुल्क

स्वास्थ्य मंत्री के गृह क्षेत्र अटेली सीएचसी में मंगलवार एक दिन की बजाय हर दिन होंगे अल्ट्रासाउंड

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । अटेली के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में अल्ट्रासाउंड सुविधा शुरू होने से अटेली क्षेत्र के मरीजों व आमजन को लाभ मिल रहा है। हरियाणा की पहली सीएचसी में यह सुविधा प्रारंभ में केवल मंगलवार को दिन निर्धारित किया था लेकिन स्वास्थ्य मंत्री के प्रयासों व मरीजों की संख्या बढ़ने के चलते इस सुविधा को 16 दिसंबर से प्रतिदिन कर दिया है तथा सोनोलोजिस्ट डा. धर्मेंद्र सांगवान की अटेली में प्रतिदिन ड्यूटी कर दी है। स्वास्थ्य मंत्री कुमारी आरती सिंह राव के निर्देश पर मंगलवार को अटेली सीएचसी में आधुनिक अल्ट्रासाउंड सुविधा 25 नवंबर को सीएमओ डॉ. अशोक कुमार के द्वारा शुभारंभ किया था। अटेली के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में अल्ट्रासाउंड सुविधा शुरू होने से क्षेत्र के लोगों में खुशी देखी जा रही है। अल्ट्रासाउंड की जांच निजी अस्पतालों में एक हजार से दो हजार रुपए तक होती है जो अटेली सीएचसी में यह सुविधा शुरू होने से निःशुल्क होने लगी है। अभी तक अटेली अस्पताल में 187 मरीजों के विभिन्न प्रकार के उल्टासाउंड हो चुके है। इस पहल से क्षेत्र के स्वास्थ्य ढांचे में बड़ा सुधार होगा और आम जनता को इसका सीधा लाभ मिलना शुरू हो गया है। अल्ट्रासाउंड सुविधा के शुरू होने से अटेली व आसपास के हजारों मरीजों को अब नारनौल, रेवाड़ी या अन्य शहरों में भटकने की जरूरत नहीं पड़ेगी। गर्भवतियों समेत गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को प्राथमिक जांच अब स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध होगी जिससे समय और धन की बचत होगी।

अब हर दिन होगी सोनोग्राफी अटेली में

सोनोलोजिस्ट डा. धर्मेंद्र सांगवान ने बताया कि शुरू में सप्ताह में एक दिन ही सोनोग्राफी होती थी लेकिन स्वास्थ्य मंत्री के प्रयासों से व मरीजों की संख्या बढ़ने के चलते 16 दिसंबर से प्रतिदिन कर दिया है। 25 नवंबर को पहले दिन सोनोग्राफी 15, इसके बाद 2 दिसंबर को 52, 9 दिसंबर को 55 तथा 16 दिसंबर को 65 सोनोग्राफी हुए। प्रतिदिन होने से अटेली क्षेत्र के लोगों को विशेष लाभ मिलेगा। अटेली में कलर अल्ट्रासाउंड होगे। स्वास्थ्य मंत्री कुमारी आरती सिंह राव ने कहा कि अटेली से शुरुआत इसलिए की क्योंकि यह मेरा निर्वाचन क्षेत्र है और यहां की जनता कई वर्षों से इस सुविधा की मांग कर रही थी। मंत्री ने स्पष्ट किया कि ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ाने पर पुरजोर काम किये जा रहे है। प्रदेश को लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवा मिले इसके लिए मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में धरातल स्तर पर काम किये जा रहे है।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को मिला स्वास्थ्य, पोषण व शिक्षा का संयुक्त प्रशिक्षण

पोषण भी पढ़ाई भी' कार्यक्रम के तहत छह दिवसीय प्रशिक्षण का समापन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा किसान रेस्ट हाउस टोहाना में 'पोषण भी पढ़ाई भी' विषय पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी अनीता के मार्गदर्शन एवं देखरेख में संपन्न हुआ, जिसका उद्देश्य आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रारंभिक बाल देखभाल एवं शिक्षा के क्षेत्र में और अधिक सक्षम बनाना रहा। मास्टर ट्रेनर सुपरवाइजर करमजीत ने जानकारी दी कि यह प्रशिक्षण 10 से 16 दिसंबर 2025 तक आयोजित किया गया, जिसमें मंगलवार को अंतिम सत्र संपन्न हुआ। प्रशिक्षण के दौरान कार्यकर्ताओं को बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु समय-समय पर नवीन गतिविधियों को अपनाने की आवश्यकता पर मार्गदर्शन प्रदान किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिभागियों को इंटरएक्टिव सत्रों, डेमोंस्ट्रेशन, हाथों से की जाने वाली गतिविधियों तथा व्यवहारिक अभ्यासों के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने बताया कार्यक्रम में सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने शारीरिक, मानसिक एवं प्रायोगिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से सहभागिता की। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के समग्र विकास को सुनिश्चित करना है, जिसमें स्वास्थ्य, पोषण एवं प्रारंभिक शिक्षा को एकीकृत रूप से सुदृढ़ किया गया। यह पहल प्रारंभिक बाल देखभाल एवं शिक्षा के क्षेत्र में विभाग के प्रयासों को और मजबूत करती है। प्रशिक्षण के प्रथम बैच में कुल 90 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में टोहाना, जाखल एवं भूना खंड की आंगनवाड़ी वर्करों की सहभागिता रही। इस अवसर पर कॉर्डिनेटर नैन्सी, जिला कॉर्डिनेटर रोहतास, सुपरवाइजर वरुणा एवं कीर्ति भी उपस्थित रहीं।

लक्ष्मणगढ़ में धार्मिक आस्था श्रद्धा व भक्ति का रचा जाएगा एक और नया इतिहास, बनेगा रिकार्ड व स्थापित होगा कीर्तिमान

शेखावाटी अंचल के संत- महात्माओं का होगा संगम, शंकुतला वाटिका में शिव उपासक डॉ स्वामी मुक्तानंद पुरी जी महाराज करेंगे कथा का वाचन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

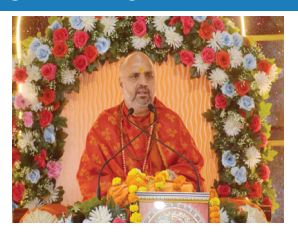

धार्मिक, सांस्कृतिक, सेवा व परोपकार के क्षेत्र में लक्ष्मनगढ में मौके बे मौके नया इतिहास लिखा जाता है । इसी तरह का एक और धार्मिक, आस्था, श्रद्धा व भक्ति का लक्ष्मनगढ में एक और नया इतिहास लिखा जाएगा। और यह अवसर होगा लक्ष्मनगढ नागरिक परिषद की ओर से 25 से 30 दिसंबर तक यहां शंकुतला वाटिका में आयोजित श्री शिवमहापुराण कथा का, जिसमें प्रतिदिन दोपहर 01 बजे से शाम 5.30 तक नियमित रूप से शिव उपासक डॉ स्वामी मुक्तानंद पुरी जी महाराज के मुखारविंद से कथा की अमृत वर्षा होगी। इस दौरान शेखावाटी अंचल के संत महात्माओं का समागम होगा तो बड़ी संख्या में प्रवासी, महिला पुरुष श्रद्धालु भक्त मौजूद रहेंगे। कथा से पूर्व श्री रघुनाथ जी के बड़े मंदिर से 1100 महिलाओं की कलश यात्रा निकाली जाएगी जो नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए कथा स्थल पहुंचेंगी। कथा की तैयारी, व्यवस्था, प्रचार प्रसार, जनसंपर्क के परिषद की तीनों इकाईयों के पदाधिकारी सदस्य जूटे हुए हैं।

मुख्यमंत्री के जन्म दिवस पर गौशाला में गायों व नंदी को खिलाया गुड़ व हरा चारा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

मुख्यमंत्री के जन्म दिवस पर ग्राम बलारां की श्री गोरक्षनाथ गौशाला में गौमाता व नंदी को गुड़ व चारा खिलाया ।इस मौके पर भाजपा मण्डल बलारां अध्यक्ष भरत सिंह सरावग, महामंत्री नरेन्द्र शर्मा चंचल, मुकेश पाराशर, गोशाला संचालक केशरदेव भडिया, ऋषि पाराशर, हीरालाल मीणा, सुभाष स्वामी, उम्मेद खान खत्री, गोपाल सैन, अंकित भडिया, सुरेन्द्र शर्मा, विश्वनाथ जांगिड़, राजेश कुमार बंजारा, मदन स्वामी,भंवरलाल वर्मा, सुरेश गोदारा आदि मौजूद थे।

मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत प्रारूप प्रकाशन, राजनीतिक दलों की बैठक आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

लक्ष्मणगढ़ उपखंड कार्यालय में मंगलवार को उपखंड अधिकारी मोहरसिंह मीणा की अध्यक्षता में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर का प्रथम चरण पुरा होने के साथ ही मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशन किया गया, इसको लेकर उपखंड कार्यालय में राजनैतिक पार्टियों के प्रतिनिधि की बैठक आयोजित की गई। बैठक में लक्ष्मणगढ़ विधायक गोविंदसिंह डोटासरा, लक्ष्मणगढ़ तहसीलदार फारूक अली व जनप्रतिनिधि मौजूद थे। बैठक के दौरान उपखंड अधिकारी मोहरसिंह मीणा ने बताया कि मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशन किया गया है। मीणा ने बताया कि मतदाता सूची में किसी नाम नहीं जुड़ा है या किसी नाम को लेकर शिकायत है तो 15 जनवरी तक आपत्ति दर्ज की जाएगी। इसके बाद मतदाता सूची 2026 का प्रकाशन किया जाएगा। इस दौरान उपखंड कार्यालय की ओर से जनप्रतिनिधियों को मतदाता सूची प्रारूप की प्रति भी उपलब्ध करवाई गई है।

विदेशी प्रवासी प्रतिनिधिमंडल ने किया आरतिया कार्यालय का विजिट, द्विपक्षीय निवेश संभावनाओं पर किया मंथन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

प्रवासी राजस्थानी सम्मेलन समाप्ति उपरांत अनेक देशों के राजस्थान फाउंडेशन चैप्टर प्रमुख व उनके प्रतिनिधिमंडल ने अखिल राज्य ट्रेड एंड इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आरतिया) के जयपुर स्थित मुख्यालय का विजिट किया तथा टीम आरतिया से द्विपक्षीय व्यापार व निवेश संभावनाओं पर मंथन कर आपसी सहयोग को और प्रगाढ़ करने पर सहमति जताई। नेशनल यूएस चैंबर ऑफ कॉमर्स की संस्थापक और राजस्थान फाउंडेशन न्यूयॉर्क चैप्टर प्रमुख पूर्णिमा वोरा ने कहा कि राजस्थान व अमेरिका के बीच व्यापार, उद्योग व? सेवा क्षेत्र तीनों में बड़े अवसर हैं। अमेरिकी कंपनियों के लिए राजस्थान में निवेश संभावनाएं हैं, इस पर हैंड होल्डिंग की जा सकती हैं। उनका कहना था राजस्थान से कोई कारोबारी अमेरिका में काम करना चाहे, उसे उनका चैंबर संपूर्ण सहयोग देगा। इसी तरह टैक्सास अमेरिका स्थित राजस्थान फाउंडेशन चैप्टर प्रमुख राज असावा, संदीप सिंह, अरूण मलिक व प्रवीण कुमार भी आये, उन्होंने आपसी सहयोग के जरिए क्या किया जा सकता है ।राजस्थान फाउंडेशन न्यूजीलैंड चैप्टर प्रमुख गुरूधारी रीमा शर्मा व उमेश शर्मा ने बताया कि न्यूजीलैंड ऊन व दूध उत्पादों का बड़ा उत्पादक है, इसी तरह राजस्थान से अनेक वस्तुओं का वहां निर्यात किया जा सकता है। न्यूजीलैंड हायर एजुकेशन का बड़ा डेस्टीनेशन है। सभी के लिए उनकी टीम पूरा सहयोग करने के लिए तत्पर है। जांबिया चैप्टर प्रमुख नरेंद्र भाटी ने कहा कि इस अफ्रीकन देश में खनिज व कृषि क्षेत्र अभी बहुत खुला है और राजस्थानी निवेशकों के लिए समुचित अवसर हैं।राजस्थान एसोसिएशन ऑफ केन्या के अध्यक्ष व फाउंडेशन चैप्टर प्रमुख डा. सोनवीर सिंह, निर्मला चौधरी, धर्मेंद्र व कुलदीप सिंह राठौड़ ने राजस्थान व केन्या के आपसी सहयोग से सृजित व्यवसायिक संभावनाओं पर चर्चा की और बताया किन किन वस्तुओं का द्विपक्षीय व्यापार किया जा सकता है। सोनवीर सिंह ने केन्या में राजस्थान से आयात की व्यापकता के बारे में बताया। फाउंडेशन के यूगांडा चैप्टर प्रमुख मनीष कल्ला ने कहा कि वहां इकोनॉमी प्रोग्रेसिव फेज में है तथा भारत से आटो उपकरणों समेत अनेक उत्पादों का निर्यात किया जा सकता है।

'परीक्षा पे चर्चा' के 9वें संस्करण के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू, अंतिम तिथि 11 जनवरी 2026

-कार्यक्रम में पीएम मोदी के साथ परीक्षा के स्ट्रेस, करियर के कई पहलुओं पर संवाद करते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी के सबसे लोकप्रिय कार्यक्रमों में शामिल 'परीक्षा पे चर्चा' के 9वें संस्करण के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू हो गए हैं। यह छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों के लिए एक ऐसा मंच है, जहां वे सीधे पीएम के साथ परीक्षा के स्ट्रेस, करियर और जीवन के कई पहलुओं पर संवाद कर सकते हैं। यह कार्यक्रम हर साल छात्रों में परीक्षा के डर को कम करने और उन्हें 'एग्जाम वॉरियर्स' बनने के लिए प्रेरित करता है। इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए चयन की प्रक्रिया पारदर्शी और योग्यता आधारित होती है। इसमें ऑनलाइन प्रतियोगिता के जरिए चयन किया जाता है, जो मॉयजीओवी पोर्टल पर आयोजित की जाती है। परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में कक्षा 6वीं से 12वीं तक के छात्र, साथ ही शिक्षक और अभिभावक इस बहुविकल्पीय प्रश्न प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं। यह प्रतियोगिता पीएम मोदी से डायरेक्ट बातचीत का मौका देती है। परीक्षा पे चर्चा में शामिल होने वाले सभी प्रतिभागियों को एनसीईआरटी की तरफ से एक खास प्रमाण पत्र भी मिलता है, जो उनके लिए बड़ी उपलब्धि है। 'परीक्षा पे चर्चा' 2026 के 9वें संस्करण के लिए पंजीकरण प्रक्रिया 1 दिसंबर, 2025 को शुरू हो चुकी है। इच्छुक छात्र, शिक्षक और अभिभावक मॉयजीओवी पोर्टल पर जाकर अपना रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। पंजीकरण की अंतिम तिथि 11 जनवरी, 2026 है। अब तक करीब 18,78,098 उम्मीदवार इस कार्यक्रम के लिए रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। इनमें 17 लाख से ज्यादा छात्र शामिल हैं। पीपीसी 2026 में पीएम मोदी के साथ लाइव प्रोग्राम में शामिल होने वाले प्रतिभागियों का चयन किसी आवेदन या सिफारिश के आधार पर नहीं, बल्कि एक ऑनलाइन प्रतियोगिता के जरिए किया जाता है। चयनित प्रतिभागियों को कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी से सीधे उनके मन में चल रहे सवाल पूछने का अनमोल अवसर मिलता है। यह छात्रों को अपनी दुविधाएं दूर करने और पीएम से प्रेरणा लेने का एक सीधा माध्यम प्रदान करता है। इस प्रतियोगिता में शामिल होने वाले सभी प्रतिभागियों को कई फायदे मिलते हैं। पीपीसी प्रतियोगिता में शामिल होने वाले सभी छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों को एनसीईआरटी से आधिकारिक प्रमाण पत्र मिलता है। शॉर्टलिस्ट किए गए छात्रों को पीएम मोदी के साथ लाइव 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम में शामिल होने का मौका मिलता है। पिछले संस्करणों में कुछ विजेताओं को पीएम मोदी की लिखी गई 'एग्जाम वॉरियर्स' पुस्तक और एक विशेष 'किट' भी दी गई थी।

उमर अब्दुल्ला ने कांग्रेस पार्टी के वोट चोरी के आरोपों और अभियान से खुद को अलग किया

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कांग्रेस पार्टी के वोट चोरी के आरोपों और अभियान से इंडिया गठबंधन को अलग किया है। उन्होंने कहा कि इस वोट चोरी मुद्दे से इंडिया गठबंधन का कोई लेना-देना नहीं है। हर राजनीतिक दल अपना एजेंडा तय करने के लिए स्वतंत्र है। कांग्रेस ने वोट चोरी को अपना मुख्य मुद्दा बनाया है, लेकिन नेशनल कॉन्फ्रेंस (उनकी पार्टी) अपने मुद्दे खुद चुनेगी। वहां कांग्रेस के चुने मुददों पर राजनीति नहीं करेगी।

वहीं भाजपा नेता शशांक मणि ने प्रतिक्रिया देकर कहा कि उमर समझ रहे हैं कि विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) का उद्देश्य किसी को निशाना बनाना नहीं, बल्कि वास्तविक मतदाता सूची को अपडेट करना और चुनावी सुधार करना है। उन्होंने कहा कि इस तरह लोग इंडिया गठबंधन से अलग होते रहने वाले है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों इंडिया गठबंधन के कई और दल भी इस वोट चोरी के मुददे से अलग हो जाएगी। वहीं कांग्रेस ने दिल्ली के रामलीला मैदान में वोट चोर गद्दी छोड़ रैली का आयोजन कर अपने अभियान को तेज़ किया है। उन्होंने रैली में मुख्य चुनाव आयुक्त एवं अन्य चुनाव आयुक्त विधेयक, 2023 में बदलाव करने और कांग्रेस के सत्ता में आने पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, चुनाव आयुक्त सुखबीर संधू और विवेक जोशी के खिलाफ कार्रवाई करने का संकल्प लिया। बात दें कि चुनावी अनियमितताओं के मुद्दे पर इंडिया गठबंधन के भीतर मतभेद सामने आए हैं, जहाँ उमर अब्दुल्ला ने कांग्रेस के आक्रामक रुख से दूरी बना ली है, जबकि भाजपा इसे चुनावी सुधार का मामला बता रही है।

भारत ने फिर कर दिया नोटम का ऐलान... के4 सबमरीन लांच बैलस्टिक मिसाइल का हो सकता है टेस्ट

-नोटम जारी होते ही पाकिस्तान की सांस गले में अटकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत रक्षा के क्षेत्र में लगातार एक के बाद एक धमाका कर रहा है, इन धमाकों से भारत के दुश्मन देश घबराए हुए हैं। अब भारत ने एक और तगड़ा ऐलान किया है। जिसके बाद दुश्मनों के गुट में चर्चा तेज हो गई है कि भारत किसी बड़ी तैयारी में है। पाकिस्तान के सारे टीवी चैनल्स पर इसी बात की बहस चल रही है कि कुछ घंटों बाद भारत क्या करने वाला है। पाकिस्तान ही नहीं बल्कि चीन और अमेरिका भी जानने के लिए बेचैन दिखाई दे रहे हैं कि आखिर भारत का प्लान क्या है। भारत ने नोटिस टू एयरमैन यानी कि नोटम जारी किया है। यह डेंजर ज़ोन एडवाइज़री डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम आइलैंड से बंगाल की खाड़ी के एक बड़े हिस्से को कवर करती है।

यह नो फ्लाई जोन करीब 2520 किमी तक फैला हुआ है। जो हवाई जहाजों और समुद्री यातायात के लिए अस्थायी प्रतिबंध लगाता है। यह नोटम 17 से 20 दिसंबर के बीच लागू रहेगा। कहा जा रहा है कि भारत एक बड़ी मिसाइल टेस्ट करने वाला है। पिछले परीक्षणों की तरह यह जोन पहले से ज्यादा बड़ा है जो मिसाइल की उन्नत रेंज और सटीकता का संकेत देता है। भारत ने इससे पहले 6 से 8 दिसंबर के बीच बंगाल की खाड़ी के ऊपर 14,000 कि.मी. के इलाके में नो फ्लाई जोन नोटिस जारी किया था। यह नोटम भी मिसाइल टेस्ट के लिए जारी किया गया था। हाल ही में नौसेना ने युद्धफोस से ब्रह्मोस मिसाइल का सफल परीक्षण किया था।

मिसाइल की बेजोड़ सटीकता, स्पीड और तबाही मचाने की ताकत देखने को मिली थी। यह मिसाइल दुश्मन के ठिकानों में तबाही मचाने के लिए काफी है। यह 300 से 800 किमी तक की दूरी पर बैठे दुश्मन को तबाह कर सकती है। इस सफल परीक्षण के बाद से ही भारत के दुश्मन खौफ में थे कि अब भारत ने एक और धमाका करने की तैयारी कर ली है। बताया जा रहा हैं कि के4 सबमरीन लॉन्च्ड बैलस्टिक मिसाइल का परीक्षण हो सकता है जो परमाणु सक्षम है और 3500 किमी तक वार कर सकती है। यह चीन नौसेना के खिलाफ एक मजबूत हथियार के रूप में है। यह मिसाइल ठोस ईंधन से चलती है। सबमरीन से लांच होने पर 20 से 30 मीटर गहराई से फायर की जा सकती है।

यह अग्नि मिसाइल सीरीज पर आधारित है। इसका वजन 17 टन, लंबाई 12 मीटर और यह एमआईआर भी तकनीक से लैस हो सकती है। यानी एक मिसाइल से कई लक्ष्य हिट कर सकती है। परमाणु हथियार ले जाने की ताकत इसके पास है। यह आईएएस, अरिहंत जैसी सबमरीन से लांच होती है। इस परीक्षण के बाद भारत अगले साल के5 मिसाइल का परीक्षण कर सकता है।

भारतीय टीम चौथे टी20 में भी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी

लखनऊ (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चौथे टी20 मैच में उतरेगी। भारतीय टीम इस सीरीज में 2-1 से आगे है और ऐसे में उसका लक्ष्य इस मैच को जीतकर पांच मैचों की इस सीरीज में अपनी बढ़त बनाये रखना रहेगा। इस मैच में भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव भी लंबी पारी खेलना चाहेंगे। सूर्या अब तक इस सीरीज में रन नहीं बनाने के कारण निशाने पर हैं। इस मैच में उपकप्तान शुभमन गिल को आराम देकर उनकी जगह पर संजू सैमसन को भी अवसर मिल सकता है। शुभमन भी इस सीरीज में रन नहीं बना पाये हैं। ऐसे में सभी का मानना है कि उन्हें आराम दिया जाना चाहिये। भारतीय टीम चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में सही संतुलन से उतर कर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में अजेय बढ़त हासिल करना चाहेगी।

सूर्यकुमार का इस सत्र में औसत 15 से कम है। इसके अलावा 2025 में उनके नाम कोई अर्धशतक नहीं है जो उनके करियर में इस तरह का सबसे लंबा चरण है। वह इस दौरान केवल दो बार 20 गेंद से अधिक बल्लेबाजी करने में सफल रहे हैं। टी20 विश्व कप में दो महीने से भी कम समय बचा है और ऐसे में टीम चाहेगी कि उनका कप्तान अपनी लय हासिल करे।

वहीं उप-कप्तान शुभमन गिल का प्रदर्शन भी काफी खराब रहा है। उनके पारी की शुरुआत करने के बाद से ही टीम का शीर्ष क्रम विफल रहा है। शुभमन को अच्छी बल्लेबाजी कर रहे संजू सैमसन की जगह पर टीम में शामिल किया गया था पर वह परिणाम नहीं दे पाये। शुभमन अभी तक टी20 अंतरराष्ट्रीय में अपने को स्थापित नहीं कर पाये हैं। वह रविवार को कम लक्ष्य का पीछा करते हुए भी सिर्फ 28 रन ही बना पाए जिसने विश्व कप से पहले उनकी बल्लेबाजी पर सवाल उठ रहे हैं।

विश्व कप से पहले भारत के पास इस प्रारूप में अब सिर्फ 7 मैच हैं। अक्षर पटेल के बीमारी के कारण सीरीज से बाहर होने के बाद भारत ने शाहबाज अहमद को इस मैच के लिए टीम में जगह दी है। जिससे स्पिनर कुलदीप यादव को अधिक अवसर मिल सकते हैं। वहीं तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह निजी कारणों से इस मैच से बाहर हैं। ऐसे में उनकी जगह पर बांए हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को टीम में बनाये रखा जाएगा। पिछले मैच में अर्शदीप ने जबरदस्त खेल दिखाया था। वहीं हर्षित राणा ने भी धर्मशाला में अच्छी बल्लेबाजी की। अभी भारतीय टीम 5 मैचों की सीरीज में 2-1 से आगे है। ऐमें उसका हौंसला बुलंद है।

वहीं दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीकी टीम का लक्ष्य किसी भी प्रकार ये मैच जीतकर सीरीज में वापसी करना रहेगा। टीम की बल्लेबाजी एडेन मारक्रम (कप्तान), क्विंटन डिकॉक, डेविड मिलर पर आधारित रहेगी। वहीं गेंदबाजी की कमान एनरिक नोर्किया, लुंगी एनगिडी, कोर्बिन बॉश, केशव महाराज के पास रहेगी। टी20 विश्व कप फाइनल के बाद से दक्षिण अफ्रीका की टीम छोटे प्रारूप में 28 में से 18 मैच हारी है। इससे पता चलता है कि टीम में निरंतरता की कमी है। दक्षिण अफ्रीका को बेहतर संयोजन की तलाश है और इसको देखते हुए टीम प्रबंधन लगातार बदलाव कर रहा है जिससे खिलाड़ी लय हासिल नहीं कर पा रहे।

टीमें इस प्रकार हैं

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, एनटी तिलक वर्मा, शाहबाज अहमद, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, जितेश शर्मा, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, संजू सैमसन, हर्षित राणा, कुलदीप यादव और वाशिंगटन सुंदर।

दक्षिण अफ्रीका : एडेन मारक्रम (कप्तान), क्विंटन डिकॉक, रीजा हेंड्रिक्स, डेवाल्ड ब्रेविस, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स, डोनोवन फरेरा, मार्को यानसेन, लूथो सिपाम्ला, ओटनील बार्टमैन, एनरिक नोर्किया, लुंगी एनगिडी, कोर्बिन बॉश, केशव महाराज और जॉर्ज लिंडे।

बुमराह निजी कारणों से घर लौटे, अंतिम टी20 में हो सकती है वापसी

-अक्षर बचे हुए दोनो मैचों से बाहर हुए

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह निजी कारणों से अपने घर वापसी चले गये हैं। इस कारण उन्हें टीम से बाहर रखा गया है। इससे पहले बुमराह के अचानक ही टीम से बाहर होने के कारण कई प्रकार के सवाल उठ रहे थे। बीसीसीआई और टीम प्रबंधन के अनुसार परिवार में मेडिकल इमरजेंसी को देखते हुए ही बुमराह को घर लौटना पड़ा है। गौरतलब है कि बुमराह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टी20 में भी शामिल नहीं थे। इसी कारण उनकी जगह युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा को टीम में जगह मिली थी। एक रिपोर्ट में बीसीसीसीआई के हवाले से कहा गया है कि बुमराह के परिवार का एक सदस्य गंभीर रुप से बीमार होने के बाद अस्पताल में भर्ती है। इसी कारण उन्हें घर लौटना पड़ा है। उनके चौथे या पांचवें टी20 में वापसी की उम्मीदें हैं। वहीं इस रिपोर्ट के अनुसार, अगर सब कुछ ठीक रहता है तो बुमराह अहमदाबाद में होने वाले पांचवें टी20 मुकाबले के लिए टीम में शामिल हो सकते हैं। हालांकि अभी उनकी, प्राथमिकता अपने परिवार के साथ रहना और स्थिति संभालना है। बुमराह के अलावा स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल भी बीमार होने के कारण तीसरे टी20 से बाहर रहे थे। इसी कारण उनकी जगह कुलदीप यादव को जगह मिली थी। अक्षर पटेल बिमारी के कारण बचे हुए दो मैचों से बाहर हो गये हैं। उनकी जगह पर शाहबाज़ अहमद को टीम में जगह मिली है। तीसरे टी20 में जीत के साथ ही भारत ने पांच मैचों की सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली है। सीरीज का चौथा मुकाबला 17 दिसंबर को लखनऊ के इकाना स्टेडियम में खेला जाएगा।

अभिषेक ने किया सूर्यकुमार ओर शुभमन का समर्थन, विश्वकप में दोनो हमें जीत दिलाएंगे

धर्मशाला (एजेंसी)। भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव और उपकप्तान शुभमन गिल पिछले काफी समय से अपने खराब फार्म के कारण आलोचकों के निशाने पर हैं। वहीं भारतीय टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का मानना है कि अगामी टी20 सीरीज और विश्वकप में ये दोनो अपने प्रदर्शन से टीम को जीत दिलाएंगे। अभिषेक ने माना कि अभी ये रन नहीं बना पा रहे हैं पर कहा कि जब इनकी सबसे ज्यादा जरूरत होगी तो ये दोनों ही टीम के लिए जमकर रन बनाएंगे।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जारी पांच मैचों की टी20 सीरीज में सूर्यकुमार ने 3 मैचों में 29 और शुभमन ने 3 मैचों में 32 रन बनाए हैं। भारतीय टीम हालांकि सीरीज में आग है। धर्मशाला में खेले गए तीसरे टी20 मैच में भी उप्तान और उपकप्तान विफल रहे थे। इस मैच में शुभमन की धीमी बल्लेबाजी पर ही सवाल उठे हैं। इसके बाद भी अभिषेक का मानना है कि किसी को भी चिन्ता की जरुरत नहीं है। अभिषेक ने कहा, मैं ये दोनों विश्व कप में और उससे पहले दूसरी सीरीज में भी मेज विजेता साबित होंगे। मैं उनके साथ इतने लंबे समय से खेल रहा हूं, खासकर शुभमन के साथ, इसलिए मुझे पता है कि वह कहां मैच जिता सकता है, कोई भी हालात हो और टीम कोई भी हो। मुझे उस पर शुरू से ही बहुत भरोसा रहा है और मुझे उम्मीद है कि सब लोग इसे बहुत जल्द देखेंगे और उनको भी भरोसा हो जाएगा।

आईपीएल ऑक्शन-ऑस्ट्रेलिया के ग्रीन 25.20 करोड़ में बिके

केकेआर ने खरीदा, लीग के इतिहास के सबसे महंगे विदेशी; स्टार्क का रिकॉर्ड तोड़ा

अबु धाबी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ी बन गए हैं। उन्हें मंगलवार को अबु धाबी में चल रहे मिनी ऑक्शन में कोलकाता नाइट राइडर्स ने 25.20 करोड़ रुपए में खरीदा।

ग्रीन ने अपने ही देश के मिचेल स्टार्क का रिकॉर्ड तोड़ा। उन्हें 2024 में केकेआर ने ही 24.75 करोड़ रुपए में खरीदा था। पहले सेट में 6 प्लेयर्स ऑक्शन पूल पर लाए गए। इसमें से 2 ही बिके। डेविड मिलर को दिल्ली कैपिटल्स ने 2 करोड़ रुपए में अपने साथ जोड़ा। जेक फ्रेजर-मैकगर्क, डेवोन कॉन्वे, सरफराज खान और पृथ्वी शॉ अनसोल्ड रहे हैं। उन पर किसी ने बोली नहीं लगाई।

ऑक्शन इतिहास के सबसे महंगे प्लेयर ऋषभ पंत हैं। उन्हें पिछले साल मेगा ऑक्शन में लखनऊ सुपर जायंट्स ने 27 करोड़ रुपए में खरीदा था। 10 टीमें 77 खिलाड़ियों को खरीदने के लिए बोली लगा रही है। नीलामी में 350 प्लेयर्स के नाम ऑक्शन पूल पर लाए जाएंगे।

किस टीम का पर्स सबसे बड़ा है?

सबसे कम प्लेयर्स को रिटेन करने वाली केकेआर का पर्स ही सबसे बड़ा है, टीम 64.30 करोड़ रुपए लेकर नीलामी में आएगी। उनके बाद चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के पर्स में 43.40 करोड़ रुपए है। मुंबई इंडियंस के पर्स में सबसे कम 2.75 करोड़ रुपए है। आरसीबी, आरआर, पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटंस के पर्स में 11 से 17 करोड़ रुपए है। वहीं दिल्ली, लखनऊ और सनराईजर्स हैदराबाद के पर्स में 21 से 26 करोड़ रुपए है।

26 मार्च से शुरु होगा आईपीएल 2026 सत्र : बीसीसीआई

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि आईपीएल का 19वां सत्र अगले साल 26 मार्च 2026 से शुरू होगा। वहीं इसका खिताबी मुकाबला 31 मई को होगा। बीसीसीआई ने सभी फ्रेंचाइज़ियों को ये जानकारी दी है। जिसे सभी टीमें आगामी सत्र के लिए बेहतर तरीके से तैयारी कर सकें। इस बार मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) टूर्नामेंट का शुरुआती मैच खेलेगी। ये मैच घरेलू मैदान एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में शायद ही खेला जाये क्योंकि इसकी उपलब्धता अभी पक्की नहीं हुई है। स्टेडियम की अनुमति राज्य सरकार से मिली है पर पिछले सत्र में आरसीबी की जीत के बाद यहां जिस प्रकार भगदड़ मची थी। उसे देखते हुए सुरक्षा मंजूरी के बाद ही यहां मैच खेला जा सकेगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आईपीएल का 19वाँ सीजन पुरुष टी20 विश्व कप के समाप्त होने के लगभग तीन हफ्ते बाद शुरू होगा। विश्व कप 7 फरवरी से 8 मार्च तक भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा। इस कार्यक्रम से आईपीएल करीब दो महीने से ज्यादा चलेगा, जिसमें 10 टीमें हिस्सा लेंगी। हालाँकि पूरे मुकाबलों का कार्यक्रम अभी शेष है पर फाइनल 31 मई को होगा। एक बड़ा मामला यह उभर रहा है कि लगातार दूसरे साल आईपीएल और पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) की तारीखें टकरा रही हैं। पीएसएल 2026 का आयोजन 26 मार्च से 3 मई तक प्रस्तावित है। इस प्रकार दोनों लीग एक साथ चलेंगी। इससे खिलाड़ियों की उपलब्धता पर प्रभाव पड़ सकता है।

अब शुभमन की जगह पर सैमसन को अवसर दें : कैफ

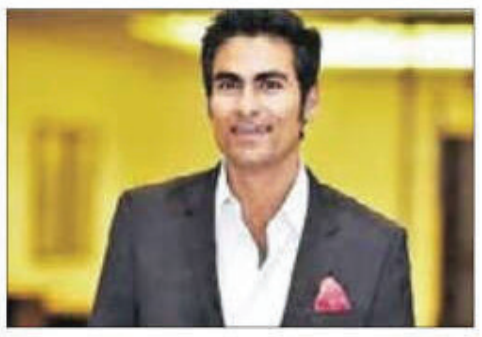

नई दिल्ल। पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले तीन मैचों में असफल रहे बल्लेबाज शुभमन गिल को अब आराम देकर उनकी जगह पर संजू सैमसन को बचे हुए मैचों में रखा जाये। कैफ ने कोच गौतम गंभीर और टीम प्रबंधन से कहा है कि अब सैमसन को पारी की शुरुआत का अवसर दिया जाना चाहिये। शुभमन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के शुरुआती तीन टी20 मैचों में विफल रहे ओर केवल 4, 0 और 28 रन ही बना पाये।

कैफ ने कहा, शुभमन गिल को आरात देते हुए किसी अन्य खिलाड़ी को अवसर दें। वहीं कैफ ने कहा, सैमसन खिलाड़ी योग्य है उसे उनकी जगह पर अवसर मिलना चाहिये। ये उसका अधिकार है। वह सोच रहा होगा कि शुभमन तो एक साल से खेल रहे हैं और मुझे 2-3 खराब पारियों के बाद ही बाहर कर गया। कैफ ने कहा, 'एक या दो खिलाड़ी अंतर पैदा करते हैं जिन्हें अवसरों के संदर्भ में विशेष अवसर दिये जाने चाहिये। शुभमन को देखिए, वह कितनी सारी पारियां पहले ही खेल चुके हैं?' उन्होंने आगे कहा, हम पिछले कुछ समय से इसके बारे में बात कर रहे हैं। अब आपको फैसला लेना होगा, समय आ गया है। भारतीय टीम सीरीज में अभी 2-1 से आगे है। भारतीय टीम को अगले साल से शुरू होने जा रहे टी20 विश्व कप से पहले अभी सात टी20 मैच खेलने हैं।

अभिज्ञान कुंडू के दोहरे शतक से भारतीय अंडर-19 टीम ने मलेशिया को 315 रन से हराया

-दीपेश ने 22 रन देकर पांच विकेट लिए

दुबई (एजेंसी)। अभिज्ञान कुंडू के रिकार्ड दोहरे शतक के बाद दीपेश देवेंद्रन की शानदार गेंदबाजी से भारतीय टीम ने अंडर-19 एशिया कप 2025 के मुकाबले में मलेशिया को 315 रन से हरा दिया। कुंडू ने 209 रन बनाये जबकि दीपेश देवेंद्रन ने 22 रन देकर पांच विकेट लिए। इससे भारतीय टीम ने मलेशिया को हराकर अंडर-19 एकदिवसीय क्रिकेट की सबसे बड़ी जीत हासिल की। भारतीय टीम ने इस मैच में 50 ओवर में 7 विकेट पर 408 रन बनाये। वहीं विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी मलेशियाई टीम भारतीय गेंदबाजी के सामने टिक नहीं पाई और 32.1 ओवर में 93 रन पर ही सिमट गयी।

दीपेश देवेंद्रन ने सात ओवर में 22 रन देकर पांच विकेट लिए। वहीं उधव मोहन ने दो विकेट लिए, जबकि किशन कुमार सिंह, खिलन पटेल और कनिष्क चौहान को एक-एक विकेट लिया।

इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत की शुरुआत साधारण रही, लेकिन इसके बाद कुंडू ने मैच दल दिया। ने जबरदस्त रफ्तार पकड़ी। वेदांत त्रिवेदी और अभिज्ञान कुंडू ने चौथे विकेट के लिए 209 रन की शानदार साझेदारी कर मलेशियाई गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। त्रिवेदी ने 90 रन बनाये जबकि कुंडू ने अंडर-19 का सबसे बड़ा स्कोर बनाया।

17 वर्षीय बाएं हाथ के बल्लेबाज कुंडू ने 125 गेंदों में 17 चौकों और 9 छक्कों की मदद से 209 रन बनाए। उन्होंने सिर्फ 44 गेंदों में अर्धशतक और 80 गेंदों में शतक पूरा किया, जबकि 121 गेंदों में दोहरा शतक लगा दिया।

मोहाली गोलीबारी में घायल कबड्डी राणा बलाचौरिया की मौत

मोहाली। पंजाब के मोहाली शहर में कबड्डी टूर्नामेंट के दौरान हुई गोलीबारी में गंभीर रुप से घायल हुए खिलाड़ी राणा बलाचौरिया की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गयी है। राणा इस टूर्नामेंट के प्रमोटर भी थे। इस घटना से खेल जगत के साथ-साथ पूरे इलाके में शोक और आक्रोश है। मृतक खिलाड़ी की 10 दिन पहले ही में शादी हुई थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सोहाना में कबड्डी का एक बड़ा टूर्नामेंट चल रहा था, इस कारण वहां दर्शकों की भारी भीड़ थी। टूर्नामेंट के आयोजक और प्रमोटर राणा बलाचौरिया भी मैदान के पास मौजूद थे। एक रिपोर्ट के अनुसार इसी दौरान बाइक और कार में सवार होकर आए कुछ बदमाश वहां पहुंचे। ये फोटो खींचने के नाम पर राणा के करीब पहुंचे और पास जाते ही अचानक गोलियां चला दीं। गोलीबारी की आवाज सुनते ही अफरा-तफरी मच गई। गोलियां लगने से गंभीर रूप से घायल हुए राणा को तत्काल ही करीब के अस्पताल पहुंचाया गया पर वह बचाये नहीं जा सके। इस प्रकार दिन दहाड़े हुई गोलीबारी से लोग सकते में हैं। अपराधियों की गोलीबारी से टूर्नामेंट में भगदड़ मच गयी थी। इस टूर्नामेंट में कई बड़ी पंजाबी सिंगरों के आने का भी कार्यक्रम था, लेकिन उनके पहुंचने से पहले ही यह घटना हो गई।, इसके बाद पूरा कार्यक्रम प्रभावित हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरु कर दी। पुलिस ने अपराधियों की तलाश के लिए कई टीमें गठिन कर दी हैं। हत्या के कारणों का अभी तक पता नहीं चला है। पिछले कुछ समय से खेल मुकाबलों में भी हमले के मामले बढ़ते जा रहे हैं।

वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टेस्ट के लिए एजाज पटेल न्यूजीलैंड टीम में शामिल

-ब्लंडेल की भी हुई वापसी, मिच बाहर हुए

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड ने स्पिनर एजाज पटेल को वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे और अंतिम टेस्ट मैच के लिए शामिल किया है। एजाज के अलावा विकेटकीपर बल्लेबाज टॉम ब्लंडेल की भी टीम में वापसी हुई है। एजाज को ब्लेयर टिकनर की जगह शामिल किया गया है। टिकनर कंधे की चोट के कारण टीम से बाहर हैं।

वहीं पहले टेस्ट से बाहर रहे अनुभवी विकेटकीपर टॉम ब्लंडेल को इस मैच में शामिल किया गया है। वह हैमस्ट्रिंग में चोट के कारण पिछले मैच से बाहर थे। इसी कारण दूसरे टेस्ट में मिच विकेटकीपर के तौर पर शामिल किये गये थे। मिच अब फिर से घरेलू क्रिकेट में लौटेंगे और कैंटरबरी की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलेंगे। एजाज नवंबर 2024 में टेस्ट मैच में प्लेयर ऑफ द मैच रहे थे। भारत में खेली टेस्ट सीरीज जीत के एक ही मैच में उन्होंने दस विकेट लेकर कीवी टीम को जीत दिलायी थी। फरवरी 2020 के बाद वह पहली बार घरेलू टेस्ट खेलेंगे।

न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा, एजाज ऐसा खिलाड़ी है, जिस पर हम भरोसा करते हैं। बे ओवल की पिच आमतौर पर न्यूजीलैंड की दूसरी पिचों के मुकाबले ज्यादा टर्न लेती है और जिस तरह से वह गेंद को राइट-हैंडर से दूर घुमाता है, वह बहुत अच्छा है। तीसरे टेस्ट में एक और स्पिनर को शामिल करने से हमारे गेंदबाजी आक्रमण में भी विविधता आएगी, साथ ही हमारे सीमर्स भी हैं जिन्होंने इस सीरीज में अब तक बहुत अच्छा काम किया है। वहीं टीम में कोई और बदलाव नहीं किया गया है। सिर्फ एजाज पटेल और टॉम ब्लंडेल को जोड़ा गया है, जबकि मिच को बाहर कर दिया गया है। न्यूजीलैंड अभी सीरीज में 1-0 से आगे है। पहला टेस्ट रोमांचक ड्रॉ पर खत्म हुआ था। आखिरी टेस्ट 18 दिसंबर से माउंट माउंगानुई के बे ओवल में खेला जाएगा।

न्यूजीलैंड की टेस्ट टीम अब इस प्रकार है

टॉम लैथम (कप्तान), टॉम ब्लंडेल (विकेटकीपर), माइकल ब्रेसवेल, क्रिस्टियन क्लार्क, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, जैक फॉक्स, डेरिल मिशेल, एजाज पटेल, ग्लेन फिलिप्स, माइकल रे, रचिन रवींद्र, केन विलियमसन और विल यंग

विराट-अनुष्का की वृंदावन यात्रा : प्रेमानंद जी महाराज के किए दर्शन, मिली जीवन की बड़ी सीख

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के सबसे बड़े नामों में शुमार विराट कोहली सिर्फ मैदान पर ही नहीं, बल्कि निजी जीवन में भी गहरी सोच और आध्यात्मिक जुड़ाव के लिए जाने जाते हैं। अपनी पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ उनकी हालिया वृंदावन यात्रा ने एक बार फिर यह दिखाया कि सफलता के शिखर पर पहुंचने के बाद भी वे आंतरिक शांति और मार्गदर्शन को कितना महत्व देते हैं। श्री हित राधा केली कुंज आश्रम में प्रेमानंद जी महाराज से हुई यह मुलाकात न सिर्फ आध्यात्मिक रही, बल्कि जीवन, सेवा और कर्म को देखने के नजरिए पर भी केंद्रित थी।

वृंदावन में तीसरी बार पहुंचे कोहली और अनुष्का

विराट कोहली और अनुष्का शर्मा का वृंदावन से खास जुड़ाव रहा है। यह जोड़ा नियमित रूप से यहां आता रहा है और साल 2025 में यह उनकी तीसरी यात्रा मानी जा रही है। इससे पहले जनवरी में वे अपने बच्चों के साथ आश्रम पहुंचे थे, जबकि मई में उन्होंने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा के ठीक एक दिन बाद वृंदावन का रुख किया था। हर बार की तरह इस बार भी दोनों ने सादगी और श्रद्धा के साथ समय बिताया।

प्रेमानंद जी महाराज की सीख– सेवा और विनम्रताआश्रम में हुई बातचीत के दौरान प्रेमानंद जी महाराज ने जीवन को सेवा के रूप में देखने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अपने काम को केवल पेशा नहीं, बल्कि सेवा समझना चाहिए। साथ ही, गंभीरता, विनम्रता और ईश्वर के नाम का स्मरण जीवन को संतुलित बनाता है। महाराज जी ने यह भी समझाया कि ईश्वर के दर्शन की गहरी चाह मन में होनी चाहिए, वही इंसान को सांसारिक मोह से ऊपर उठाती है।

भावुक अनुष्का, सहमति में विराट

इस आध्यात्मिक संवाद के दौरान अनुष्का शर्मा काफी भावुक नजर आईं और पूरे ध्यान से महाराज जी की बातें सुनती रहीं। विराट कोहली भी हर सीख पर सहमति जताते दिखे। महाराज जी ने आगे कहा कि जब इंसान यह मान ले कि संसार के सुख उसे मिल चुके हैं और अब केवल ईश्वर की इच्छा शेष है, तब सच्चा आनंद उनके चरणों में मिलता है। इस पर अनुष्का ने विनम्रता से कहा, ÷हम आपके हैं, महाराज जी,÷ जिसके जवाब में उन्होंने सभी को ईश्वर का संतान बताया।

आध्यात्म के साथ मैदान पर भी फोकस

टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद विराट कोहली फिलहाल वनडे क्रिकेट में सक्रिय हैं और उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरुआती असफलताओं के बाद उन्होंने नाबाद 74 रन की अहम पारी खेली और टीम को आसान जीत दिलाई। इसके बाद लगातार दो वनडे शतक और तीसरे मैच में नाबाद 65 रन बनाकर उन्होंने सीरीज जीत में अहम भूमिका निभाई।

विराट कोहली का नया संतुलन

विराट कोहली की यह यात्रा साफ दिखाती है कि वे अब क्रिकेट और आध्यात्म के बीच संतुलन बनाकर चल रहे हैं। मैदान पर आक्रामकता और आश्रम में शांति यही संतुलन शायद उनके करियर के इस नए अध्याय की सबसे बड़ी ताकत है।

श्रीलंकाई टीम के पूर्व कप्तान अर्जुन रणतुंगा की गिरफ्तारी के आदेश जारी हुए

मंत्री रहते सरकारी तेल कंपनी को पहुंचाया नुकसान

कोलंबो। विश्वकप विजेता श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और पेट्रोलियम संसाधन विकास मंत्री रहे अर्जुन रणतुंगा की गिरफ्तारी के आदेश जारी हुए हैं। यहां की एक अदालत ने खेल से राजनीति में आये रणतुंगा का नाम भ्रष्टाचार के मामले में आने के कारण ये आदेश दिये हैं। इसी कारण उनके विदेश जाने पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है। रणतुंगा पर सरकारी तेल कंपनी को भारी आर्थिक नुकसान पहुंचाने के आरोप हैं। वहीं रिश्वत और भ्रष्टाचार रोधी जांच एजेंसी ने कहा है कि रणतुंगा को गिरफ्तार कर पेश करने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। श्रीलंका की भ्रष्टाचार या रिश्वत के आरोपों की जांच करने वाले आयोग (सीआईएबोक) ने मुख्य मजिस्ट्रेट न्यायालय को बताया कि रणतुंगा के मंत्री रहते सीलोन पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (सीपीसी) में ईंधन खरीद से जुड़े फैसलों के कारण लगभग 800 मिलियन श्रीलंकाई रुपये का कथित नुकसान हुआ। यह नुकसान इसीलिए क्योंकि दीर्घकालिक ईंधन टेंडर रद्द कर महंगे दामों पर स्पॉट टेंडर लागू किए गए। आयोग की ओर से पेश हुईं सहायक निदेशक (कानूनी) अनुषा सम्मंथप्पेरुमा ने अदालत को बताया कि वर्ष 2017-2018 के लिए प्रस्तावित तीन दीर्घकालिक ईंधन आपूर्ति टेंडर रद्द किए गए थे। इसके बाद लिए गए फैसलों के कारण निगम को गंभीर आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। इसी आधार पर सीपीसी के पूर्व चेयरमैन धम्मिका रणतुंगा को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया है।

एक्ट्रेस निवेथा पेथुराज ने सगाई बाद तोड़ी शादी?

तस्वीरें डिलीट, मंगेतर को भी किया अनफॉलो!

साउथ फिल्मों की एक्ट्रेस निवेथा पेथुराज को लेकर एक खबर आई है, जो चौंकाने वाली है। कहा जा रहा है कि एक्ट्रेस ने सगाई के तीन महीने बाद ही रिश्ता खत्म कर दिया है। उन्होंने अपनी सगाई और शादी तोड़ दी है। निवेथा पेथुराज करीब दो साल से फिल्मी पर्दे से दूर थीं, और नवंबर में ही उन्होंने सोशल मीडिया पर वापसी करते हुए सगाई का ऐलान किया था। आखिर ऐसा क्या हुआ है जो निवेथा पेथुराज की सगाई और शादी टूटने की खबरें आने लगी हैं?

दरअसल, निवेथा पेथुराज ने अपनी सगाई की तस्वीरें हटा दी हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी एक भी तस्वीर नहीं है। द हंस इंडिया के मुताबिक, यह भी कहा जा रहा है कि निवेथा और उनके मंगेतर रजित ने एक-दूसरे को अनफॉलो भी कर दिया है। तस्वीरें भी डिलीट कर दी हैं। हालांकि, अभी यह क्लियर नहीं है कि वाकई दोनों ने तस्वीरें डिलीट की हैं या फिर कोई टेक्निकल ग्लिच है।

पलाश और स्मृति मंधाना की टूटी सगाई से हो रही तुलना?

इस रिपोर्ट में कहा गया है कि निवेथा के फैंस अब उनकी टूटी सगाई की खबरों की क्रिकेटर स्मृति मंधाना और पलाश मुच्छल की टूटी सगाई और शादी से तुलना कर रहे हैं। स्मृति और पलाश ने भी अपनी सगाई की तस्वीरें डिलीट कर दी थीं और बाद में कन्फर्म किया था कि उनकी शादी टूट गई है। हालांकि, निवेथा ने अभी तक इस मामले पर पूरी तरह चुप्पी साध रखी है और कोई बयान नहीं दिया है। इस बीच, फैंस सोच रहे हैं कि क्या वह जल्द ही फिल्मों में वापसी करेंगी या निजी कारणों से फिर से ब्रेक लेंगी। फिलहाल तो निवेथा के जवाब का इंतजार है।

निवेथा पेथुराज का करियर

निवेथा पेथुराज के करियर की बात करें, तो उन्होंने साल 2016 में तमिल एक्टर वीआर दिनेश स्टारर ओरु नाल कूथु से अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने तेलुगू सिनेमा में एंट्री की और जयम रवि से लेकर विजय सेतुपति और प्रभु देवा तक के साथ काम किया।

धुरंधर और किस किसको प्यार करूं 2 में काम करने पर बोलीं आयशा खान

आयशा खान एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में लगातार अपनी जगह बना रही हैं। 2025 उनके लिए काफी अच्छा रहा है। आयशा सबसे पहले बिग बॉस 17 में वाइल्डकार्ड एंट्री के तौर पर सुर्खियों में आई थीं। तब से उन्होंने टेलीविजन, रीजनल सिनेमा, रियलिटी शो और म्यूजिक वीडियो में अपने काम का दायरा बढ़ाया है। धुरंधर और किस किसको प्यार करूं 2 में अपनी हालिया अपीयरेंस के साथ, उन्होंने मेनस्ट्रीम हिंदी सिनेमा में कदम रखा है।

धुरंधर और किस किसको प्यार करूं 2 में नजर आईं आयशा

बालवीर रिटर्न्स, तेलुगु फिल्म प्रोजेक्ट्स और टीवी शो दिल को रफू कर ले में अपनी अदाकारी के लिए तारीफ बटोर चुकीं आयशा ने हाल ही में धुरंधर में एक स्पेशल डांस परफॉर्मेंस से सबका ध्यान खींचा है। गाने में आयशा की स्क्रीन प्रेजेंस की भी तारीफ हो रही है। किस किसको प्यार करूं 2 की कास्ट में भी वह शामिल हैं। इसमें उन्होंने कपिल शर्मा के साथ स्क्रीन शेयर की है।

चीजें धीरे-धीरे पूरी हो रही हैं

टीवी से लेकर फिल्मों तक के सफर के बारे में बात करते हुए आयशा कहती हैं पिछले कुछ हफ्ते मेरे लिए बहुत खास रहे हैं। धुरंधर और किस किसको प्यार करूं 2 का हिस्सा बनकर ऐसा लग रहा है जैसे मैंने जिस चीज के लिए मेहनत की थी, वह धीरे-धीरे पूरी हो रही है। इसने इस बात को पक्का कर दिया है कि मुझे सेट पर रहना और अपना काम करना पसंद है।

आयशा ने की आदित्य धर की तारीफ

वह आगे कहती हैं, आदित्य सर के साथ काम करना सीखने का बहुत अच्छा अनुभव था। उनका तरीका मुझे ज्यादा जागरूक और प्रेरित करने वाला लगा। विजय गांगुली सर (मशहूर कोरियोग्राफर) ने मेरे सफर को आरामदायक बनाया और हर कदम पर मुझे गाइड किया। मैं उन सभी की शुक्रगुजार हूं जिन्होंने मुझ पर भरोसा किया।

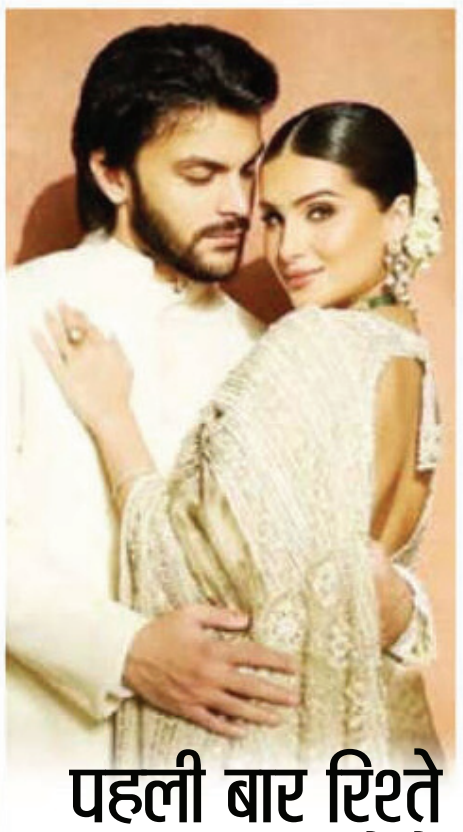

पहली बार रिश्ते पर खुलकर बोले वीर पहाड़िया और तारा सुतारिया

अभिनेत्री तारा सुतारिया और वीर पहाड़िया पिछले काफी समय से एक दूसरे के साथ रिलेशनशिप को लेकर सुर्खियों में हैं। सोशल मीडिया पर साथ बिताए पलों की झलक और तारा के फैशन इवेंट्स में वीर की मौजूदगी ने पहले ही कयासों को हवा दे दी थी, लेकिन दिवाली पर दोनों के फोटोशूट ने काफी हद तक रिश्ते पर मुहर लगा दी। अब तारा और वीर ने पहली बार किसी इंटरव्यू में खुलकर एक दूसरे के साथ रिलेशनशिप पर खुलकर बात की है।

दोनों ने हाल ही में एक इंटरव्यू में अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए बताया कि उनका रिश्ता पहले दिन से ही ईमानदारी से शुरू हुआ है। वीर के मुताबिक, पहली ही डेट से दोनों ने अपने जज्बातों को छुपाने की कोशिश नहीं की और जहां भी रहे, जैसे थे वैसे ही रहे।

पहली डेट का जिक्र करते हुए वीर ने एक बेहद खास पल साझा किया। उन्होंने बताया कि वो शाम उनके लिए यादगार बन गई जब उन्होंने पियानो बजाया और तारा ने गाना गाया। साथ बिताया गया वह समय उनके लिए रिश्ते की पहली मजबूत नींव साबित हुआ। वहीं तारा का मानना है कि किसी एक पल ने नहीं, बल्कि वक्त के साथ एक-दूसरे का साथ निभाने ने उनके रिश्ते को खास बनाया। उनके शब्दों में, मुश्किल और अच्छे दोनों दौर में साथ खड़े रहना ही उनके कनेक्शन की असली पहचान है।

दोनों का वर्कफ्रंट

काम की बात करें तो वीर इस साल की शुरुआत में फिल्म स्काईफोर्स में नजर आए थे। वहीं तारा पिछले काफी समय से पर्दे से दूर हैं। उनकी आखिरी फिल्म साल 2023 में आई अपूर्वा थी, जो कि ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई थी।

आदित्य धर बेहद टैलेंटेड, काबिल और दिल के सच्चे नेक इंसान हैं

फिल्म 'धुरंधर' की एक्ट्रेस सारा अर्जुन ने अपनी फिल्म के डायरेक्टर आदित्य धर के लिए सोशल मीडिया पर एक खास पोस्ट शेयर किया है। इसके साथ ही सारा ने आदित्य को असली धुरंधर बताया है।

सारा अर्जुन ने इंस्टाग्राम पर आदित्य के साथ अपनी एक फोटो शेयर की और लिखा कि आदित्य ने उनकी पहली बड़ी हिंदी फिल्म में उनका पूरा साथ दिया और उन्हें सबसे अनमोल तोहफा दिया। सारा ने उन्हें सोने जैसा दिल और भरोसा करने का हिम्मती इंसान बताया और कहा कि वे सचमुच धुरंधर हैं। उन्होंने लिखा कि आदित्य बेहद टैलेंटेड हैं, लेकिन घमंड बिल्कुल नहीं करते और बहुत काबिल हैं और दिल के सच्चे और नेक इंसान हैं। सारा ने बताया कि आदित्य ने सेट पर इतना प्यारा और सुरक्षित माहौल बनाया कि वे बेझिझक बड़े-बड़े सपने देख सकीं। उन्होंने कभी आवाज नहीं चढ़ाई, हमेशा शांत रहकर सबको जोड़े रखा। सारा ने लिखा, आप तूफान से पहले की खामोशी नहीं, आप वो खामोशी हैं जिसने तूफान पैदा किया।

खुद को लकी मानती हैं सारा

सारा ने यह भी बताया कि आदित्य ने उन्हें कभी छोटा महसूस नहीं होने दिया। हमेशा ऐसा लगा जैसे वे पूरी तरह सक्षम हैं। उन्होंने सारा को अपनी महत्वाकांक्षाओं को बड़ा करने और अपनी अंतरात्मा पर भरोसा करने की हिम्मत दी। सारा ने लिखा कि वे खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हैं कि उन्हें इतने अच्छे इंसान का साथ और मार्गदर्शन मिला। यह पहली फिल्म उनके लिए सिर्फ यादगार नहीं, बल्कि जिंदगी बदल देने वाला अनुभव बन गई।

आदित्य धर का जवाब

सारा की पोस्ट पर आदित्य धर ने जवाब देते हुए लिखा, वाह सारा, तुम्हारा यह मैसेज पढ़कर मैं बहुत इमोशनल हो गया। मुझ पर आंख बंद करके भरोसा करने और धुरंधर को अपना सबकुछ देने के लिए शुक्रिया। पार्ट-2 में दुनिया तुम्हारी असली प्रतिभा देखेगी, इसका बेसब्री से इंतजार है। तुममें इस इंडस्ट्री की सबसे बेहतरीन एक्ट्रेस में से एक बनने की पूरी काबिलियत है।

किस किसको प्यार करूं 2 से पारुल गुलाटी का बॉलीवुड डेब्यू

कॉमेडी किंग कपिल शर्मा की फिल्म किस किसको प्यार करूं 2 शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म में कपिल के साथ आयशा खान, पारुल गुलाटी, त्रिधा चौधरी, हीरा वरीना और मनजोत सिंह भी हैं। फिल्म रिलीज होने पर पारुल गुलाटी ने अपनी खुशी जाहिर की।

अभिनेत्री का कहना है कि यह फिल्म उनके लिए खास है। उनकी पहली फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक इमोशनल वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने अपने 15 साल के लंबे सफर की कहानी सुनाई। पारुल ने बताया कि उनकी मां हमेशा हौसला देती थी और कहती थीं कि तेरी किस्मत का कोई नहीं छीन सकता। अगर ऊपर वाले की मेहर होगी, तो तुझे वो भी मिल जाएगा, जो तेरी नहीं है। पारुल ने अपने सफर को याद करते हुए कहा, मैंने अपने करियर की शुरुआत टेलीविजन से की थी। उसके बाद वेब सीरीज की, पंजाबी फिल्में भी की, लेकिन वो भी ज्यादा नहीं चली। फिर मैंने जाकर बिजनेस शुरू किया। कई बार लगा शायद एक्टिंग मेरे लिए नहीं है, लेकिन इस बीच मुझे कभी एक्टिंग छोड़ने का ख्याल नहीं आया, क्योंकि एक्टिंग मेरे लिए एक शादी की तरह है और बिजनेस मेरा बच्चा है।

अभिनेत्री ने बताया कि जब-जब उन्हें रिजेक्शन मिलते थे, तो उनके मन में सवाल उठता था कि कहीं मेरे में तो कमी नहीं है। लेकिन, मां समझाती थीं, निशु, तुम्हारे लिए इससे बेहतर कुछ लिखा है।

...तो मैं आज इस मुकाम पर नहीं पहुंच पाती

प्रियंका चोपड़ा ने अपने करियर के शुरुआत वाला दौर याद किया। प्रियंका अब कपिल शर्मा शो में नजर आनेवाली हैं। उन्होंने हाल ही में एक समिट में अपी कहानी सुनाते हुए कहा- लोगों को लगा कि मेरा समय खराब चल रहा है। उन्होंने कहा, ऐसा नहीं था कि मुझे अवसर दिए गए बल्कि अवसर मुझसे छीन लिए गए। इसलिए मुझे अपना रास्ता बदलना पड़ा। एक साल ऐसा भी था जब मेरी छह फिल्में लगातार फ्लॉप हो गईं।

प्रियंका चोपड़ा बैक टु बैक फ्लॉप

प्रियंका चोपड़ा ने साउथ और बॉलीवुड फिल्मों से अपनी शुरुआत की लेकिन आज वो हॉलीवुड की दुनिया में बड़ा नाम हैं। प्रियंका चोपड़ा जल्द ही कपिल शर्मा के शो पर नजर आनेवाली हैं। इस शो पर वो एसएस राजामौली की फिल्म वाराणसी का प्रमोशन करेगी, जिसके लिए वो मुंबई लौटी हैं। इस बीच हाल ही में उन्होंने अबू धाबी में आयोजित ब्रिज समिट में भाग लिया, जहां उन्होंने बताया कि अपने करियर के शुरुआती दौर में लगातार फ्लॉप फिल्में देने के बाद कैसे उनसे मौके छीन लिए गए।

जब मेरी लगातार छह फिल्में फ्लॉप हो गईं

प्रियंका ने कहा कि जब उन्होंने 25 साल पहले फिल्मों में काम करना शुरू किया था, तब उनको गाइड करने वाला कोई नहीं था। उन्होंने कहा, जब मैंने मुंबई में कदम रखा तो मेरी राह आसान नहीं थी। मुझे यहां टिके रहने के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ी, लेकिन मेरा स्वभाव ऐसा है कि मैं जो भी काम अपने हाथों में लेती हूं, उसमें अपना 100 प्रतिशत देती हूं, वरना मैं उसे कभी पूरा नहीं कर पाऊंगी। एक समय ऐसा भी आया, जब मेरी लगातार छह फिल्में फ्लॉप हो गईं और मुझे एहसास हुआ कि मुझे कुछ अलग करना होगा।

लोगों को लगा कि मेरा समय खराब चल रहा है

प्रियंका ने कहा, इसके बाद मुझे फिल्म फैशन में काम करने का ऑफर मिला, जिसमें दो लीड हीरोइनें थीं। लोगों को लगा कि मेरा समय खराब चल रहा है, तभी मैं एक वुमन बेस्ड फिल्म कर रही हूं, लेकिन बाकी सब इतिहास बन गया क्योंकि मैंने उसमें अपना बेस्ट दिया। इसी तरह, जब मैंने हॉलीवुड के बारे में सोचा तो मैंने अपना बेस्ट दिया। 'मिस वर्ल्ड' रह चुकीं प्रियंका ने कहा कि ऐसा नहीं है कि अवसर खुद-बखुद चलकर उनके दरवाजे पर आए, बल्कि कई मौकों पर अच्छे अवसर उनसे छीन लिए गए। प्रियंका ने कहा, मुझे खुद के लिए मौके बनाने पड़े। मुझे लीक से हटकर फिल्में और रोल हासिल करने के लिए लगातार स्ट्रगल करना पड़ा। फिल्म इंडस्ट्री में शायद हर महिला की यही कहानी है। उन्होंने कहा, ऐसा नहीं था कि मुझे अवसर दिए गए बल्कि अवसर मुझसे छीन लिए गए। इसलिए मुझे अपना रास्ता बदलना पड़ा। एक वक्त ऐसा भी था जब मेरी छह फिल्में लगातार फ्लॉप हो गईं। तब ऐसा लग रहा था जैसे- हे भगवान, हमें प्रियंका को फिल्म में नहीं लेना चाहिए क्योंकि फिल्म अच्छा परफॉर्म नहीं करेगी। इसलिए, खोने के डर से, मुझे अपने कम्फर्टवाले काम को छोड़कर कुछ नया करने की कोशिश करनी पड़ी। मुझे अवसर खुद बनाने पड़े। मेरे ये बदलाव कभी मेरी पसंद से नहीं थे बल्कि ये अस्तित्व के लिए बहुत ज़रूरी थे।

प्रियंका कहती हैं, मैंने करियर के लिए बहुत त्याग किया, परिवार के साथ समय बिताने और त्योहार मनाने का मौका गंवाया। लेकिन हर चीज का एक समय होता है। उस समय मुझे काम पर ध्यान देने और त्याग करने की जरूरत थी। अगर मैंने ऐसा नहीं किया होता तो मैं आज इस मुकाम पर नहीं पहुंच पाती, जहां मैं फिल्में ठुकराने का फैसला ले सकती हूं। मैं इसका श्रेय शुरुआती दौर में की गई कड़ी मेहनत और त्याग को देती हूं।

बॉर्न हंग्री जैसी और खूबसूरत कहानियों पर काम करना चाहती हैं

प्रियंका ने आगे कहा कि वे ऐसे प्रोजेक्ट्स में काम करना चाहती हैं जिनके किरदार या फिल्म संस्कृति से जुड़े हों और लोगों को उनसे प्रेरणा मिले। अपनी खुद की फिल्म प्रोडक्शन कंपनी पर्पल पेबल पिक्चर्स पर बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि वे बॉर्न हंग्री जैसी और खूबसूरत कहानियों पर काम करना चाहती हैं। एक्ट्रेस निर्देशक बैरी एवरिच के साथ मिलकर और प्रोजेक्ट्स भी करना चाहती हैं। वे उनके काम करने के तरीके से बहुत प्रभावित हैं। बता दें कि बॉर्न हंग्री डॉक्यूमेंट्री एक्ट्रेस के पर्पल पेबल पिक्चर्स के बैनर तले बनी है। डॉक्यूमेंट्री बीते साल 2024 में रिलीज हुई थी और डॉक्यूमेंट्री को ग्लोबल लेवल पर अच्छा रिस्पांस मिला था।

संक्षिप्त समाचार

हत्या मामला : मुकदमे का सामना कराने के लिए पेरू से अमेरिका लाया गया व्यक्ति

लॉस एंजिलिस , एजेंसी। दक्षिण कैलिफोर्निया के जंगल में अपनी पत्नी की हत्या करने और उसका शव फेंकने के आरोप में मुकदमे का सामना करने के लिए एक व्यक्ति को पेरू से अमेरिका लाया गया। लॉस एंजिलिस के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। लॉस एंजिलिस काउंटी शेरिफ विभाग ने कहा, जोसिमार कैब्रेरा (36 वर्षीय) शुक्रवार रात लॉस एंजेलिस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचा। उसे अगस्त के अंत से पेरू में हिरासत में रखा गया था। जिला अटॉर्नी कार्यालय ने उनके खिलाफ हत्या का मामला दायर किया है। रविवार तक यह पता नहीं था कि उसके पास वकील है या नहीं। शेयला कैब्रेरा (33 वर्षीय) का शव 16 अगस्त को लॉस एंजिलिस काउंटी के लैंकेस्टर शहर के दक्षिण में एंजल्स नेशनल फॉरेस्ट के एक ढलान के नीचे पाया गया।

नेपाल में भारतीय राजदूत के स्वास्थ्य में सुधार

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव को स्टेंट डाला गया है। उनकी स्थिति में सुधार हो रहा है। राजदूत को शुक्रवार को चंपादेवी पहाड़ी पर हाइकिंग के दौरान दिल का दौरा पड़ा था। उन्हें नेपाली सेना के हेलिकॉप्टर से ग्रांडी अस्पताल लाया गया। जांच में हृदय की बाई धमनी में ब्लॉकेज मिलने पर स्टेंट डाला गया।

अटॉर्नी जनरल को हटाने के फैसले पर सुप्रीम रोक

येरूशलम, एजेंसी। इस्राइल के सुप्रीम कोर्ट ने रविवार को सरकार के अटॉर्नी जनरल गाली बहारव-मियारा को पद से हटाने के फैसले को पलट दिया और कहा कि वह अपने पद पर बनी रहेंगी। न्यायालय ने सरकार के इस प्रयास में प्रक्रियात्मक दोषों और कानूनी आधार की कमी के कारण उसकी आलोचना की। सात न्यायाधीशों की पीठ ने जोर दिया कि कानून का शासन सभी पर लागू होता है और कहा कि सरकार के इस आचरण के कारण हुई बड़ी असुविधा हुई है। न्यायालय ने कहा कि अगस्त में बिना उचित परामर्श और कानूनी आधार के बहारव-मियारा को हटाने का फैसला जल्दबाजी में लिया गया था।

बीजिंग में तबला वादक जाकिर हुसैन को दी संगीतमय श्रद्धांजलि

बीजिंग , एजेंसी। चीन के बीजिंग में भारतीय दूतावास ने महान तबला वादक उस्ताद जाकिर हुसैन की याद में संगीत कार्यक्रम स्मरण का आयोजन किया। इसे विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र के सम्मानित कलाकार और तबला शिक्षक बिवाकर चौधरी ने तैयार किया।?दूतावास ने शनिवार को पोस्ट में कहा कि कार्यक्रम में हर ताल उस महान कलाकार को श्रद्धांजलि थी, जिनकी कलात्मकता ने सरहदों को पार करके लाखों लोगों के दिलों को छुआ था।

चिली : राष्ट्रपति चुनाव में वाम उम्मीदवार ने हार मानी, कास्ट विजयी

सैंटियागो, एजेंसी। चिली की सत्तारूढ़ वाम गठबंधन की उम्मीदवार जेनेट जारा ने रविवार को राष्ट्रपति चुनाव में हार स्वीकार कर ली है। शुरुआती नतीजों में अति-दक्षिणपंथी जोस एंटोनियो कास्ट को मजबूत बढ़त मिलती दिखाई दी। मतदाताओं ने बढ़ते अपराध और अप्रवासन के डर के बीच बदलाव के पक्ष में मतदान किया। 83 फीसदी मतों की गणना हो चुकी है। कास्ट ने 58 फीसदी और जारा ने 41 फीसदी वोट हासिल किए। जारा ने सोशल मीडिया पर कास्ट को चुनावी जीत पर बधाई दी और समर्थकों से वादा किया कि वह देश के बेहतर भविष्य के लिए काम करती रहेंगी।

30 वर्षीय युवक के सिर पर सवार हुई सनक, दो लोगों को चाकू मारा ; फुकुओका शहर में पुलिस ने दबोचा

टोक्यो, एजेंसी। जापानी पुलिस ने सोमवार को फुकुओका शहर में ।ग्रअ48 के एंटरटेनमेंट कॉम्प्लेक्स में हुई छुरी मारने की घटना के संदिग्ध को गिरफ्तार किया। इस हमले में दो लोग घायल हुए हैं। हालांकि अब उनकी हालत ठीक है। पुलिस ने बताया कि 30 वर्षीय संदिग्ध ने रविवार को 44 वर्षीय पुरुष को छाती में छुरी मारी। घायल पुरुष ।ग्रअ48 थिएटर में काम करते थे। मीडिया रिपोर्टस के अनुसार, जब उन्होंने संदिग्ध को अनधिकृत क्षेत्र में देखा और उसे बाहर जाने के लिए कहा, तो यह हमला हुआ। सनकी युवक ने महिला को भी मारी छुरी इतना ही नहीं संदिग्ध ने 27 वर्षीय महिला को भी एक लिफ्ट हॉल में पीठ पर छुरी मारकर घायल किया और फिर वहां से फरार हो गया। पुलिस इस मामले की हत्या के प्रयास के रूप में जांच कर रही है, लेकिन उन्होंने संदिग्ध के मोटिव के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं दी।

सिडनी में अधेड़ पिता और 24 वर्षीय बेटे के सिर पर खून सवार हुआ, 50+ यहूदी घरों में मातम..

सिडनी, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया में यहूदी समुदाय के खिलाफ हमले की आशंका पहले से ही थी। गाजा में इस्राइल की कार्रवाई के बाद यहूदी समुदाय के खिलाफ घटनाओं में वृद्धि देखी गई थी। इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने यहूदी विरोधी भावना के बारे में ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंटोनी अल्बनीज को चेताया भी था। सिडनी हमले से यह आशंका सच साबित हुई। आतंकी हमले के बाद समुद्र तट पर अफरा-तफरी मच गई। उत्सव मनाने के लिए जुटे लोगों को जहां-तहां भागकर जान बचानी पड़ी। नेतन्याहू ने रविवार को कहा कि उन्होंने अपने ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष को चेतावनी दी थी कि देश की नीतियां यहूदी-विरोधी भावना को बढ़ावा देती हैं। उन्होंने गोलीबारी को क्रूर हत्या बताया और कहा कि जब नेता चुप रहते हैं तो यहूदी-विरोधी भावना फैलती है। उन्होंने कहा, आपको कमजोरी की जगह कार्रवाई करनी होगी। दरअसल, ऑस्ट्रेलिया में यहूदी विरोधी यह कोई पहले घटना नहीं है। यहूदियों के खिलाफ आक्रामकता की शुरुआत अक्तूबर 2023 में ही हो गई थी, हमास ने इस्राइल पर हमला किया था, जिसमें 1,200 से अधिक लोग मारे गए थे। इसके कुछ ही दिनों बाद सिडनी में एक यहूदी बेकरी के सामने लाल रंग का उल्टा त्रिकोण स्प्रे से बनाया गया। हमास के खिलाफ इस्राइल ने जबावी सैन्य कार्रवाई शुरू की तो यहूदी विरोधी घटनाओं में और तेजी आई। उसके बाद फिर यह सिलसिला चलता रहा। यहूदियों से जुड़े स्थलों पर हमले किए गए, दीवारों पर आपत्तिजनक नारे लिखे गए। इन घटनाओं के बाद से यहूदी माता पिता अपने बच्चों को डे केयर भेजने से डरने लगे थे। कई यहूदी स्कूलों ने अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था की है। हालात को देखते हुए ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने पिछले वर्ष यहूदी विरोध से निपटने के लिए अपना पहला विशेष दूत नियुक्त किया था। ऑस्ट्रेलिया की कुल 2.70 करोड़ आबादी में करीब 1.50 लाख यहूदी समुदाय के लोग हैं। यह समुदाय संख्या में छोटा है, लेकिन समाज में गहराई से जुड़ा हुआ है. अनुमान के मुताबिक, इनमें से करीब एक तिहाई लोग सिडनी के पूर्वी उपनगरों में रहते हैं, जिनमें बोंडाई क्षेत्र भी शामिल है। रविवार को हुए हमले के पास मौजूद एक व्यक्ति ने कहा कि यहूदी होना पिछले कुछ वर्षों में बेहद चुनौतीपूर्ण हो गया है। शायद एक दिन उन्हें इस्राइल जाना पड़े। इस्राइल यहूदियों के लिए अब वही दुनिया में एकमात्र सुरक्षित जगह नजर आने लगी है। ऑस्ट्रेलियाई तट पर यहूदियों पर हमला करने वाले एक आतंकी की पहचान नवीद अकरम के रूप में हुई है। सोशल मीडिया रिपोर्टों के अनुसार 24 अकरम मूल रूप से पाकिस्तान के लाहौर का रहने वाला है। वह सिडनी के अल-मुराद इंस्टीट्यूट में छात्र रहा है। उसका ड्राइविंग लाइसेंस ऑनलाइन प्रसारित हो रही है, जिसके फोटो में वह पाकिस्तान क्रिकेट जर्सी पहने नजर आता है। पुलिस ने उसके घर पर छापा मारा। अकरम वही आतंकी है, जिसके हथियार को एक व्यक्ति ने छीन लिया था। इसका वीडियो भी वायरल हो रहा है। हालांकि, पुलिस ने यह नहीं बताया है कि क्या अकरम को पकड़ लिया गया है।

बोंडी समुद्र तट पर यहूदी त्योहार मना रहे लोगों पर दो आतंकवादियों की तरफ से की गई गोलीबारी में 16 लोगों की मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों समेत 40 लोग घायल हुए हैं। ऑस्ट्रेलियाई सरकार इसे आतंकी हमला करार दिया है। न्यू साउथ वेल्स प्रांत के पुलिस आयुक्त माल मैन्योल ने कहा कि यह लक्षित घटना है और इसमें इस्तेमाल किए गए हथियारों के कारण इस नरसंहार को आतंकवादी हमला घोषित किया गया। पुलिस ने बताया कि यह हमला भारतीय समय के अनुसार दोपहर 2:17 बजे (ऑस्ट्रेलियाई समय शाम 7:47 बजे) हुआ। पुलिस ने बताया कि घटनास्थल के आसपास के इलाके में मिली कई संदिग्ध वस्तुओं की जांच विशेषज्ञ अधिकारी कर रहे हैं, जिनमें संदिग्धों की एक कार में मिला एक देसी बम भी शामिल है।

वेनेजुएला के पास आसमान में बड़ा हादसा टला

कैरेकस, एजेंसी। कैरेबियाई देश कुराकाओ से न्यूयॉर्क जा रही जेटब्लू की एक उड़ान शुक्रवार को बड़े हवाई हादसे से बाल-बाल बच गई। पायलट को अमेरिकी वायुसेना के एक ईंधन भरने वाले टैंकर विमान से टकराव से बचने के लिए उड़ान की चढ़ान रोकनी पड़ी। पायलट ने सैन्य विमान पर सीधे उड़ान मार्ग में आने और ट्रांसपोंडर बंद रखने का आरोप लगाया। यह घटना वेनिजुएला के पास अंतरराष्ट्रीय हवाई क्षेत्र में हुई। पायलट और एयर ट्रैफिक कंट्रोल के बीच रिकॉर्ड हुई बातचीत में पायलट ने कहा कि हम लगभग हवा में टकरा ही गए थे। वे सीधे हमारे रास्ते में आए। उनका ट्रांसपोंडर चालू नहीं था, यह हैरान करने वाला है। यह घटना जेटब्लू फ्लाइट 1112 के साथ हुई, जो कुराकाओ से न्यूयॉर्क के जेएफके हवाई अड्डे की ओर जा रही थी। पायलट के मुताबिक, अमेरिकी वायुसेना का टैंकर विमान उसी ऊंचाई पर था और महज 2 से 5 मील की दूरी से सामने से गुजरा। टकराव टालने के लिए विमान की चढ़ान रोकनी पड़ी। पायलट ने बताया कि इसके बाद सैन्य विमान वेनिजुएला के हवाई क्षेत्र की ओर बढ़ गया। जेटब्लू के प्रवक्ता डेरेक डोंब्रोव्स्की ने कहा कि घटना की सूचना संघीय अधिकारियों को दे दी गई है और किसी भी जांच में कंपनी सहयोग करेगी। पेंटागन ने टिप्पणी के लिए वायुसेना का हवाला दिया, लेकिन तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई।

प्यूर्टो रिको की गवर्नर ने विवादित विधेयक पर किए हस्ताक्षर : प्यूर्टो रिको, एजेंसी। प्यूर्टो रिको की गवर्नर जेनिफर गोंजालेज ने रविवार को एक विवादित विधेयक पर हस्ताक्षर किए। आलोचक का कहना है कि यह लोकतंत्र के लिए खतरनाक है और सार्वजनिक जानकारी तक पहुंच को मुश्किल बना देगा। प्यूर्टो रिको लंबे समय से सरकारी पारदर्शिता की कमी के लिए जाना जाता रहा है।

गोंजालेज ने कहा कि यह विधेयक मौजूदा कानून में संशोधन करता है, ताकि नियम अधिक स्पष्ट हों, भ्रम कम हो और मुकदमों की संख्या कम हो। उन्होंने यह भी कहा कि इसमें नियमों का पालन न करने पर दंड तय किया गया है। कई मीडिया संगठन और नागरिक अधिकार समूहों ने विधेयक का विरोध किया है। रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स के उत्तरी अमेरिका के कार्यकारी निदेशक क्लेटन वेइमर ने कहा, यह अविश्वसनीय है। इस संशोधन से प्यूर्टो रिको के नेता जानबूझकर अपने नागरिकों की जानकारी तक पहुंच को रोकेंगे और प्रेस की स्वतंत्रता की गुणवत्ता को भी कम करेंगे।

इस्राइल-हिजबुल्ला तनाव: दक्षिणी लेबनान में आईडीएफ के हवाई हमले, वरिष्ठ आतंकी जकारिया याह्या समेत कई ढेर

तेल अवीव, एजेंसी। दक्षिणी लेबनान में इस्राइल और हिजबुल्ला के बीच तनाव एक बार फिर तेज हो गया है। जहां इस्राइली सेना (आईडीएफ) ने हवाई हमले में हिजबुल्ला के वरिष्ठ आतंकी जकारिया याह्या अल-हज्ज समेत तीन आतंकियों को मार गिराने का दावा किया है। आईडीएफ के अनुसार ये आतंकी संगठन के ढांचे को दोबारा खड़ा करने में लगे थे और इस्राइल की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बने हुए थे।

आईडीएफ के मुताबिक जकारिया अल-हज्ज हिजबुल्ला में अहम भूमिका निभा रहा था। वह लेबनान की सुरक्षा एजेंसियों के भीतर अपने लोगों को सक्रिय करता था और हिजबुल्ला के खिलाफ आवाज उठाने वालों को दबाने का काम करता था। ऐसे में इस्राइली सेना ने कहा कि उसकी गतिविधियां इस्राइल के लिए खतरा थीं और इस्राइल-लेबनान के बीच हुए समझौते का उल्लंघन भी थीं।

बहुत तगड़ा हमला होगा, सीरिया में अमेरिकी सैनिकों की हत्या पर भड़के डोनाल्ड ट्रंप : दश्मिक, एजेंसी। सीरिया में हुए हमले में दो अमेरिकी सैनिकों और एक नागरिक के मारे जाने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने जवाबी हमले की कसम खा ली है। उन्होंने कहा कि अमेरिका करारा जवाब देगा। अमेरिका ने इस हमले के लिए इस्लामिक स्टेट समूह को जिम्मेदार ठहराया है। बाल्टीमोर में सेना-नौसेना फुटबॉल मैच के लिए रवाना होने से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा, 'यह आईएसआईएस का हमला है।' उन्होंने मारे गए तीन अमेरिकियों के परिजनों के प्रति संवेदना जताई है। ट्रंप ने कहा कि सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल शारा भी इस हमले से बहुत परेशान और भड़के हुए हैं। रिपब्लिकन सेन जोनी ने कहा कि मारे गए सैनिक लोवा नेशनल गार्ड के जवान थे। उन्होंने कहा कि लोवा नेशनल गार्ड के सैनिकों की मौत पर बेहद दुख है और बाकी तीन घायल सैनिकों के जल्द ठीक होने की कामना करते हैं। यूएस सेंट्रल कमांड ने बताया कि एक आईएस के आतंकी ने हमला किया था और जवाबी हमले में वह भी मारा गया। इसके तुरंत बाद डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर कहा था, हमले के बहुत गंभीर परिणाम होने वाले हैं। बता दें कि बशर अल असद की सरकार गिरने केबाद पहली बार है।

डोनाल्ड ट्रंप ने इल्हान उमर को कहा था 'कचरा', अब उनके बेटे तक पहुंची आईसीई

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता में आने के बाद से प्रवासियों के लिए जीवन थोड़ा कठिन हो गया है। इसी क्रम में मिनेसोटा की डेमोक्रेटिक प्रतिनिधि इल्हान उमर ने दावा किया है कि शनिवार को उनके बेटे अदनान को अमेरिकी इमिग्रेशन एंड कस्ट्म्स एनफोर्समेंट के एजेंट्स ने रोक लिया और उससे अपनी नागरिकता सिद्ध करने के लिए कहा। सीबीएस न्यूज के मुताबिक यह एजेंट्स सरकार के आदेश पर अवैध अप्रवासियों की तलाश कर रहे हैं। इल्हान ने पूरी घटना के बारे में जानकारी देते हुए कहा, 'कल, जब वह एक स्टोर पर कुछ खरीद रहा था, तभी उसे कुछ आईसीई एजेंट्स ने रोक दिया और अपनी नागरिकता सिद्ध करने को कहा। चूंकि अदनान अपना पासपोर्ट हमेशा अपने साथ रखता है, उसने उसे दिखाया और फिर उसे जाने दिया गया।' फिलहाल उमर के इस दावे को लेकर आईसीई की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। दरअसल, अमेरिका में इल्हान उमर का नाम कोई कम जाना पहचाना नहीं है। कश्मीर के मुद्दे पर खुलकर पाकिस्तान का सपोर्ट करने वाली और यहां की यात्रा करने वाली इल्हान उमर सोमालिया की मूल निवासी हैं। डोनाल्ड ट्रंप कई बार उन पर निजी हमला करते हुए उन्हें कचर बताकर कहा था कि वह नहीं चाहते कि यह अमेरिका में रहे। ट्रंप का आरोप है कि अमेरिका की नागरिकता पाने के लिए इल्हान ने अपने भाई से ही शादी कर ली।

कौन है अदनान हिरसी : इल्हान उमर और उनके पूर्व पति अहमद हिरसी के बेटे का नाम अदनान है। इसके अलावा इस दंपत्ति के दो बेटियां और हैं। हालांकि, इन तीनों के बारे में सार्वजनिक जानकारी बहुत कम है। हालांकि, 2016 में जब मिनेसोटा से इल्हान जीतकर आई थीं, उस वक्त अदनान 10 साल के थे। उमर ने बताया कि यह पहली बार नहीं है, जब उनके बेटे को एजेंट्स ने रोका हो। इससे पहले भी एक मस्जिद में वह कुछ लोगों के साथ नमाज पढ़ रहा था। ठीक उसी समय वहां पर एजेंट्स आ गए और सभी से पूछताछ की। हालांकि, बाद में सभी को छोड़ दिया गया।

मोरक्को-अल्जीरिया सीमा पर ठंड से 9 अफ्रीकी प्रवासियों की मौत, मानवाधिकार समूहों ने जताई चिंता

रबात, एजेंसी। मोरक्को से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां अल्जीरिया सीमा के पास रास असफूर इलाके में बेहद ठंडे मौसम के कारण नौ अफ्रीकी प्रवासी की मौत हो गई है। यह क्षेत्र सर्दियों में बहुत ठंडा होता है। मरने वालों में सात पुरुष और दो महिलाएं शामिल थीं। ऐसे में मोरक्को के मानवाधिकार संगठन ने चिंता जताते हुए कहा कि उनके थके हुए शरीर अत्यधिक ठंड सहन नहीं कर सके।

जानकारी के अनुसार, इनमें से एक प्रवासी गिनी का था, जबकि बाकी लोग सब-सहारन अफ्रीका के विभिन्न देशों से थे। उनकी पहचान के बारे में अभी अधिक जानकारी नहीं मिली है।

मोरक्को की आंतरिक मंत्रालय ने इस मामले पर तुरंत कोई बयान नहीं दिया।

मानवाधिकार समहों ने जताई चिंता : इन प्रवासियों की मौत पर मानवाधिकार समूह ने कहा कि मरने वाले छह शव पिछले हफ्ते दफन किए गए और दो शव संबंधियों की मांग पर रखे गए। उन्होंने कहा कि इस मामले की पूरी निगरानी की जाएगी। मोरक्को के अन्य मानवाधिकार संगठन ने इस हफ्ते सीमाओं को मानवतावादी बनाने, अवैध प्रवास और निवास को अपराध नहीं मानने और गायब हुए प्रवासियों पर निगरानी रखने की आवश्यकता पर जोर दिया ताकि रास असफूर जैसी त्रासदियों से बचा जा सके।

हर साल होता है हजारों प्रवासियों का प्रवेश : बता दें कि हर साल हजारों प्रवासी बेहतर जीवन की तलाश में उत्तरी अफ्रीका से यूरोप की ओर अवैध रूप से जाने की कोशिश करते हैं। कुछ स्पेन के छोटे हिस्सों, सीउता और मेलिला तक पहुंचने के लिए बॉर्डर फेंस पर चढ़ते हैं या तैरते हैं। कुछ कैनरी द्वीप तक पहुंचने के लिए लंबा रास्ता लेते हैं। मोरक्को की सुरक्षा एजेंसियां ऐसे प्रयासों को अक्सर रोक देती हैं।

पाकिस्तान में बढ़ रहा फर्जी शादियों का ट्रेंड

इस्लामाबाद , एजेंसी। शादी किसी भी समाज के लिए एक उत्सव का दिन होती है। खासतौर पर उपमहाद्वीप में यह एक त्योहार की तरह मनाया जाता है, जो कई दिनों तक चलता है। भारत और पाकिस्तान की बात करें तो यहाँ पर शादी का एक कार्यक्रम हल्दी, मेहंदी से शुरू होता है और विदाई तक चलता है। इसमें पूरा परिवार और समाज शामिल होता है। हां, इसमें जिम्मेदारियां बहुत होती हैं। अब इसी मुद्दे को लेकर पाकिस्तान में फर्जी शादियों का चलन बढ़ रहा है। इसमें दूल्हा भी लड़की होती है और दुल्हन भी लड़की। शादी की रस्में बिल्कुल वैसी ही होती हैं, जैसी किसी एक सामान्य शादी में होती हैं। एक आम शादी से इतर इसमें लोग बिना किसी दबाव के केवल आनंद लेने के लिए आ सकते हैं। डी डब्ल्यू की रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान में फर्जी शादियों का यह चलन 2023 के बाद लगातार लोकप्रिय होता जा रहा है। इसमें एक बिल्कुल असली शादी की तरह माहौल होता है और ठीक उसी तरह की सजावट होती है, हां, लेकिन दूल्हा और दुल्हन में किसी तरह की आजीवन प्रतिबद्धता या फिर पारिवारिक दबाव नहीं होता है।

लाहौर यूनिवर्सिटी में फर्जी शादी : पाकिस्तान में इस तरह की पहली शादी का आयोजन लाहौर यूनिवर्सिटी मैनेजमेंट साइंसेज में किया गया। इस शादी ने न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतर्राष्ट्रीय मीडिया और सोशल मीडिया का ध्यान भी अपनी तरफ खींचा। इसके बाद लोगों के मन में इसको लेकर उत्सुकता बढ़ी और अब कई जगह पर इसका आयोजन किया जाने लगा। इसमें महिलाएं बिना किसी पारिवारिक दबाव के उन्मुक्त होकर शादी का आनंद ले सकती हैं।

यूनिवर्सिटी में फर्जी शादी के बाद विरोध भी शुरू : यूनिवर्सिटी में दो लड़कियों के बीच हुई फर्जी शादी को मिली सोशल मीडिया कवरेज के बाद पाकिस्तान में इसका जमकर विरोध भी हुआ। कई लोगों ने इसे समलैंगिक शादी समझकर इसका विरोध करना शुरू कर दिया। यूनिवर्सिटी की छात्र परिषद के पूर्व अध्यक्ष ने बताया कि इस शादी के वीडियो वायरल होने के बाद छात्राओं को ऑनलाइन ट्रोलिंग का शिकार होना पड़ा। इससे यूनिवर्सिटी की भी काफी बदनामी हुई। लोगों से इस यूनिवर्सिटी को एलीट यूनिवर्सिटी के तौर पर पेश करना शुरू कर दिया कि यह तो हकीकत से कटी हुई है, जबकि हम बस वास्तव में पढ़ाई के साथ-साथ सामाजिक तौर पर भी कुछ करना चाहते थे। यूनिवर्सिटी में हुए इस कार्यक्रम के विरोध के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने भी छात्रों की सुरक्षा और निजता को सुनिश्चित करने के लिए कई तरह की सावधानियां बरतनी शुरू कर दीं। सबसे पहले ऐसी शादियों के वीडियो और फोटो को ऑनलाइन पोस्ट करने पर प्रतिबंध लगा दिया गया। इसके अलावा ऐसी शादी में शामिल होने के लिए केवल ऐसे लोगों को एंट्री देना जो इसे मनोरंजन के तौर पर लेते हों। 2023 में हुई पहली फर्जी शादी के बारे में बात करते हुए उस समय यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाली छात्रा ने डी डब्ल्यू को बताया कि ऑनलाइन वीडियो वायरल होने के बाद दुल्हन बनने वाली लड़की को काफी परेशानी हुई थी।

ऑस्ट्रेलिया के बॉन्डी बीच पर गोलीबारी के बाद बोले ट्रंप- डरने की जरूरत नहीं, गर्व के साथ हनुक्का मनाएं

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि हनुक्का (यहूदी त्योहार) मनाने वाले लोगों को डरने की जरूरत नहीं है और उन्हें गर्व के साथ जश्न मनाना चाहिए। यह बात उन्होंने तब कही जब ऑस्ट्रेलिया के बॉन्डी बीच पर यहूदी समुदाय के लोगों को गोलीबारी में निशाना बनाया गया। इस हमले में 16 लोगों की मौत हुई। सीएनएन ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। फॉक्स न्यूज के एक पत्रकार ने ट्रंप से फोन पर बातचीत के बाद उनका संदेश साझा किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति का संदेश साफ है कि हनुक्का मनाने वालों को चिंता करने की जरूरत नहीं है, उन्हें गर्व के साथ जश्न मनाना चाहिए और अपनी पहचान पर गर्व करना चाहिए। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है, जब ऑस्ट्रेलिया में सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ी हुई हैं। ऑस्ट्रेलियाई सरकार के मुताबिक, देश में आतंकवादी हमले की संभावना बनी हुई है और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं। न्यू साउथ वेल्स पुलिस के मुताबिक, इसका मतलब है कि अगले 12 महीनों में किसी आतंकवादी हमले की योजना बनने या उसके अंजाम दिए जाने की संभावना 50 फीसदी से अधिक है। ऑस्ट्रेलिया की राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी ने कहा कि देश की सुरक्षा स्थिति एक संवेदनशील दौर में प्रवेश कर चुकी है और नए तरह के खतरों का सामना कर रही है। एजेंसी ने चेतावनी दी कि कम लागत में ऐसे हमले किए जा सकते हैं, आसानी से मिलने वाले हथियार और सरल तरीके इस्तेमाल होते हैं। ऐसे हमले अक्सर बड़े शहरों की भीड़भाड़ वाली जगहों पर किसी अकेले व्यक्ति या छोटे समूह द्वारा किए जा सकते हैं। पुलिस ने पुष्टि की है कि सिडनी के मशहूर बॉन्डी बीच पर हनुक्का उत्सव के दौरान हुई गोलीबारी में 16 लोगों की मौत हो गई और 40 अन्य घायल हुए हैं। अधिकारियों के मुताबिक, घटना के समय वहां एक हजार से

ज्यादा लोग मौजूद थे। पुलिस ने बताया कि यह हमला सिडनी के यहूदी समुदाय को निशाना बनाकर किया गया था। दो संदिग्ध हमलावरों में से एक को मौके पर ही मार गिराया गया, जबकि दूसरा हिरासत में है और उसकी हालत गंभीर है। पुलिस ने अभी संदिग्धों की पहचान सार्वजनिक नहीं की है और यह भी जांच की जा रही है कि कहीं कोई तीसरा हमलावर तो शामिल नहीं था। इस्राइल के विदेश मंत्रालय के मुताबिक, मरने वालों में एक इस्राइली नागरिक भी शामिल था। मंत्रालय ने बताया कि एक अन्य इस्राइली नागरिक घायल हुआ है और सिडनी के एक अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। घटना के कुछ घंटों बाद गोलीबारी को 'आतंकवादी हमला' घोषित किया गया। पुलिस ने कहा कि हनुक्का के पहले दिन हमले का समय और इस्तेमाल किए गए हथियारों सहित अन्य परिस्थितियों को देखते हुए यह फैसला लिया गया।

इस्राइल के अलग-अलग जगहों पर हमला : येरूशलम, एजेंसी। मामले में आईडीएफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि इस हमले से कुछ ही घंटे पहले उसने दक्षिणी लेबनान में दो और हिजबुल्ला आतंकियों को भी अलग-अलग हमलों में मार गिराया। इतना ही नहीं इस्राइली सेना ने यह भी दावा किया कि लेबनान के याटर इलाके में आईडीएफ ने एक ऐसे आतंकी को मारा, जो हिजबुल्ला के आतंकवादी ढांचे को फिर से खड़ा करने की कोशिशों में शामिल था। दूसरी ओर बिंत जिबैल इलाके में एक और आतंकी को मार गिराया गया, जो हिजबुल्ला का स्थानीय प्रतिनिधि था। वह लोगों से संपर्क रखता था और निजी संपत्तियों पर कब्जा कर उन्हें आतंकी गतिविधियों में इस्तेमाल करता था। ऐसे में आईडीएफ का कहना है कि ये सभी हमले दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्ला के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा हैं।

अब तक 40 से ज्यादा आतंकी ढेर : बेरूत, एजेंसी। अक्तूबर से लेकर अभी तक दक्षिणी लेबनान के करीब 30 इलाकों में इस्राइल के हमले में 40 से ज्यादा आतंकी ढेर हुए। इस बात का दावा इस्राइल की सेना ने किया। जो हिजबुल्ला के ढांचे को दोबारा मजबूत करने की कोशिश कर रहे थे। गौरतलब है कि इस्राइल ने हिजबुल्ला पर सीजफायर समझौते का बार-बार उल्लंघन करने का आरोप लगाया है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित,
मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com